राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण | पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 182 पटना (बिहार) रविवार,04 मई 2025 पेज - 12 मूल्य: 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

बिहार बीजेपी के 5 महामंत्री के नाम फाइनल ! जातिगत और क्षेत्रीय समीकरण के आधार पर होगा चयन

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः भारतीय जनता पार्टी इस साल होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर कमर कस चुकी है. प्रदेश स्तर पर कमेटी की गठन को लेकर भी तैयारी अंतिम दौर में है. राष्ट्रीय संगठन महामंत्री की सहमति के बाद प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल अब सूची को अंतिम रूप देने में जुट गए हैं. सबकी नजर प्रदेश महामंत्रियों की नियुक्ति पर टिकी है. 10 महीने से लटका है कमेटी का गठनः सम्राट चौधरी को बिहार बीजेपी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था लेकिन बिहार में सरकार बदल गई. बदली परिस्थिति में सम्राट चौधरी राज्य के उपमुख्यमंत्री बनाए गए. वहीं 'एक व्यक्ति एक पद' के सिद्धांत पर चलते हुए उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष का पद छोड़ दिया. जून-जुलाई (2024) में दिलीप जायसवाल को प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंपी गई. हालांकि औपचारिक रूप से नियुक्ति मार्च 2025 महीने में हुई है. जायसवाल ने अब तक प्रदेश स्तर की कमेटी के गठन को अंतिम रूप नहीं दिया है लेकिन अब आने वाले कुछ दिनों में प्रदेश स्तर की कमेटी का ऐलान कर दिया जाएगा. राष्ट्रीय अध्यक्ष की स्वीकृति का इंतजारः बिहार विधानसभा चुनाव में 6 महीने का वक्त बचा है और कार्यकताओं का दबाव भी इस बात को लेकर है कि जल्द प्रदेश स्तर की संगठन इकाई को अंतिम रूप दिया जाए. राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष बिहार दौरे पर आए थे और बैठक में नेताओं ने प्रदेश कमेटी के गठन पर जोर दिया था. प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कमेटी के गठन को लेकर एक्सरसाइज शुरू कर दिया है और दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद सूची को जल्द प्रकाशित कर दिया जाएगा. 4 महामंत्रियों की होगी नियुक्तिः भाजपा में प्रदेश अध्यक्ष के बाद महामंत्री का पद महत्वपूर्ण और ताकतवर माना जाता है. पार्टी के पांच महामंत्री होते हैं. पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को धरातल पर लाने की जिम्मेदारी महामंत्रियों के कंधों पर होती है. प्रदेश अध्यक्ष अपने पसंद के नेता को महामंत्री के पद पर बिठाते हैं. दिलीप जायसवाल ने महामंत्रियों के चयन को लेकर वर्कआउट कर लिया है और जातिगत आधार पर नाम भी तय कर लिए गए हैं. नए चेहरे को मिलेगा मौकाः वर्तमान में 5 महामंत्री काम कर रहे हैं, जिनकी नियुक्ति सम्राट चौधरी ने की थी. शिवेश राम ने सासाराम से लोकसभा का चुनाव लड़ा था, वहीं मिथिलेश तिवारी

बक्सर से उम्मीदवार थे. हालांकि दोनों चुनाव हार गए और अब विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं. इसके अलावा ललन मंडल, जगरनाथ ठाकुर और राजेश वर्मा को बीस सूत्री और आयोग में जगह मिल चुकी है. माना जा रहा है कि इस बार महामंत्रियों की टीम में नए चेहरे को जगह मिल सकती है. इन 3 जातियों को नहीं मिलेगा पदः जातिगत जनगणना पर नरेंद्र मोदी के फैसले के बाद पार्टी पर जातिगत समीकरण को साधने की चुनौती भी है. बिहार बीजेपी ने कुशवाहा जाति से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, भूमिहार जाति से उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा और बनिया समुदाय से प्रदेश अध्यक्ष के रूप में दिलीप जायसवाल को नियुक्त किया है. ऐसे में साफ है कि इन तीनों जातियां से महामंत्री की नियुक्ति होने की संभावना बेहद कम है. ब्राह्मण जाति से एक नेता बनेंगे महामंत्रीः इस बार पार्टी 5 जातियों को महामंत्रियों के जरिए साधना चाहती है. ब्राह्मण, राजपूत, दलित, अति पिछड़ा और पिछड़ा समुदाय से महामंत्री बनाए जाने की संभावना है. ब्राह्मण जाति से मृत्युंजय झा सशक्त दावेदार माने जा रहे हैं और यह मिथिला क्षेत्र से आते हैं. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े होने के चलते संगठन में उनकी मजबूत पकड़ है. केंद्र सरकार मिथिला क्षेत्र को महत्व दे रही है, ऐसे में उनका संभावना काफी अधिक है. सुशील चौधरी भी ब्राह्मण जाति से आते हैं और उन्हें भी संगठन में काम करने का अनुभव प्राप्त है. वह पहले उपाध्यक्ष रह चुके हैं और मिथिला क्षेत्र से आने के चलते सुशील चौधरी भी दौड़ में शामिल हैं. राजपूत जाति से ये दो दावेदारः राजपूत जाति को भी भाजपा साधना चाहती है और महामंत्री के तौर पर राजपूत जाति से एक नेता टीम में शामिल किया जा सकता है. पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गोपाल नारायण सिंह के पुत्र विक्रम सिंह सशक्त दावेदार माने जा रहे हैं. उनको महामंत्री बनाए जाने की तैयारी है, वह शाहाबाद क्षेत्र से आते हैं और शाहाबाद के किले को मजबूत करने के लिए विक्रम सिंह पर दाव लगाया जा सकता है. सूची में एक और दावेदार राजेंद्र सिंह हैं. 2020 में चिराग पासवान की पार्टी से विधानसभा का चुनाव लड़ने के कारण उन पर कार्रवाई हुई थी लेकिन बाद में दोबारा से पार्टी में शामिल कर लिए गए. वह झारखंड में संगठन महामंत्री रह चुके हैं और उनके संगठन क्षमता को देखते हुए उन्हें महामंत्री बनाया जा सकता है. बेबी देवी को मिल सकता है मौकाः भारतीय जनता पार्टी के लिए दलित वोट बैंक भी चिंता का सबब है. दलित समुदाय से एक नेता को पार्टी प्रदेश महामंत्री बनने की तैयारी में है. पूर्व विधायक बेबी देवी को महामंत्री बनने की तैयारी है. बेबी देवी एक तो दलित हैं और दूसरी बात वह महिला भी हैं. उनको महामंत्री बनाकर पार्टी एक तीर से दो निशाना साधना चाहेगी. बेबी देवी मुजफ्फरपुर क्षेत्र से आती हैं और इनके जरिए दलित वोट के साथ-साथ तिरहुत इलाके को भी साधने

एक नजर

अनंत सिंह को मिली बड़ी राहत, साक्ष्य के अभाव में इस केस में बरी

क्राइम संवाददाता द्वारा

मुंगेरः मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह को मुंगेर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने बरी कर दिया है. शनिवार को सुनवाई करते हुए विशेष न्यायालय के न्यायाधीश सह अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम सह सहायक सत्र न्यायाधीश प्रथम कुमार पंकज ने साक्ष्य के अभाव में बाहुबली नेता बरी कर दिया. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मामले में सुनवाई हुई थी. साक्ष्य के अभाव में बरीः अभियोजन पक्ष अनंत सिंह के खिलाफ आरोप को साबित करने में विफल रहा है. इस मामले में अनंत कुमार सिंह सहित 80-100 समर्थक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज हुआ था, लेकिन आरोप पत्र सिर्फ अनंत कुमार सिंह के विरुद्ध समर्पित हुआ था. वीडियो कान्फ्रेंसिंग से निर्णयः सुरक्षा कारणों से केन्द्रीय कारा बेऊर पटना में बाढ़ थाना कांड संख्या 389/2019 में सजावार बंदी और बिहार में 'छोटे सरकार' नाम से मशहूर मोकामा के पूर्व विधायक अनंत कुमार सिंह की न्यायालय में संदेह उपस्थित नहीं हुआ. न्यायालय ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से निर्णय सुनाया, जबकि इसके पूर्व बयान अभियुक्त के प्रारुप में अनंत कुमार सिंह ने अपने उपर लगाए गए आरोप को निराधार बताया था, जो केन्द्रीय कारा पटना से न्यायालय में प्राप्त हुआ था. क्या है मामला?: दरअसल, वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में बिना इजाजत लिए 31 मार्च 2019 को 16 गाड़ियों के काफिले के साथ

अनंत कुमार सिंह अपने समर्थकों के साथ धरहरा अंचल में अपनी पत्नी और कांग्रेस प्रत्याशी नीलम देवी के लिए प्रचार किया था. लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र मुंगेर के जमालपुर-166, विधानसभा क्षेत्र में धरहरा अंचल अन्तर्गत फ्लाईंग स्क्वाईड की टीम में मैजिस्ट्रेट के रूप में अंचल अधिकारी अबुल हुसैन प्रतिनियुक्ति थे. उनके बयान पर धरहरा थाना में कांड संख्या 84/2019 दर्ज हुआ था. विधिवत वीडियोग्राफी भी की गई. फिलहाल जेल में ही रहेंगे पूर्व विधायकः इस केस में भले ही अनंत सिंह बरी हो गए हैं लेकिन वह फिलहाल जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे. 22 जनवरी 2025 को मोकामा के नौरंगा जलालपुर गांव में सोनू-मोनू गैंग के साथ हुई फायरिंग के मामले में अनंत सिंह फिलहाल बेऊर जेल में बंद हैं.

यमुना भगत स्टेडियम में फुटबाल मैच से होगी शुरूआत

संवाददाता द्वारा

बेगूसराय बेगूसराय जिला प्रशासन द्वारा खेलो इंडिया यूथ गेम को ऐतिहासिक बनाने के लिए मुख्यालय से यमुना भगत स्टेडियम तेघरा एवं रिफाइनरी बरौनी स्टेडियम बेगूसराय तक व्यापक रूप से हॉर्डिंग, फलैक्स, बैनर वॉल पेंटिंग, रास्तों पर पेंटिंग प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पूरे जिले में खेलो इंडिया यूथ गेम का प्रचार रथ जिला प्रशासन द्वारा धूमाया जा रहा है। पूरा जिला फुटबॉल खेल मे रंग गया है। बेगूसराय जिले में फुटबॉल मैच आयोजन पांच मई से शुरू होकर अगले 15 मई तक जारी रहेगा, जिसमें देश भर से आये कुल 16 टीमें के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा दिखायेंगे और चैंम्पियन बनने के लिए जी-जान लगायेंगे। जिला प्रशासन द्वारा दोनों मैदानों में खेल प्रेमियों को मैच देखने के लिए

बैठने की अलग व्यवस्था की गई है। जहां बैठकर खिलाड़ी खेल का आनंद उठायेंगे एवं खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ायेंगे। जिला प्रशासन ने दर्शकों के लिए प्रवेश बिल्कुल निःशुल्क रखा है। जिला प्रशासन द्वारा खिलड़ियों एवं सपोर्ट स्टॉफ के लिए जिले के सात अच्छे होटलों की व्यवस्था की गई है। तथास्तु होटल एंड बैंकेट हॉल बरौनी में दिल्ली, चंडीगढ़, उड़ीसा एवं पश्चिम बंगाल की पुरुष टीम रूकेगी। होटल देवी दरबार में बिहार एवं झारखंड की पुरुष टीम, होटल केडीएम पैलेस में मिजोरम की पुरुष टीम एवं होटल सम्राट में मेघालय की पुरुष टीम रूकेगी। महिलाओं की टीम के लिए युवराज डीलक्स जीरोमाईल बरौनी में व्यवस्था की गई है, जहां मणिपुर, झारखंड, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु की टीम रूकेगी। बिहार की महिला टीम के लिए सरोजगी गार्डेन होटल एंड रेस्टोरेंट सुशील नगर सिंघौल में व्यवस्था की गई है। सभी राज्यों के महिला एवं पुरूष टीम के खिलाड़ी लगभग पहुंच गये हैं, जिन्हें जिला प्रशासन द्वारा उनके लिए चिन्हित होटलों में सुरक्षा के साथ पहुंचाया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा महिलाओं के कुल आठ टीमों को फुटबॉल मैच को लेकर दो ग्रुप बनाया गया है, जिसमें ग्रुप ए में झारखंड तमिलनाडु, राजस्थान एवं बिहार को रखा गया है एवं ग्रुप बी में आंध्रप्रदेश, हरियाण, मणिपुर, दिल्ली को रखा गया है। पुरुषों के टीम को लेकर ग्रुप ए में ओड़िसा, मेघालय, पश्चिम बंगाल, चंडीगढ़ एवं ग्रुप बी में बिहार, दिल्ली, मिजोरम, झारखंड को रखा गया है। मैच का शैड्यूल भी जारी कर दिया गया है।

ओवरटेक बना जानलेवा...बाइक अनियंत्रित होकर पुल के डिवाइडर से टकराई,

क्राइम संवाददाता द्वारा

मुजफ्फरपुर :मुजफ्फरपुर जिले में सड़क हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसमें एक की मौत मौके पर ही हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसको इलाज के लिए SKMCH मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। दोनों आपस में चाचा-भतीजा बताए गए हैं। जो की सारण जिले के जगतपुर पानापुर के रहने वाले हैं। मृतक चाचा की पहचान 50 वर्षीय बदन शाह उर्फ मदन शाह के रूप में किया गया है। जबकि भतीजे की पहचान 24 वर्षीय गुड्डू साह के रूप में किया गया है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि दोनों एक बाइक पर सवार होकर सारण से मुजफ्फरपुर की ओर आ रहे थे। उसी दौरान ओवरटेक करते समय बाइक अनियंत्रित होकर एक पुल के डिवाइडर से टकरा गई, जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। इसमें बदन शाह की मौके पर मौत हो गई। जबकि भतीजा का सिर फट गया, जिसको इलाज के लिए मेडिकल

कॉलेज में भेजा गया है। मृतक बदन शाह उर्फ मदन शाह कारपेंटर का काम करते थे और काम के सिलसिले में वह मुजफ्फरपुर में आ रहे थे। बाइक उनका भतीजा चला रहा था। इसी दौरान हादसा हुआ, जबकि घायल भतीजा निजी कंपनी में कार्यरत है और वह हाल में अपने गांव में आया हुआ था। पुलिस इस मामले में आगे की कार्रवाई कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराए जाने के लिए मेडिकल कॉलेज में भेजा गया है। जबकि घायल को इलाज हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूरे मामले में साहेबगंज थाना के सब इंस्पेक्टर विमल कुमार यादव ने बताया है, एक बाइक पर सवार दो लोग साहेबगंज की ओर आ रहे थे। इसी दौरान सड़क दुर्घटना हुई। दोनों की बाइक एक पुल से जा टकराई है और घायल हुई है। एक की मौत मौके पर ही हो गई है, जबकि दूसरा घायल हो गया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराए जाने के लिए मेडिकल कॉलेज में भेजा गया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

75 दिनों में 8 जातीय सम्मेलन, आरजेडी की पूरी रणनीति समझिए

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटना : बिहार में इसी साल विधानसभा का चुनाव होना है. विधानसभा चुनाव को देखते हुए आरजेडी जातीय गोलबंदी करने में जुट गई है. आज राष्ट्रीय जनता दल ने अति पिछड़ा सम्मेलन किया. पिछले 75 दिनों में तेजस्वी प्रसाद यादव 8 अलग-अलग जातियों के कार्यक्रम में शामिल होकर उनको अपने पाले में लाने का प्रयास कर रहे हैं. आरजेडी की जातीय राजनीति : 1990 में लालू प्रसाद ने बिहार के सत्ता की कमान संभाली थी. जब लालू प्रसाद बिहार के मुख्यमंत्री बने उस समय पिछड़ा और अति पिछड़ा समाज के सभी वर्गों ने उनका साथ दिया. लालू यादव ने 90 के दशक से बिहार में एक नया राजनीतिक समीकरण बनाया. जो माई यानी मुस्लिम और यादव के नाम से जाना जाने लगा. पिछले 35 वर्षों से यह समीकरण आरजेडी के साथ मजबूती के साथ खड़ा है. तेजस्वी का जातीय सम्मेलन : नीतीश कुमार के शासन में आते ही पिछड़ा एवं अति पिछड़ा समाज का झुकाव नीतीश कुमार और ठऊअ के तरफ होने लगा. तेजस्वी यादव 2015 में राजनीति में आए. धीरे-धीरे आरजेडी की कमान तेजस्वी यादव के हाथों में आने लगी. 2020 विधानसभा चुनाव में तेजस्वी यादव अपने चुनावी रणनीति में बदलाव करते हुए अपनी पार्टी को ट से बढ़ाते हुए सभी जातियों की पार्टी बताने लगे. जो तेजस्वी यादव कभी आरजेडी को अ टू की पार्टी बता रहे थे. वही अब विधानसभा चुनाव से पहले जातीय गोलबंदी में जुट गए हैं. पिछले 75 दिनों में तेजस्वी यादव आठ जातीय सम्मेलन में भाग लेकर उन्हें अपने पक्ष में लाने का प्रयास कर रहे हैं. 'आरजेडी अ टू की पार्टी' : आरजेडी विधायक एवं प्रदेश के प्रधान महासचिव रणविजय साहू ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल पिछड़ा, अति पिछड़ा एवं दलित की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक लड़ता रहा है. देश में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के विचारों को यदि किसी ने उतारने का काम किया है तो वह जननायक कपूर्री ठाकुर थे. उसके बाद लालू प्रसाद ने इसे धरती पर उतरने का काम किया. "आज पूरा पिछड़ा एवं अति पिछड़ा समाज तेजस्वी यादव के साथ खड़ा है. पिछड़ा समाज चाह रहा है कि बिहार की कमान तेजस्वी यादव के हाथ में हो."- रणविजय साहू, प्रदेश प्रधान महासचिव, आरजेडी जातीय सम्मेलन करवाने के सवाल पर रणविजय साहू का कहना है कि तेजस्वी यादव ने सही कहा

था कि आरजेडी ए टू जेड की पार्टी है. यही कारण है कि राजपूत समाज से आने वाले जगदानंद सिंह को प्रदेश अध्यक्ष और पिछड़ा समुदाय से आने वाले रणविजय साहू को प्रधान महासचिव बनाया. राष्ट्रीय जनता दल एकमात्र पार्टी है जो अपने संगठन में पदों पर आरक्षण व्यवस्था लागू किए हुए है.

तेली हुंकार रैली : 9 फरवरी को मिलर स्कूल मैदान में तेली हुंकार रैली का आयोजन किया गया था. इस रैली में तेजस्वी यादव शामिल हुए थे, क्योंकि उन्हें पता था कि बिहार की राजनीति में तेली समुदाय बीजेपी का कोर वोटर माना जाता है. बिहार में हुए जाति सर्वेक्षण के अनुसार यहां पर तेली समुदाय की आबादी 2.81% है. तेजस्वी यादव इसी वोट बैंक को अपने साथ लाने के प्रयास कर रहे हैं. यही कारण है कि जो बीजेपी का मजबूत वोट बैंक को संबोधित करते हुए तेजस्वी ने कहा था कि आप एक कदम बढ़िये तो हम आपके पक्ष में दो कदम आगे बढ़ेंगे. गुरु रविदास जयंती : 23 फरवरी को रविंद्र भवन में रविदास समाज के द्वारा सम्मेलन का आयोजन किया गया था. बिहार की राजनीति में रविदास समाज की आबादी 5.25% है. कभी रविदास समाज आरजेडी का वोट बैंक माना जाता था, लेकिन धीरे-धीरे वह उससे दूर होते गया. तेजस्वी यादव एक बार फिर से इनको अपने साथ लाने का प्रयास कर रहे हैं. रविदास समाज से आने वाले शंभू राम का कहना है कि, "नीतीश कुमार के साथ हम लोगों की कोई नाराजगी नहीं है, लेकिन जो लोग हामारा साथ देंगे इस चुनाव में, हमारी जाति उसके साथ खड़ा रहेगा. हमलोगों को उम्मीद है कि तेजस्वी यादव ने जो वादा किया है वह जरूर पूरा करेंगे." मुसहर भुइयां सम्मेलन : 8 अप्रैल को श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में मुसहर भुइयां सम्मेलन हुआ था. इस सम्मेलन में भी तेजस्वी प्रसाद यादव मुख्य अतिथि थे. महा दलित समुदाय से आने वाले लोगों के ऊपर शराबबंदी के बाद अत्याचार को लेकर तेजस्वी यादव ने उनके प्रति हमदर्दी दिखाई. बिहार में मुसहर एवं भुइयां की आबादी 3.08% है. कभी आरजेडी का वोट बैंक रह चुकी यह जाति नीतीश कुमार के इन लोगों को महादलित की श्रेणी में रखने के बाद इन लोगों का झुकाव जेडीयू की तरफ हो गया. तेजस्वी यादव फिर से इन्हें अपने साथ लाने का प्रयास कर रहे हैं. मुसहर समाज से आने वाले शंकर मांझी का कहना है कि, "बिहार में शराबबंदी के बाद खुलेआम शराब बिक रहा है, लेकिन मुसहर समाज के लोगों को प्रताड़ित किया जा रहा है. यही कारण है कि हमारे समाज में इस बात को लेकर आक्रोश है और हम लोग इस बार तेजस्वी यादव के साथ खड़े रहेंगे." अंबेडकर जयंती समारोह : 14 अप्रैल संविधान निमार्ता बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर का जयंती समारोह मनाया गया. तेजस्वी प्रसाद यादव राघोपुर में अंबेडकर जयंती समारोह में शामिल हुए थे. वहीं पर उन्होंने दलित समुदाय के घर सत्तू खाकर मैसेज देने का प्रयास किया कि वह उनके साथ खड़े हैं. संविधान बचाने की बात कह कर 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्षी दलों को दलित समुदाय का साथ मिला था. बिहार में दलित समुदाय की आबादी 19.65% है. दलित समुदाय से आने वाले बुद्ध प्रकाश का मानना है कि "अंबेडकर जयंती के अवसर पर तेजस्वी यादव कार्यक्रम में शामिल हुए थे. 1990 में सत्ता परिवर्तन के बाद लालू प्रसाद यादव के साथ दलित समुदाय उनके के साथ रहा. बीच में दलित समुदाय नीतीश कुमार के साथ गया था लेकिन जिस तरीके से दलितों पर अत्याचार बढ़ा है. दलित समुदाय यह देख रहा है कि कोई उनकी रक्षा एवं संविधान को बचा सकता है तो वह तेजस्वी यादव हैं. बाबू वीर कुंवर सिंह जयंती समारोह : 23 अप्रैल को बाबू वीर कुंवर सिंह जयंती समारोह रविंद्र भवन में किया गया था. वीर कुंवर सिंह जयंती के बहाने तेजस्वी प्रसाद यादव राजपूत समाज को अपने पाले में लाने का प्रयास कर रहे हैं.

स्वतंत्रता सेनानी साधु शरण सिंह का 101 वर्ष में निधन, लोगों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

संवाददाता द्वारा

गया :जहानाबाद जिला शनिवार को अत्यंत शोक एवं गर्व के मिश्रित भावों के साथ अपने महान सपूत, स्वतंत्रता सेनानी साधु शरण सिंह को अंतिम विदाई दिया। सिंह का निधन उनके पैतृक गांव टीमलपुर में हो गया। वे 101 वर्ष के दीर्घ जीवन में देश, समाज एवं मूल्यों के प्रति अपने अटूट समर्पण के प्रतीक बने रहे। साधु शरण सिंह का जन्म 12 मई 1924 को जहानाबाद जिले के काको प्रखंड अंतर्गत टीमलपुर गांव में हुआ था। उनका जीवन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को समर्पित रहा। युवा अवस्था में ही उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष में भागीदारी ली। वे उन निर्भीक योद्धाओं में से थे, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने जीवन की परवाह न करते हुए सत्य, स्वराज और स्वतंत्रता के लिए जेल यातनाएं सही और कठोर परिस्थितियों में भी डटे रहे। भारत सरकार ने 1972 में स्वतंत्रता की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर देश के स्वतंत्रता सेनानियों को स्वर्ण जयंती सम्मान पत्र प्रदान किया था। साधु शरण सिंह को यह गौरव तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा प्राप्त हुआ। यह सम्मान पत्र आज भी उनके परिजनों द्वारा बड़े गर्व से संरक्षित किया गया है, जो आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति का जीवंत प्रमाण देता रहेगा। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी सिंह ने सामाजिक जीवन में सक्रिय रहते हुए ग्रामीण चेतना, स्वाभिमान एवं शिक्षा के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे स्थानीय स्तर पर न्याय प्रिय, संयमी एवं मार्गदर्शक व्यक्तित्व के रूप में हमेशा सम्मानित रहे। उनकी अंतिम यात्रा के अवसर पर जिला पदाधिकारी अलंकृता पांडेय एवं पुलिस अधीक्षक अरविंद प्रताप सिंह ने उनके निवास स्थान पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधिगण, सामाजिक कार्यकर्ता और प्रशासनिक पदाधिकारी उपस्थित हुए और नम आंखों से अंतिम विदाई दी। जहानाबाद जिला प्रशासन एवं समस्त नागरिक समाज की ओर से इस महान स्वतंत्रता सेनानी को शत-शत नमन करते हुए हम उनके चरणों में अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उनकी देशभक्ति, निष्ठा और त्यागभावना हमेशा हमें प्रेरणा देती रहेगी।

रेलवे ने दो नई ट्रेनों के परिचालन का किया फैसला, कार्यकारी निदेशक ने बताई खूबी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने दो नई ट्रेनों के परिचालन का फैसला किया है। रेलवे के सूचना एवं प्रचार विभाग के कार्यकारी निदेशक दिलीप कुमार ने समाचार एजेंसी इसकी जानकारी दी। उन्होंने देश में रेलवे नेटवर्क को बढ़ाने की दिशा में हो रहे कार्यों के बारे में बताया। दिलीप कुमार ने कहा, पूरे देश में रेलवे नेटवर्क की मजबूती के लिए हम प्रयासरत हैं और इसी क्रम में देश में नई सेवाओं का परिचालन लगातार किया जा रहा है। दो नई ट्रेनों को चलाने का फैसला लिया गया है। इनमें एक ट्रेन एमजीआर चेन्नई से भगत की कोठी, जोधपुर (राजस्थान) तक सप्ताह में पांच दिन चलेगी। यह सोमवार, मंगलवार, गुरुवार, शुक्रवार और रविवार को चलेगी। वहीं भगत की कोठी से वापस इस ट्रेन का परिचालन सोमवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार और रविवार को किया जाएगा। दूसरी ट्रेन सेवा जोधपुर से पुणे के बीच है। यह सप्ताह में सातों दिन चलेगी। ट्रेन के फीचर्स की तारीफ करते हुए उन्होंने बताया, ÷पहली ट्रेन एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से भगत की कोठी जाएगी। इसका नंबर 20625 (अप) और 20626 (डाउन) है। इसमें 22 कोच हैं, सभी कोच एलएचबी हैं। इसमें न सिर्फ सफर आरामदायक होगा, बल्कि एनहैंस्ड सेफ्टी फीचर्स लगे हुए हैं। ये कोच हाल ही में बनकर तैयार हुए हैं।

चन्नी के सर्जिकल स्ट्राइक का सबूत मांगने पर भाजपा नेता हमलावर, 'देश का गद्दार' बताया

नई दिल्ली। लोकसभा सांसद एवं पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के सर्जिकल स्ट्राइक का सबूत मांगने पर भाजपा हमलावर है। दिल्ली के भाजपा नेता नवीन कुमार जिंदल और भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने उन्हें देश का गद्दार करार दिया है। दरअसल, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद सबकी नजर सरकार की कार्रवाई पर है। इसी बीच, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने सरकार से 2016 में हुए सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगे, जिस पर भाजपा हमलावर है। नवीन कुमार जिंदल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स' पर चरणजीत सिंह चन्नी का वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, अभी सेना का मनोबल बढ़ाने का समय है, लेकिन कांग्रेस नेता चन्नी को देखिए... फिर सेना के शौर्य पर सवाल उठाते हुए सर्जिकल स्ट्राइक का सबूत मांग रहे हैं। ये देश के गद्दार हैं। पाकिस्तान खुद मान चुका है कि सर्जिकल स्ट्राइक हुई थी।

रूस की सेना में भर्ती हुए युवकों के परिजन विदेश मंत्रालय के डायरेक्टर से मिलेंगे

नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान रूसी सेना में शामिल हुए या लापता युवकों के परिवार के सदस्य 5 मई को दोपहर 3 बजे दिल्ली में विदेश मंत्रालय में यूरेशिया विभाग के डायरेक्टर राकेश पांडे से मुलाकात करेंगे। रूस जाकर आए परिवार के सदस्यों ने बताया है कि भारत सरकार और विदेश मंत्रालय की तरफ से उन्हें रूस में किसी भी तरह की मदद नहीं दी गई। परिजनों के मुताबिक, युद्ध के दौरान सेना में शामिल हुए या लापता हुए उनके परिवार के युवाओं और लोगों के बारे में पूरी जानकारी नहीं दी जा रही है। इन सभी मुद्दों को लेकर वे सोमवार (5 मई) को राकेश पांडे से मुलाकात करेंगे। पंजाब में जालंधर के गोराया कस्बे के जगदीप कुमार ने बताया कि वह पिछले महीने 3 अप्रैल को रूस गए थे और वहां कई दिनों तक रुके थे ताकि अपने भाई मनदीप कुमार की तलाश कर सकें, जो पिछले एक साल से भी ज्यादा समय से रूसी सेना में भर्ती हैं। लेकिन उन्हें अब तक अपने भाई के बारे में पूरी जानकारी नहीं मिल पाई है, न ही भारतीय दूतावास और न ही रूसी दूतावास ने उनकी कोई मदद की है। हालांकि रूस के आम लोगों ने उनकी पूरी मदद की है। उन्होंने बताया कि वह सिर्फ रूसी सेना में अपने भाई का कॉन्ट्रैक्ट ही हासिल कर पाए हैं और इसके अलावा वह अपने भाई मनदीप के बारे में कुछ पता नहीं लगा पाए हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ से उनके साथ गए अजय के मामा और अजीमुद्दीन के भाई के बारे में भी कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

सोनिया गांधी ने गिरिजा व्यास के निधन पर जताया शोक, बताया 'अपूरणीय क्षति'

नई दिल्ली । कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने गिरिजा व्यास के परिजनों को पत्र लिखकर अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं और उनकी सेवाओं को याद किया। भाई गोपाल कृष्ण शर्मा को संबोधित करते हुए सोनिया गांधी ने लिखा, आपकी बड़ी बहन, कांग्रेस की वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री, साहित्य जगत की सशक्त हस्ताक्षर लेखिका, प्रसिद्ध कवियित्री सौम्य स्वभाव एवं मृदुभाषी डॉ. गिरिजा व्यास जी लगभग एक माह पूर्व एक भीषण दुर्घटना की चपेट में आने की वजह से अहमदाबाद में चल रहे इलाज के दौरान उनके निधन के समाचार से मैं स्तब्ध हूं। उनका हम सबके बीच से जाना उनके परिवार, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, साहित्य जगत के लिए अपूर्णीय क्षति है। राजनीतिक, सामाजिक और शिक्षा के क्षेत्र में उनका अविस्मरणीय योगदान रहा है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सिद्धांतों और विचारधारा पर उनकी अपनी अंतिम सांस तक अडिग आस्था रही।

डॉ जितेन्द्र सिंह ने दीर्घकालिक नवाचार के माध्यम से उद्योग की भागीदारी बढ़ाने पर दिया जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के 55वें स्थापना दिवस के अवसर पर केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारत के उभरते वैज्ञानिक परिदृश्य को रेखांकित किया। इसके साथ उन्होंने दीर्घकालिक नवाचार के माध्यम से उद्योग की भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इंटरनेशनल अंबेडकर सेंटर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, डीएसटी की स्थापना विज्ञान के क्षेत्र में स्वतंत्रता के बाद के भारत की प्रगति को दर्शाती है, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि किस प्रकार विभाग ने अनुसंधान और शासन को जोड़ा है तथा दृष्टि को सत्यापन योग्य परिणामों में परिवर्तित किया है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि डीएसटी के हस्तक्षेपों ने न केवल विज्ञान को आगे बढ़ाया है, बल्कि

महिलाओं, बच्चों और हाशिए पर पड़े समुदायों पर ध्यान केंद्रित करते हुए जमीनी स्तर पर विकास को भी गति दी है। मंत्री ने डीएसटी के प्रभाव के एक उपाय के रूप में भारत की बढ़ती वैश्विक रैंकिंग पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वैश्विक नवाचार सूचकांक में एक लंबी छलांग लगाई है। 2015 में ये 81वें स्थान पर था जो अब 2024 में 39वें स्थान पर आ गया है। स्टार्ट-अप संख्या, विज्ञान और इंजीनियरिंग में पीएचडी और शोध प्रकाशनों में वैश्विक स्तर पर तीसरा स्थान हासिल किया है। भारत अब बौद्धिक संपदा फाइलिंग में भी दुनिया भर में छठे स्थान पर है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि स्थायी नवाचार को निजी खिलाड़ियों द्वारा संचालित और वित्तपोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में, केवल ज्ञान साझेदारी काम नहीं करती बल्कि उद्योग को खेल में शामिल होना चाहिए। वैज्ञानिक सफलता को बनाए रखने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने नवगठित वैधानिक निकाय, एएनआरएफ (अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन) की भूमिका पर भी प्रकाश डाला, जो अनुसंधान निधि को लोकतांत्रिक बनाने और विश्वविद्यालय की भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक परिवर्तनकारी शक्ति है।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने एनसीबी की अमृतसर जोनल यूनिट को 547 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त करने पर दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की अमृतसर जोनल यूनिट को 547 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त कर 15 लोगों को गिरफ्तार करने पर बधाई दी है।केंद्रीय गृह मंत्री कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'भारत निर्मम आक्रामकता के साथ ड्रग कार्टेल को खत्म कर रहा है। एनसीबी की अमृतसर जोनल यूनिट ने 4 राज्यों में 4 महीने तक चले ऑपरेशन के दौरान ड्रग डायवर्जन कार्टेल को खत्म किया, 547 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त की और 15 लोगों को गिरफ्तार किया। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के तहत ड्रग-मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम है। एनसीबी की टीम को बधाई।'

आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता की आवश्यकता: लोकसभा अध्यक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आतंकवाद की समस्या से निपटने के लिए सभी लोकतांत्रिक देशों को एकजुट होकर कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने यह टिप्पणी जापान के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के स्पीकर नुकागा फुकुशिरो के साथ बैठक के दौरान की। फुकुशिरो ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए भारत की लड़ाई में जापान के समर्थन की पुष्टि की। बिरला ने भारत और जापान की मित्रता को विश्व शांति और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण बताया और दोनों देशों के बीच क्वाड, जी-20 और अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन जैसे बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग की बात की। उन्होंने जापान में भारतीय कुशल कर्मियों के अवसरों का स्वागत किया और बौद्ध धर्म के प्रति साझा विरासत को भी रेखांकित किया। बिरला ने भारत के संविधान की भूमिका, दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 और नारी शक्ति वंदन अधिनियम के महत्व पर भी चर्चा की। इस अवसर पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश और अन्य सांसद मौजूद थे।

यूजीसी ने केआईआईटी भुवनेश्वर में छात्राओं की आत्महत्या मामले पर फैक्ट फाइंडिंग कमेटी गठित की

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी), भुवनेश्वर में छात्राओं की आत्महत्या मामलों की जांच के लिए फैक्ट फाइंडिंग कमेटी गठित की है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के पूर्व कुलपति प्रो. नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली यह कमेटी 10 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

यूजीसी ने एक बयान जारी कर कहा कि केआईआईटी, भुवनेश्वर में 16 फरवरी और 1 मई को हुई लगातार दो आत्महत्या की घटनाओं से जुड़ी परिस्थितियों की जांच करने, छात्र कल्याण और सुरक्षा नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उपाय सुझाने के लिए एक फैक्ट फाइंडिंग कमेटी गठित करने का निर्णय लिया है। इग्नू के पूर्व कुलपति प्रो. नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली कमेटी में सदस्य के तौर पर राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (एनआईईपीए) की कुलपति प्रो. शशिकला वंजारी और दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गया के पूर्व कुलपति प्रो. एच.सी.एस. राठौर शामिल हैं। इसके अलावा यूजीसी की संयुक्त सचिव डॉ. सुनीता सिवाच को समन्वय अधिकारी बनाया गया है।कमेटी छात्र आत्महत्या की घटनाओं से जुड़ी परिस्थितियों की जांच करेगी, जिसमें संस्थागत नीतियां,

शैक्षणिक दबाव, शिकायत निवारण तंत्र और छात्र सहायता संरचनाएं जैसे कारक शामिल हैं। कमेटी सुरक्षा प्रोटोकॉल, शिकायत निवारण तंत्र और उत्पीड़न विरोधी उपायों सहित प्रासंगिक छात्र कल्याण और सुरक्षा विनियमों के अनुपालन की समीक्षा करेगी।

भारत विश्व में बैठकों, प्रोत्साहनों, सम्मेलनों और प्रदर्शनियों की राजधानी बनने के लिए पूरी तरह तैयार: गजेन्द्र सिंह शेखावत

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने देश में प्रदर्शनी उद्योग के शीर्ष राष्ट्रीय निकाय भारतीय प्रदर्शनी उद्योग संघ (आईईआईए) द्वारा आयोजित दो दिवसीय सेमिनार का उद्घाटन किया। भारत मंडपम में भारत~ तीव्र विकास की धरती विषय पर आधारित इस सेमिनार को संबोधित करते हुए गजेन्द्र सिंह ने कहा कि पर्यटन के नए क्षेत्र विकसित हो रहे हैं, जिसमें एमआईसीई पर्यटन सबसे महत्वपूर्ण है और यह देश में सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र है। मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद, बैंगलोर, जयपुर और यहां तक ??कि जी-20 सम्मेलन के बाद छोटे शहरों सहित पूरे देश में हम जो प्रदर्शनी और सम्मेलन का बुनियादी ढांचा देख रहे हैं, उससे पता चलता है कि भारत इस क्षेत्र के लिए मजबूत संभावनाओं की दहलीज पर खड़ा है। शेखावत ने

कहा कि भारत को एमआईसीई पर्यटन का केंद्र बनाने के लिए सरकार और निजी प्रदर्शनी उद्योग को मिलकर काम करना होगा। वैश्विक स्तर पर होने वाले कई कार्यक्रमों को कैलेंडर में शामिल करके भारत में लाया जा सकता है। भारत सड़क, विमानन और रेलवे क्षेत्रों में योजनाबद्ध विस्तार के साथ सम्मेलन और प्रदर्शनी का एक बड़ा सम्मेलन केंद्र भी बन रहा है। यह उद्योग देश के आर्थिक विकास के लिए एक शुभ संकेत है। शेखावत ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश ने बुनियादी ढांचे में जबरदस्त वृद्धि दर्ज की है, चाहे वह 1,50,000 किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण हो, नए रेलवे स्टेशन हों, सेमी हाई-स्पीड ट्रेनें हों, अंतर्देशीय जलमार्ग हों या 150 से अधिक हवाई अड्डे हों, इन सभी ने एमआईसीई कार्यक्रमों के संबंध में देश की प्रगति में योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि जी-20 की अध्यक्षता के बाद देश में आत्मविश्वास बढ़ा है। आने वाले समय में भारत दुनिया की एमआईसीई राजधानी के रूप में उभरेगा। भारतीय प्रदर्शनी उद्योग संघ के अध्यक्ष सूरज धवन ने कहा कि भारतीय प्रदर्शनी उद्योग संघ (आईईआईए) सेमिनार और प्रदर्शनी सेवा एक्सपो भारतीय प्रदर्शनी उद्योग का वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन है, जिसमें देश के सभी क्षेत्रों और विदेशों से उद्योग प्रमुख भाग लेते हैं। यह कार्यक्रम व्यापार नेटवर्किंग, ज्ञान के आदान-प्रदान और उद्योग के भविष्य को आकार देने वाले उभरते रुझानों पर चर्चा के लिए अपनी तरह के एक सार्थक मंच के रूप में कार्य करता है।

शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस पर लगाया 'सेना के अपमान' का आरोप, बोले 'ये उनकी आदत'

एजेंसी

नई दिल्ली। सर्जिकल स्ट्राइक पर सबूत मांगकर कांग्रेस नेता और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने एक बार फिर विवाद खड़ा कर दिया है। चन्नी के बयान के बाद भाजपा उन पर हमलावर हो गई है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि सेना का लगातार अपमान करना कांग्रेस की आदत बन गई है। न्यूज एजेंसी से बातचीत के दौरान भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि आज कांग्रेस पार्टी का नाम बदलकर एंटी नेशनल कांग्रेस कर देना चाहिए। कांग्रेस की आज एकमात्र पहचान यह है कि वह सेना का लगातार अपमान कर रही है और पाकिस्तान के समर्थन में बयान दे रही है। पाकिस्तान को अपना भाईजान बुलाना कांग्रेस को पसंद है। भाजपा प्रवक्ता ने आगे कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी घटना के बाद ऑल पार्टी मीटिंग में कांग्रेस का दावा रहता है कि वह देश और सेना के साथ मजबूती के साथ खड़ी है और सख्त कार्रवाई की मांग की जाती है। लेकिन जैसे ही कांग्रेस के नेता मीटिंग से बाहर निकलते हैं, तो वे वोट बैंक की राजनीति को राष्ट्रीय हित से ऊपर उठा देते हैं। पहलगाम घटना के बाद कांग्रेस के नेताओं के बयान यह दिखाते हैं कि इनके नेता सेना पर सवाल खड़े कर पाकिस्तान को क्लीन चिट देने का काम कर रहे हैं। इनके नेता कहते हैं कि पाकिस्तान के साथ बातचीत होनी चाहिए। कांग्रेस अप्रत्यक्ष रूप से इस्लामिक जिहाद का समर्थन करके हमारे सशस्त्र बलों का मनोबल कमजोर कर रही है।

जन अभियान के माध्यम से 'नक्शा' कार्यक्रम का लाभ जन-जन तक पहुंचाना उद्देश्य: शिवराज

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा समग्र कृषि और ग्रामीण विकास के लिए मैराथन बैठकों का दौर जारी है। कृषि भवन में वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में चौहान ने ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत ग्रामीण विकास एवं भूमि संसाधन विभाग की योजनाओं-कार्यक्रमों की समीक्षा की। केंद्रीय मंत्री चौहान ने भूमि संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी आधुनिक तकनीक का जलग्रहण विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में बेहतर उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मृदा व नमी संरक्षण डेटा के आधार पर निर्णय सहायता प्रणाली विकसित करके ग्राम समुदाय और व्यक्तिगत किसानों को उचित सलाह दी जाना चाहिए। शिवराज सिंह ने कृषि भूमि के लिए डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआईएलआरएमपी) तथा शहरी भूमि सर्वेक्षण के लिए नक्शा कार्यक्रम के तहत प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान बताया गया कि डीआईएलआरएमपी के तहत अधिकारों के अभिलेख 99 प्रतिशत तक कम्प्यूटरीकृत किए जा चुके हैं। भूकर मानचित्रों को लगभग 97 प्रतिशत तक डिजिटाइज किया जा चुका है। उप रजिस्ट्रार कार्यालयों को 95 प्रतिशत तक कम्प्यूटराइज किया जा चुका है। केंद्रीय मंत्री ने इस प्रगति की सराहना करते हुए आगे बेहतर प्रयास करने व अधिकाधिक लोगों तक कार्यक्रम की जानकारी पहुंचाने के उद्देश्य से जन अभियान शुरू करने को कहा। नक्शा कार्यक्रम को देश के 29 राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों में 152 शहरी स्थानीय निकायों में चलाया जा रहा है, जिनमें से 61 में एरियल फ्लाइंग का काम पूरा हो चुका है।शिवराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के वाटरशेड विकास घटक (डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई) के तहत जलग्रहण विकास परियोजनाओं को जनांदोलन की तरह क्रियान्वित किया जाना चाहिए। आम जनता, जनप्रतिनिधियों, गैर सरकारी संगठनों, कॉरपोरेट्स सहित सभी हितधारकों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाएं। स्प्रिंगशेड विकास पर भी चर्चा हुई, जिसे लेकर केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों में स्प्रिंगशेड विकास किया जाना चाहिए, ताकि आबादी को कम पानी उपलब्धता वाले महीनों में पानी उपलब्ध कराया जा सके। स्थानीय आबादी को पीने का पानी उपलब्ध कराने के अलावा, यह प्रमुख नदी प्रणालियों के जल प्रवाह को भी बढ़ाएगा, जो अंततः मैदानी क्षेत्रों में रहने वाली बड़ी आबादी की मदद करेगा। अन्य प्रोजेक्ट्स की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा- डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई अंतर्गत वाटरशेड विकास परियोजनाओं की प्रभावशीलता बढ़ाने हेतु मनरेगा, आरकेवीवाई, पीडीएमसी, एमआईडीएच जैसी योजनाओं के साथ अधिकतम अभिसरण सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

केंद्रीय गृह सचिव ने हरियाणा की तत्काल जल आवश्यकताओं पर चर्चा की

एजेंसी

नई दिल्ली। हरियाणा और राजस्थान के कुछ भागों की तत्काल जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हरियाणा को आठ दिनों के लिए अतिरिक्त 4500 क्यूसेक पानी जारी करने के भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) के निर्णय के कार्यान्वयन के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए नई दिल्ली में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि बैठक में इस मामले पर विचार-विमर्श किया गया और सलाह दी गई कि भाखड़ा बांधों से हरियाणा को अगले आठ दिनों के लिए 4500 क्यूसेक अतिरिक्त पानी छोड़ने के बीबीएमबी के निर्णय को लागू किया जाए ताकि उनकी तत्काल जल आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। यह भी सहमति हुई कि बांधों के भरने की अवधि के दौरान, बीबीएमबी पंजाब को उनकी किसी भी अतिरिक्त आवश्यकता को पूरा करने के लिए यह अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराएगा। बीबीएमबी हरियाणा को अतिरिक्त पानी छोड़ने के कार्यान्वयन के तौर-तरीकों पर

काम करने के लिए तुरंत बोर्ड की बैठक बुलाएगा।बैठक में भारत सरकार, बीबीएमबी के साझेदार राज्यों- पंजाब, राजस्थान एवं हरियाणा और बीबीएमबी के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि बीबीएमबी की स्थापना 1966 में हुई थी। इसका मुख्यालय पंजाब के भाखड़ा में स्थित है। बीबीएमबी के कार्यों में बांध संचालन, जल संसाधन प्रबंधन, बिजली उत्पादन और बाढ़ नियंत्रण शामिल है।

बच्चों को भी प्रभावित कर रहा गठिया का रोग, एम्स के डॉक्टरों ने दिया जागरुकता पर जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। अगर बच्चों को खेलने-कूदने में जोड़ों में दर्द व सूजन जैसी समस्या होने की शिकायत होती है तो इसे अनदेखा नहीं करना चाहिए। ये लक्षण जुवेनाइल इडियोपैथिक अर्थराइटिस के हो सकते हैं जो बच्चों और किशोरों में पाया जाने वाला सबसे आम प्रकार का गठिया रोग है। यह जानकारी एम्स दिल्ली के बाल चिकित्सा विभाग के गठिया रोग विशेषज्ञ डॉ. नरेंद्र बागड़ी ने दी। उन्होंने बताया कि जे.आई.ए. यानी जुवेनाइल इडियोपैथिक अर्थराइटिस रोग देशभर में बच्चों और किशोरों को तेजी से प्रभावित कर रहा है। जिसके चलते केवल एम्स दिल्ली में ही हर साल 250 से 300 मामले सामने आते हैं। इसके इलाज में अलग-अलग विशेषज्ञों का योगदान होता है जिनमें बाल गठिया विशेषज्ञ, हड्डी के विशेषज्ञ, आंख के विशेषज्ञ, कसरत के चिकित्सक शामिल हैं।उन्होंने बताया कि जे.आई.ए एक ऑटो इम्यून रोग है जो आमतौर पर हाथों, घुटनों, टखनों, कोहनी और कलाई में जोड़ों के दर्द और सूजन का कारण बनता है। लेकिन, यह शरीर के अन्य अंगों को भी प्रभावित कर सकता है। यह 16 वर्ष की उम्र से पहले शुरू होता है जो अनुवांशिक

कारणों एवं पर्यावरण कारणों (शायद संक्रमण) का मिला-जुला परिणाम है। अनुवांशिक कारणों के बावजूद यह बीमारी एक ही परिवार के दो बच्चों में बहुत कम पाई जाती है। डॉ. बागड़ी ने कहा, अगर बच्चे के जोड़ों में दर्द और सूजन जैसे लक्षण 6 सप्ताह से अधिक दिखाई दें तो चिकित्सकीय जांच कराएं और जे.आई.ए. की पुष्टि होने पर इलाज शुरू कर दें। हालांकि, जे.आई.ए. ज्यादातर जोड़ों और आसपास के ऊतकों को प्रभावित करता है, लेकिन यह आंखों, यकृत, हृदय और फेफड़ों जैसे अन्य अंगों को भी प्रभावित कर सकता है। जे.आई.ए. एक पुरानी स्थिति है, जिसका अर्थ है कि यह महीनों और सालों तक रह सकती है। डॉ. बागड़ी के मुताबिक जे.आई.ए. को जड़ से खत्म करने की कोई दवा नहीं है। बीमारी के इलाज का मकसद दर्द, थकावट, अकड़न को कम करना, जोड़ और हड्डी की खराबी को रोकना एवं कामकाज या शारीरिक गतिविधियों में सुधार करना है।

जाति जनगणना में विलंब ना करे सरकार, पारदर्शिता और सहभागिता सुनिश्चित करें : कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने केंद्र सरकार से मांग की है कि जाति आधारित जनगणना को और अधिक विलंबित न किया जाए और इसकी पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और सहभागी हो। पार्टी का कहना है कि सभी राजनीतिक दलों को विश्वास में लेकर, तय समयसीमा में जातिगत जनगणना शुरू की जानी चाहिए, ताकि सामाजिक न्याय की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें। कांग्रेस ने यह भी दोहराया कि संविधान के अनुच्छेद 15(5) को तुरंत लागू कर ओबीसी, दलितों और आदिवासियों को निजी शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण दिया जाए। पार्टी मुख्यालय में हुई कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में आज इस संबंध में प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक की अध्यक्षता पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने की। इसमें राहुल गांधी, सोनिया गांधी, के.सी. वेणुगोपाल, जयराम रमेश, भूपेश बघेल, सचिन पायलट, प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। सीडब्ल्यूसी ने अपने प्रस्ताव में कहा कि मोदी सरकार ने 11 वर्षों के विरोध और इनकार के बाद कांग्रेस की जातिगत जनगणना की मांग को मान तो लिया है, लेकिन अब तक न तो कोई स्पष्ट योजना बनाई गई है और न ही इसके लिए बजटीय प्रावधान किया गया है। कांग्रेस ने संसद में इस पर तत्काल बहस कराने और प्रत्येक चरण–प्रश्नावली, डेटा संग्रह, वर्गीकरण और प्रकाशन–के लिए स्पष्ट समयसीमा तय करने की मांग की है। पार्टी ने तेलंगाना मॉडल को उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया, जिसमें पार्टी का कहना है कि जाति सर्वेक्षण के लिए परामर्श, जवाबदेही और जनभागीदारी की खुली प्रक्रिया अपनाई गई थी। कांग्रेस का मानना है कि जाति जनगणना को वैज्ञानिक और सहभागी तरीके से लागू किया जाए, तो यह आरक्षण, शिक्षा, कल्याण और रोजगार की नीतियों को अधिक न्यायसंगत बना सकता है।

संक्षिप्त समाचार

पाकुड़ डीएवी पब्लिक स्कूल में लीगल लिटरेसी के तहत दी गई विधिक जानकारी

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःझालसा रांची के निदेशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के निर्देश पर सचिव रूपा बंदना किरो की उपस्थिति में शनिवार को लीगल लिटरेसी क्लब डीएवी पब्लिक स्कूल में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में सचिव रूपा बंदना किरो ने उपस्थित सभी छात्र छात्राओं को विधिक जानकारी से अवगत कराया। इस दौरान किशोर समस्याएं, मौलिक कर्तव्य, मौलिक अधिकार, राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांत आदि पर विशेष रूप से जागरूक किया गया । साथ ही साइबर अपराध से बचाव के लिए कई बिंदु पर प्रकाश डालते हुए निजी डिटेल्स न देने को कहा गया। छात्र छात्राओं को अनुशासन में रहने लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने को लेकर प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम के तहत छात्र छात्राओं को कानूनीतौर पर मजबूत बनाने को लेकर कई महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई। मौके पर लीगल एड डिफेंस काउंसिल के सहायक गंगाराम टुडू,डीएवी पब्लिक स्कूल के प्रधानाध्यापक, वहीं जीदातो बालिका उच्च विद्यालय में पीएलवी कमला राय गांगुली ने जागरूक की ।पैरा लीगल वॉलिंटियर्स उत्पल मंडल, नीरज कुमार राउत समेत कई संख्या में छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

जदयू जिला प्रवक्ता ने बिजलीझपानी की समस्या से निजात दिलाने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ जदयू जिला प्रवक्ता अमन भगत ने बिजलीझपानी जैसी मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं को लेकर उपायुक्त का ध्यान आकृष्ट कराया है। पत्र के जरिये उन्होंने बताया है कि नगर के भगतपाड़ा बाल विद्यापीठ स्कूल के गली में उपभोक्ताओं के बिजली का कनेक्शन बांस के खंभे के सहारे टिकी है। स्थानीय लोग बांस के खंभे के सहारे ही अपनेझअपने घरों तक बिजली के तार का उपयोग कर रहे है, जिससे कभी भी किसी प्रकार की अप्रिय घटना घट सकती है एवं आंधीझतूफान में तार गिरने से मोहल्ले में रह रहे लोगों को जानमाल का नुकसान हो सकता है। मोहल्लेवासियों की समस्याओं को देखते हुए अमन भगत ने पाकुड़ उपायुक्त से अनुरोध करते हुए कहा है कि मोहल्ले में जनहित के लिए बिजली के खंभे एवं तार का कनेक्शन कॉन्क्रीट पोल के माध्यम से कराना अति आवश्यक है। आगे उन्होंने लिखा है कि मोहल्ले में नाली के गंदे पानी की निकासी की भी कोई समुचित व्यवस्था यहां नहीं है। बारिश में नाली का पानी गली की सड़कों पर आ जाता है, जिससे गली में रह रहे लोगों को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने नगर परिषद द्वारा गली में नाली के निर्माण कराने की मांग की है, ताकि मोहल्ले वासियों को इस समस्या से निजात मिल सके।

मतीभ्रस्ट इंसान को इंसानियत फाउंडेशन के सदस्यों ने पहनया नया पोशाक

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ नया वल्लभपुर मे पिछले कई वर्षो से परिवार से बिछड़कर रह रहे एक ऐसा इंसान जो दुसरो पर आश्रित है घर ठिकाना कुछ पता नहीं, यहा के स्थानीय लोगों के द्वारा इनका देखरेख किया जाता आ रहा है, मानवता का परिचय देते हुए इंसानियत फाउंडेशन के सदस्य प्रत्येक त्यौहार मे नहला दुलाकर नया कपड़ा, जूता खाना आदि का व्यवस्था करके दिया जाता हैं, इंसानियत फाउंडेशन के सचिव बानिज शेख ने कहा हमारे संस्था सभी जाति धर्मों के लोगों को निस्वार्थ भाव से रक्तदान, राशन वितरण, कपड़ा वितरण, असहाय लोगों को दवा खरीदने के लिए राशि आदि दान किया जाता है, यह सब ग्रुप के सदस्यों के द्वारा किया जाता है एवं आगे भी सेवा करते रहेंगे क्युकि सब इंसान एक समान है. मौके पर सेताब शेख, काबिजुल शेख, मुसलोद्दीन शेख, असिकुल शेख, केबलू साहा, राजीव मंडल, हाजी अब्दुल रहीम, मोसराफ शेख, एवं अन्य लोग मौजूद रहे.

डीएवी विद्यालय में इसरो प्रमुख डॉ. कस्तूरीरंगन को दी गई श्रद्धांजलि

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ :पाकुड़ डीएवी पब्लिक विद्यालय के प्रांगण में शनिवार को एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन कर इसरो एवं अंतरिक्ष आयोग के अध्यक्ष डॉ. कृष्णस्वामी कस्तूरीरंगन को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुख्य भूमिका निभाने वाले डॉ. कस्तूरीरंगन की तस्वीर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. विश्वदीप चक्रवर्ती एवं वरिष्ठ शिक्षक संजीव कुमार मिश्रा ने माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया।

इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने उनके जीवनी एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. चक्रवर्ती ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. कस्तूरीरंगन ने वर्ष 1994 से 2003 तक इसरो का नेतृत्व किया एवं अपने मृत्यु काल तक राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय और एनआईआईटी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति रहे। वे जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलाधिपति रहे और उन्होंने कर्नाटक ज्ञान आयोग के अध्यक्ष पद को भी सुशोभित किया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा उनके विशिष्ट उपलब्धि हेतु उन्हें पद्म श्री, पद्म भूषण एवं पद्म विभूषण सम्मान से सम्मानित किया गया था। डॉ. के. कस्तूरीरंगन के जीवन की प्रमुख उपलब्धियों को विद्यालय में पीपीटी के माध्यम से बच्चों को दिखाया गया। विद्यालय परिवार ने डॉ. कस्तूरीरंगन के उच्च आदर्शों को आत्मसात करने व उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संकल्प भी लिया।

चान्हो के परसातरी गांव में भाई ने दूसरे भाई की हत्या की हत्यारा हुआ गिरफ्तार

दिव्य दिनकर संवाददाता

चान्हो - थाना क्षेत्र के परसातरी गाँव मे पतरस केरकेट्ट ने अपने ही भाई सुधीर करकेट्टा की हत्या कर दी यह घटना गुरुवार मध्य रात्रि की बताई जा रही है। घटना चान्हो थाना क्षेत्र परसातरी गांव में हुई है जहां आपसी विवाद में एक भाई ने दूसरे भाई को जान से मार डाला घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शुक्रवार 10 बजे रिम्स भेज दिया वहीं दूसरी तरफ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पतरस करकेट्टा को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है

वन नेशन, वन इलेक्शन पर हुई महत्वपूर्ण शिष्टाचार भेंट– राज्यपाल महोदय ने विचार को बताया दूरदर्शी पहल

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

झारखंड की राजधानी रांची स्थित राजभवन में एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल संतोष गंगवार से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना (ठरर) के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता एवं समाजसेवी राजेन्द्र कुमार साव ने बाबा बैद्यनाथ धाम की स्मृति स्वरूप एक प्रतीक चिन्ह भेंट किया और ह्यवन नेशन, वन इलेक्शनह्न–एक राष्ट्र, एक चुनाव की संकल्पना पर विस्तृत चर्चा की। इस बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने एकमत होकर इस विचार का समर्थन किया और कहा कि यह पहल भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सशक्त और सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम हो सकता है। उन्होंने साझा किया कि यदि लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाएं, तो इससे न केवल समय, संसाधन और खर्च में कमी आएगी, बल्कि विकास कार्यों की गति भी बनी रहेगी। राज्यपाल संतोष गंगवार ने इस विचार का स्वागत करते हुए इसे भारतीय लोकतंत्र के लिए एक व्यापक और दूरदर्शी सोच बताया। उन्होंने कहा कि इससे बार-बार लगने वाली आचार संहिता से प्रशासनिक कार्य बाधित नहीं होंगे और देश में एक समान चुनाव प्रक्रिया की दिशा में ठोस कदम उठाया जा सकेगा। उन्होंने प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि वे इस विषय पर केंद्र सरकार को समेकित सुझाव प्रेषित करेंगे। प्रतिनिधिमंडल ने झारखंड राज्य से संबंधित कुछ अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी राज्यपाल महोदय से चर्चा की,झारखंड राज्य में ह्य’११८ अू३ह्न को लागू करना। राज्य के विश्वविद्यालयों में वर्षों से रिक्त पड़ी लाइब्रेरियन की नियुक्तियों को शीघ्र पूरा करना। विवि की लाइब्रेरियों को पुनः सक्रिय बनाना व आधुनिक सुविधाओं से युक्त करना। इन मुद्दों को गंभीर बताते हुए राज्यपाल महोदय ने कहा कि वे इन सभी विषयों को माननीय मुख्यमंत्री तक प्राथमिकता के आधार पर अग्रसारित करेंगे। मुलाकात के अंत में प्रतिनिधिमंडल ने महामहिम का आभार प्रकट किया और लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ और प्रभावशाली बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. ओमप्रकाश पांडेय, एनएसएस अवॉर्ड विजेता राजेन्द्र साव, जतिन कुमार, एवं शिवम् कुमार उपस्थित रहे।

गांव में प्यास बुझाने में टैंकर मददगार, 15 वें वित्त से जिलेभर के गांवों में भेजा जा रहा टैंकर

रिपोर्ट अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ तपती धूप और भीषण गर्मी में गले का सुखना और देह से पसीना निकलता लाजमी है। गांवों में पेयजलापूर्ति की समस्या को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार लगातार मॉनिटरिंग कर जिले के लिट्टीपाड़ा प्रखंड के सभी ग्राम पंचायतों एवं अमड़ापाड़ा प्रखंड के डुमरचीर पंचायत, महेशपुर प्रखंड के तेलियापोखर, पाकुड़िया प्रखंड के बनियापसार, खाकसा पंचायत के अंजनगरिया ग्राम सहित अन्य ग्रामों में कराया गया है जिससे ग्रामीणों में खुशी का माहौल देखी जा रही है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया। जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू ने बताया कि उपायुक्त के आदेशानुसार 15 वें वित्त आयोग योजना से जिला प्रखंड के सभी ग्राम पंचायतों में टैंकर उपलब्ध है। यदि किसी भी ग्रामीण को पेयजलापूर्ति की आवश्यकता हो तो इसके लिए ग्राम पंचायत के पंचायत सचिव या मुखिया से सीधे सम्पर्क कर सकते हैं ताकि समय से पेयजल उपलब्ध कराई जा सके।

ग्रामीणों को टैंकर के माध्यम से जरूरतमंद को पीने का पानी उपलब्ध

कराली के प्रख्यात व्यक्तित्व रामेश्वर पांडे का निधन

केरेडारीः-

केरेडारी प्रखण्ड के कराली गांव में शिक्षक के निधन की खबर से शोक की लहर दौड़ गई है। वे एक समर्पित और सम्मानित शिक्षक थे जिन्होंने अपने जीवन में शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके निधन से पूरे गांव में गहरा दुख व्याप्त है। श्री पांडे ने कई वर्षों तक सरकारी स्कूल में शिक्षक के रूप में सेवा दी और विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत बने। उनके कार्यों और समर्पण को गांव के लोग सदैव याद रखेंगे। उनके निधन पर गांव के लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। इस अवसर पर कई गणमान्य लोग भी उपस्थित थे जिन्होंने उनके योगदान को याद किया और परिवार को सांत्वना दी। अन्य सहयोगी कृष्ण पांडे, कराली के मुखिया तथा प्रखंड वासियों ने भी गहरी संवेदना व्यक्त की

मांडर सड़क दुर्घटना मे एक 35 वर्षीय युवक की मौत

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर- एनएच 75 में ब्राम्बे के निकट शुक्रवार की रात को सड़क दुर्घटना में एक 35 वर्षीय युवक की मौत हो गयी. मृतक की पहचान नहीं हो पायी है. घटना रात करीब साढ़े नौ बजे की है. बताया जा रहा है कि युवक पैदल ही ब्राम्बे कि ओर जा रहा था. इसी क्रम में किसी वाहन ने उसे धक्का मार दिया. जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था. हादसे के बाद मांडर पुलिस ने उसे रेफरल अस्पताल पहुंचाया था. जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे रिम्स रेफर किया गया था. रिम्स में ही रात को इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गयी. पुलिस के अनुसार काले रंग की पैंट व पीले रंग का टीशर्ट पहने युवक के पास शिनाख्त के लायक कोई सामान नहीं मिला था!

उपायुक्त हेमंत सती ने किया बोरियो प्रखंड में संचालित विभिन्न विकास योजनाओ का किया निरीक्षण

साहिबगंजः उपायुक्त हेमंत सती ने शनिवार को बोरियो प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे विकास योजनाओं एवं निर्माण कार्यों का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पदाधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सभी योजनाएं गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएं ।निरीक्षण की शुरूआत झारक्राफ्ट प्रदर्शनी के लिए बनाए जा रहे भवन से हुई, जहां उपायुक्त ने कार्य की प्रगति का जायजा लिया और उपस्थित अभियंताओं से निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि यह भवन स्थानीय कारीगरों को एक मंच प्रदान करेगा, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी।इसके बाद उपायुक्त ने लोहण्डा स्थित 500 टळ कोल्ड स्टोरेज का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि यह कोल्ड स्टोरेज किसानों के लिए वरदान साबित होगा, जिससे वे अपनी उपज को लंबे समय तक सुरक्षित रख सकेंगे और बेहतर मूल्य प्राप्त कर सकेंगे। उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुर्गा टोला में अतिरिक्त दो कक्षों के निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत संरचना को मजबूत करना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने कार्य में गुणवत्ता और समय सीमा का विशेष ध्यान रखने की हिदायत दी। इसके अतिरिक्त पहाड़पुर में प्रस्तावित प्रोकुलेशन टैंक तथा विद्यालय के लिए भूमि निरीक्षण किया गया, जहां उपायुक्त ने ग्रामीणों से संवाद भी किया और उनकी जरूरतों को समझा। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि प्रशासन उनकी समस्याओं के समाधान हेतु पूरी तरह तत्पर है। इसके बाद उन्होंने चतरा नाल चेक डैम निर्माण स्थल का निरीक्षण किया, जो जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण परियोजना है। साथ ही, तेलो पंचायत के छोटा बरमसिया, दुर्गा टोला पंचायत के आसनबोना तथा खैरवा पंचायत के रामपुर बासजोरी में तालाब निर्माण कार्यों का भी जायजा लिया गया। उपायुक्त ने कहा कि ये जल संसाधन परियोजनाएं न केवल सिंचाई सुविधा को बेहतर बनाएंगी, बल्कि जल संकट से जूझ रहे गांवों के लिए राहत का काम करेंगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और जनभागीदारी को प्राथमिकता दी जाए। निरीक्षण के दौरान जिला योजना पदाधिकारी अनुप कुमार, भुमि संरक्षण पदाधिकारी राहुल गुप्ता, जिला सहकारिता पदाधिकारी महादेव मुर्मू, उपस्थित थे।

कृष्णा कुमार के नेतृत्व में देवघर जिला में आजाद समाज पार्टी भीम आर्मी का बढ़ता जनाधार

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज दिनांक 3/05/2025 को आजाद समाज पार्टी देवघर जिला अध्यक्ष क्रांतिकारी कृष्णा कुमार के नेतृत्व में बहुजन आर्मी के संथाल परगना प्रभारी सरवन कुमार दास ने शनिवार को आजाद समाज पार्टी का दामन थामा । आजाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष क्रांतिकारी कृष्णा कुमार ने अपने आवासीय कार्यालय काशीडीह में सरवन कुमार दास व प्रियांशु राज को माला पहना कर व आजाद समाज पार्टी का पट्टा देकर सम्मानित किया और भारतीय संविधान के दायरे में रहकर कार्य करने का निर्देश दिया। इस दौरान सरवन कुमार दास ने कहा कि आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एड. चंद्रशेखर आजाद के विचारों से प्रभावित होकर व देवघर जिला अध्यक्ष क्रांतिकारी कृष्णा कुमार के कुशल नेतृत्व में आजाद समाज पार्टी का दामन थामा हूं आगे जो भी पार्टी का निर्देश होगा उसपर खड़े उतरने का प्रयास करूंगा। साथ ही जिला अध्यक्ष क्रांतिकारी कुमार जी ने नवनियुक्त सभी सदस्यों को पार्टी का सदस्यता ग्रहण कराया व संवैधानिक दायरे में रहकर कार्य करने का निर्देश दिया। मौके पर मौजूद युवा जिला अध्यक्ष अमरेश कुमार दास प्रखंड कोषाध्यक्ष नीतेश कुमार मौजूद थे।

श्री राणी शक्ति दादी माताजी मंदिर, देवघर का धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर । स्थानीय बम्पास टाउन, झूनझूनूधाम स्थित श्री राणी शक्ति दादी माता जी मंदिर में बड़े ही हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री राणी शक्ति दादी माता जी का भव्य, अदभुत व आकर्षक श्रृंगार किया गया श्रीदादी माता जी को भक्तों द्वारा सामुहिक रूप से चुनरी ओढाई गई। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध मंगलपाठ वाचिका नीतू अग्रवाल एवं सामुहिक रुप से महिला भक्तो द्वारा - मंगलपाठ किया गया। आयोजन की अभूतपूर्व सफलता में महिलाओं की अहम भूमिका रही। मौके पर हिन्दू विकास मंच (समग्र-भारत) के जिला अध्यक्ष प्रभाष गुप्ता ने इस भक्तिमय आयोजन से ओत-प्रोत होकर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आयोजको के प्रति आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद व्यक्त किया है।

अनुमंडल पदाधिकारी ने देवीपुर अंचल का किया निरीक्षण

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर अनुमंडल पदाधिकारी देवीपुर अंचल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने देवीपुर अंचल कार्यालय में अंचलाधिकारी को खोपालाल राम एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय राजेश बारला से मुलाकात कर विभिन्न पहलुओं पर चर्चा विमर्श किया। इस दौरान उन्होंने मैईया सम्मान योजना के तहत आयोजित हो रहे पंचायत वार कैंप में डीबीटी रिपोर्ट प्रखंड विकास पदाधिकारी से जानकारी लिया। वही अंचलाधिकारी और अंचल में कार्यरत चार हल्का कर्मचारी से मूल रैयत और प्रधानी मौजा से संबंधित जानकारी प्राप्त किया। कहा कि प्रधानी मौजा में प्रधान हेतु पद जहां खाली है। वहां प्रधान बहाल करने के लिए रिपोर्ट हमें करें। वहीं अन्य तरह के रिपोर्ट अपडेट रखने के निर्देश दिया।

हमीदनगर बराज पर लगा किसान कैंप में किसानो को डीएम ने दिया अस्वाशन

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद)गोह प्रखंड के पुनपुन बराज परियोजना के अधूरे कार्यों को पूरा कराने के लिए शनिवार को जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री, और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ हमीदनगर बराज पहुंचे और प्रभावित किसानों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं से रूबरू हुए। किसानों ने भूमि अधिग्रहण से संबंधित मामलों में मुआवजा की अद्यतन दर पर भुगतान की मांग की। किसानों का कहना था कि मौजूदा बाजार दर के अनुसार ही मुआवजा दिया जाए, ताकि वे अपनी भूमि देने के लिए तैयार हो सकें। बैठक में एडीएम ने बताया कि बराज परियोजना के लिए अधिग्रहित भूमि का मुआवजा भुगतान शीघ्र सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने किसानो को भरोसा दिलाया कि सभी समस्याओं और मांगों को गंभीरता से लिया गया है और जिला प्रशासन पूरी कोशिश कर रहा है कि जल्द से जल्द भुगतान की प्रक्रिया शुरू हो सके ताकि परियोजना का कार्य गति पकड़ सके और किसानों को सिंचाई की सुविधा समय पर मिल सके। कैंप में भाकपा, अखिल भारतीय किसान सभा और राष्ट्रीय लोक मोर्चा समेत विभिन्न संगठनों के नेताओं का समर्थन किसानों को मिला, जिससे आंदोलन को बल मिला। किसान मौजूदा सर्किल रेट से चार गुना मुआवजा, गलत भुगतान में सुधार और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। किसानों की एकता सराहनीय : सुरेश प्रसाद यादव अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय सचिव और भाकपा अंचल सचिव कामरेड सुरेश प्रसाद यादव ने कहा कि जब तक किसानों की मांगों पर सरकार विचार नहीं करती, परियोजना का काम बंद रहेगा। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक डॉ. रणविजय कुमार ने कहा कि श्याम सुंदर एक व्यक्ति नहीं, किसानों की ताकत हैं। जब वह मुआवजे की मांग कर रहे थे, तभी उन पर फर्जी मुकदमा कर दिया गया। प्रशासन को मुकदमा वापस लेना होगा। उन्होंने कहा कि जब 98 करोड़ की योजना की लागत बढ़कर 650 करोड़ हो सकती है, तो किसानों की जमीन का मूल्य क्यों नहीं बढ़ाया जा सकता? बैठक में पूर्व पैक्स अध्यक्ष वीरमणि द्विवेदी, पैक्स अध्यक्ष रामपूजन कुमार, समिति सदस्य रामराज्य पासवान, भाजपा नेता सत्येंद्र शर्मा, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष वशिष्ठ शर्मा और भाकपा नेता महेश्वर यादव समेत दर्जनों किसान प्रतिनिधि मौजूद थे राजद नेता श्याम सुंदर ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर किसानों की एकजुटता के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि भले ही वे व्यक्तिगत रूप से कैंप में शामिल नहीं हो सके, लेकिन किसानों ने जो चट्टानी एकता दिखाई है, वह प्रशंसनीय है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे संयम बनाए रखें और लोकतांत्रिक दायरे में रहकर अपनी लड़ाई जारी रखें। उन्होंने यह भी बताया कि सांसद कामरेड राजाराम सिंह से वार्ता चल रही है और जल्द ही आंदोलन की रूपरेखा सार्वजनिक की जाएगी।

उधना से समस्तीपुर एवं जयनगर तथा अहमदाबाद से दानापुर के,मध्य 01-01 जोड़ी स्पेशल ट्रेन का परिचालन

हाजीपुरः ग्रीष्मकालीन अवकाश के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर रेलवे द्वारा कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है ।इसी कड़ी में और 03 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है जिनका विवरण निम्नानुसार है - 1. गाड़ी संख्या 09069/09070 उधना-समस्तीपुर-उधना स्पेशल (मुजफ्फरपुर-हाजीपुर-पाटलिपुत्र-डीडीयू-प्रयागराज छिवकी-जबलपुर के रास्ते): गाड़ी संख्या 09069 उधना-समस्तीपुर स्पेशल 03 मई से 31 मई, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को उधना से 20.35 बजे खुलकर रविवार को 19.30 बजे डीडीयू, 22.40 बजे पाटलिपुत्र, 23.30 बजे हाजीपुर सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए सोमवार को 02.30 बजे समस्तीपुर पहुंचेगी ।वापसी में गाड़ी संख्या 09070 समस्तीपुर-उधना स्पेशल 05 मई से 02 जून, 2025 तक प्रत्येक सोमवार को समस्तीपुर से 04.00 बजे खुलकर 04.55 बजे मुजफ्फरपुर, 07.00 पाटलिपुत्र एवं 10.50 बजे डीडीयू सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए मंगलवार को 14.00 बजे उधना पहुंचेगी । 2. गाड़ी संख्या 09067/09068 उधना-जयनगर-उधना स्पेशल (दरभंगा-समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर-हाजीपुर-पाटलिपुत्र-डीडीयू-प्रयागराज छिवकी-जबलपुर के रास्ते): गाड़ी संख्या 09067 उधना-जयनगर स्पेशल 04 मई से 25 मई, 2025 तक प्रत्येक रविवार को उधना से 12.20 बजे खुलकर सोमवार को 10.22 बजे डीडीयू, 14.15 बजे पाटलिपुत्र, 16.00 बजे मुजफ्फरपुर, 19.00 बजे दरभंगा सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 21.30 बजे जयनगर पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी संख्या 09068 जयनगर-उधना स्पेशल 05 से 26 मई, 2025 तक प्रत्येक सोमवार को जयनगर से 23.30 बजे खुलकर मंगलवार को 01.00 बजे दरभंगा, 03.45 बजे मुजफ्फरपुर, 06.00 पाटलिपुत्र एवं 10.20 बजे डीडीयू सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए बुधवार को 12.15 बजे उधना पहुंचेगी । 3. गाड़ी संख्या 09407/09408 अहमदाबाद-दानापुर-अहमदाबाद स्पेशल (डीडीयू-प्रयागराज छिवकी-बीना-उज्जैन के रास्ते): गाड़ी संख्या 09407 अहमदाबाद-दानापुर स्पेशल 06 मई से 17 जून, 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को अहमदाबाद से 09.20 बजे खुलकर 16.55 बजे उज्जैन, बुधवार को 15.10 बजे डीडीयू सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए 19.00 बजे दानापुर पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी संख्या 09408 दानापुर-अहमदाबाद स्पेशल 07 मई से 18 जून, 2025 तक प्रत्येक बुधवार को दानापुर से 22.30 बजे खुलकर गुरूवार को 01.45 बजे डीडीयू, 21.35 बजे उज्जैन सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए शुक्रवार को 07.15 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी ।

संक्षिप्त समाचार

रुडी ने हनी यादव को इलाज के लिए एक लाख की स्वीकृति दिलवाई

पटना ,। पूर्व केंद्रीय मंत्री और सारण से सांसद राजीव प्रताप रूडी के प्रयास से मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता कोष से परसा प्रखंड के परसौना गाँव निवासी हनी यादव पिता निशांत गौतम जो गंभीर रोग से ग्रसीत है, इनका इलाज चल रहा है इन्होने अपनी बीमारी की जानकारी स्थानीय कार्यकताओं भाजपा महामंत्री संतोष शर्मा धर्मनाथ राय मुखिया प्रतिनिधि अमित साह की मदद से सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह को दिया और सांसद राजीव प्रताप रूडी के आवास पर मिलकर जानकारी दिया जिसके बाद सांसद रूडी के ऑफिस द्वारा जरूरी कागजात मंगवाकर इनको इलाज के लिये 1 लाख रूपए का स्वीकृत करवाया गया । जिसके बाद सांसद राजीव प्रताप रूडी के निर्देश पर स्वीकृति पत्र सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह के नेतृत्व में स्वीकृति पत्र दिया गया इस अवसर पर वार्ड सदस्य बुलबुल सिंह गुड्डू सिंह सनी कुमार अनिल सिंह सहित अनेक स्थानीय कार्यकर्ता मौजूद थे! इस कार्य के लिए ग्रामीणों ने सांसद राजीव प्रताप रूडी जी का धन्यवाद दिया और कहा की रूडी जी हमेशा जात पात से ऊपर उठकर कार्य करते है उनके कार्य की सराहना की और कहा कि रूडी जी हमेशा जनहित के कार्यो में लगे रहते है।

युवा जदयू की बखरी प्रखंड में कार्यकारिणी का हुआ गठन

प्रियंका कुमारी

बखरी, बेगूसराय। युवा जनता दल यूनाइटेड बखरी प्रखंड की कार्यकारिणी का गठन प्रखंड अध्यक्ष नीरज राय के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर कुल 50 सदस्यों की एक मजबूत टीम बनाई गई। जिसमें बखरी प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों से युवाओं को शामिल किया गया है। प्रखंड अध्यक्ष नीरज राय ने बताया कि यह टीम आगामी विधानसभा चुनावों में एनडीए उम्मीदवारों के समर्थन में व्यापक प्रचार करेगी और क्षेत्रीय स्तर पर पार्टी की स्थिति को मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि युवाओं की भागीदारी से पार्टी को नई ऊर्जा मिलेगी और ऐतिहासिक जीत हासिल की जाएगी। इस कार्यक्रम में जदयू बखरी के विधानसभा प्रभारी अजय मंडल ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं का जोश पार्टी की ताकत है। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक युवाओं को पार्टी से जोड़ने का आह्वान किया। युवा जदयू बेगूसराय के जिलाध्यक्ष पंकज राय ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा चलाए जा रहे कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवाओं को इन योजनाओं की जानकारी देकर आम जनता को लाभांवित करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। कार्यक्रम में युवा जदयू के प्रदेश सचिव सौरभ जी, जिला प्रवक्ता मिजान रिजवान, जिला सोशल मीडिया प्रभारी नीतीश कुमार, अमर सिंह, कर्मवीर कुमार, राजन कुमार, राजकुमार राय, रॉबिंस राय, देवचंद्र पटेल, धर्मवीर कुमार सहित दर्जनों युवा कार्यकर्ता मौजूद थे।

स्कूलों में छात्र-छात्राओं का बीच सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम का आयोजन

शकील बेग

नावकोठी, बेगूसराय। प्रखंड के सभी प्राइमरी स्कूल, मिडिल एवं माध्यमिक विद्यालयों में आपदा प्रबंधन के तहत सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फोकल शिक्षकों ने अगलगी के कारण और उससे होने वाले जानमाल की क्षति को न्यूनीकरण के बारे में बच्चों को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पूजा पाठ करने में अगरबत्ती, मोमबत्ती, हवन की आग जला कर छोड़ देने, बिजली उपकरण, मोबाइल, लाइट आदि चार्ज में लगाकर छोड़ने, बीड़ी सिगरेट के टुकड़े को इधर-उधर फेंकने के कारण अगलगी का घटना होती है। खेत व खलिहान में पराली, खर पतवार जलाने, घरों में चाइनीज या लोकल कंपनी के बिजली उपकरण लगाने से होने वाले शॉर्ट सर्किट की संभावना बनी रहती है। शादी विवाह में बड़े पैमाने पर पटाखा जलाने के क्रम में भी अगलगी की घटना घटित होती है। आग लगने पर बचाव के लिए 101 नंबर पर तत्काल अग्निशमन विभाग को सूचना देने, फूस के रसोई में दीवार को मिट्टी या गोबर के लेप चढ़ाने, बिजली के शार्ट सर्किट से लगी आग में पानी के स्थान पर मिट्टी बालू डालने का सुझाव दिया गया। बिजली के उपकरण तार स्विच होल्डर प्रमाणिक कंपनी से लगाने, जलती बीड़ी सिगरेट के टुकड़े को इधर-उधर नहीं फेंकने, गैस सिलेंडर के पाइप की जांच करने आदि की सलाह दी गयी। बच्चों के द्वारा आग लगे घरों में घिर जाने के दौरान उससे बचाव के मॉक ड्रिल कराये गये। मौके पर हेडमास्टर सरोज कुमार, रंधीर कुमार, संजीत महतो, नीरज कुमार गौतम, शंभू महतो, मनटुन महतो, धर्मशील कुमार, अशोक कुमार शर्मा, ललन पासवान, देवेंद्र पासवान, आभा कुमारी सहित विभिन्न वर्ग के छात्र-छात्रा एवं सहायक शिक्षक-शिक्षिका आदि मौजूद थे।

संशोधित वक्फ कानून वापस लो के नारों से गूंजा पूरा बेगूसराय

समर्थन कर रहे दलों के नेताओं ने कहा कि संविधान और संवैधानिक अधिकारों को बचाने की है यह रैली

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। पूर्व आयोजित कार्यक्रम के तहत शनिवार को ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ एवं इमारत ए शरीया के आह्वान पर 20 से 25 हजार लोगों ने वक्फ संशोधन कानून के विरोध में रैली प्रदर्शन किया। यह रैली व प्रदर्शन पूरे जिले को अस्त-व्यस्त कर दिया। सुबह 9:00 बजे से ही हरहर महादेव चौक पर तिरंगा झंडा और मांग संबंधित तख्ती बैनर के साथ लोगों की भीड़ शुरू हुई। हरहर महादेव चौक पर सभा का आयोजन हुआ। उसके बाद हरहर महादेव चौक से रैली निकाली गई। एआईएसएफ के राष्ट्रीय सचिव अमीन हमजा, जिलाध्यक्ष अमरेश कुमार, ताइक्वांडो के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कैसर रेहान, कांग्रेस अल्पसंख्यक नेता हारून रशीद खान, राजद नेता मक्बूल आलम, सीपीएम नेता मोहम्मद खालिद के नेतृत्व में रैली निकाली गई। रैली जीडी कॉलेज, टेढीनाथ मंदिर, नगरपालिका चौक, नवाब चौक, कैंटीन चौक के रास्ते कचहरी रोड होते हुए ट्रैफिक चौक पहुंची। इस विशाल रैली में वक्फ संशोधन कानून वापस लो, संविधान पर हमला बंद करो, हमारे संविधान का अधिकार पर हमला बंद करो, सरकारी तंत्र का दुरुपयोग बंद करो, आतंकवाद पर अंकुश लगाओ,

आतंकवाद मुदार्बाद, पाकिस्तानी आतंकी मुदार्बाद इत्यादि गगनभेदी नारे लग रहे थे। इन नारों से संबंधित पोस्टर व बैनर भी लगाए गए थे। हरहर महादेव चौक पर आयोजित सभा की अध्यक्षता इमारत ए शरीया बेगूसराय के कन्वेनर मौलाना जर्जिस अकरम कर रहे थे। मौलाना जर्जिस अकरम, मुफ्ती खालिद, मुफ्ती मोहम्मद शब्बीर अनवर, कोमरेड कन्वेनर असद मुर्तजा और ऑल इंडिया पर्सनल लॉ बोर्ड इमारत ऐश्वर्या से जुड़े आलिम उल्माओं ने कहा कि वक्फ संशोधन कानून हमारे अधिकारों को छीनना चाह रही है। संविधान ने इस देश के सभी मजहबों को अधिकार दिया है। उस अधिकार को छीनना हमें मंजूर नहीं, वक्फ संशोधन कानून वापस लेने तक हम लोग संघर्ष करते रहेंगे। कार्यक्रम का समर्थन करते हुए पूर्व विधायक व सीपीआई का जिला मंत्री अवधेश कुमार राय, कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अभय कुमार सिंह सार्जन, राजद जिलाध्यक्ष मोहित यादव, सीपीएम नेता राजेंद्र प्रसाद सिंह, माले नेता चंद्रदेव वर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि यह विशाल रैली इस देश के संविधान और संवैधानिक अधिकारों को बचाने की रैली है। सरकार इस देश के संविधान को खत्म करना चाहती है और संविधान को मानने वाले लोग ही महारैली में शामिल हो रहे हैं। यह रैली पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में भी है। जिस तरह से पहलगाम में निर्दोष लोगों की हत्या आतंकवादियों के द्वारा की गयी। इस पर सरकार को बिना देर किए आतंकवादियों को जवाब देने की जरूरत है। इस रैली का समर्थन करते हुए हम तमाम दल के लोग सरकार से यह मांग करते हैं कि वक्फ कानून वापस ले और आतंकवादी गतिविधि के खिलाफ कठोर कार्रवाई करें।कर्यक्रम के दौरान मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य अब्दुल अजीम हैदरी, इमारत ए शरिया मोहम्मद, बेगूसराय बामसेफ नेता मोहम्मद शाकिर, साहेबपुर कमाल विधायक ललन यादव, एआईवाईएफ के राज्य अध्यक्ष शंभू देवा, नूर आलम खान, शगुफ्ता ताजवर, तंजीम ए इंसाफ नूर आलम खान, कांग्रेस नेता कमर अंसारी थे। अंत में डीएम को 10 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने स्मार पत्र के माध्यम से अपनी मांगों से अवगत कराया। कार्यक्रम को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, कांग्रेस पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, माले, एआईएसएफ, एआईवाईएफ, भीम सेना ने हजारों कार्यकताओं के साथ सड़क पर उतरकर समर्थन किया। कार्यक्रम से पहले पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ और शहीदों के प्रति लोगों ने 1 मिनट का मौन धारण कर विरोध दर्ज किया।

बीडीओ ने मनरेगा, आवास योजनाओं की समीक्षा कर दिए प्रगति करने के निर्देश

रिपोर्ट अविनाश मंडल

पाकुड़ः शनिवार को घाघरजानी स्थित हिरणपुर प्रखंड सभागार में मनरेगा एवं आवास योजना की समीक्षा बैठक प्रखंड विकास पदाधिकारी टुडू दीलिप की अध्यक्षता में हुई जिसमें सभी पंचायतों के रोजगार सेवक, पंचायत सचिव, कनीय अभियंता उपस्थित हुए। मनरेगा के तहत विभिन्न मापदंडों पर समीक्षा की गई जिसमें अबुआ आवास में शत प्रतिशत डिमांड, शत प्रतिशत एबीपीएस, बिरसा हरित ग्राम योजना अंतर्गत गड्ढा खुदाई, ट्रेंच कटिंग, सामाजिक अंकेक्षण का एटीआर अपलोड, योजना पूर्णता, आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण, पोटो हो खेल मैदान में कार्य प्रगति दो दिनों के अंदर करने का निर्देश दिया। बीडीओ ने कहा कि सामुदायिक योजनाओं जैसे पोटो हो खेल मैदान, आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण में एनएमएमएस कराना अनिवार्य है। इसके लिए मेट को सहयोग करने हेतु रोजगार सेवक को निर्देश दिया गया। सभी अबुआ आवास योजना में कार्य प्रगति की समीक्षा की गई तथा प्रतिदिन पूर्णता का लक्ष्य सभी पंचायत को दिया गया। सभी जनमन आवास योजना की पूर्णता तथा प्रधानमंत्री आवास योजना स्वीकृति हेतु निर्देश दिया गया। मौके पर प्रभारी प्रखंड समन्वयक, रवि रंजन राज, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी ट्विंकल चौधरी उपस्थित रहे।

सरकार सुरक्षा और प्रशासनिक जिम्मेदारी में विफलः सूर्यकांत पासवान

बखरी प्रखंड सह अंचल कार्यालय में संयुक्त वामदलों का एक दिवसीय धरना

प्रियंका कुमारी

बखरी, बेगूसराय। शनिवार को सीपीआई और सीपीएम द्वारा बखरी प्रखंड सह अंचल कार्यालय पर संयुक्त धरना का आयोजन किया गया। जिसमें विधायक सूर्यकांत पासवान समेत कई वामदलों के नेताओं ने केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। धरना को संबोधित करते हुए बखरी विधायक सूर्यकांत पासवान ने कहा कि 56 इंच का सीना की ढिढोरा पीटने वाली सरकार देश की सुरक्षा करने में पूरी तरह नाकाम रही है। पहलगाम की आतंकवादी घटना इसका ताजा उदाहरण है। उन्होंने आरोप लगाया कि अपनी विफलता छिपाने के लिए मोदी-अमित शाह की जोड़ी देश की गंगा-जमुनी तहजीब को खत्म करने की साजिश कर रही है। विधायक ने बखरी में आवास सूची निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि सूची में नाम जुड़वाने के लिए दो से तीन हजार रुपये की अवैध वसूली की जा रही है। उन्होंने डीसीएलआर की अनुपस्थिति, बखरी अंचल कार्यालय में रिश्वतखोरी और वृद्धापेंशन योजना में तकनीकी

गड़बड़ियों की ओर भी ध्यान दिलाया। धरना को भाकपा राज्य परिषद सदस्य संजीव सिंह ने भी संबोधित किया और वक्फ बोर्ड विधेयक पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह अडानी जैसे पूंजीपतियों को मुसलमानों की जमीन सौंपने की तैयारी है। भाकपा जिला सचिव मण्डल सदस्य अनिल अंजान ने कहा कि यह देश किसी एक के बाप का नहीं है, बल्कि सभी धर्मों के लोगों का है। सरकार हर सरकारी प्रतिष्ठान को पूंजीपतियों को सौंपने में लगी है। सीपीआई अंचल मंत्री शिव सहनी ने पचार्धारियों को कब्जा दिलाने की मांग की, जबकि सीपीएम राज्य कमिटी सदस्य नवल किशोर राय ने भूमि सर्वेक्षण में हो रही अवैध वसूली पर चिंता जताई। धरना की अध्यक्षता सलौना के पूर्व सरपंच बलराम स्वर्णकार ने की। कार्यक्रम में पूर्व उप प्रमुख राम प्रयाग राय, भाकपा अंचल मंत्री चन्द्रभूषण चौधरी, राम किशोर प्रसाद, खेत मजदूर यूनियन अंचल सचिव सुरेश सहनी, विजय मुखिया सहित कई नेताओं ने सभा को संबोधित किया। सभा के अंत में 8 सूत्री मांग पत्र सीओ को सौंपा गया।

जिले के सभी 11 प्रखंडो में महिला संवाद का आयोजन किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के सभी 11 प्रखंडो मे महिला संवाद का आयोजन किया गया, इस महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन सदर प्रखंड के परवा,हसपुरा प्रखंड के अमझर,दाऊदनगर के गोरड़ीहा,नबीनगर प्रखंड के चरण एवं मदनपुर के वार इत्यादि मे सफलतापूर्वक किया गया`आज के महिला संवाद कार्यक्रम मे सात हजार से ज्यादा महिलाएं शामिल हुई` महिला संवाद महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक पहल है जिसके माध्यम से महिलाओं से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी महिलाओं को दी जा रही है` ग्रामीण महिलाएं इस कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर रही है जिससे की आगे चलकर उसका समुचित लाभ ले पाएगी` इसके साथ ही महिलाओं से सुझाव को भी लिया जा रहा है कि व्यक्तिगत अथवा सार्वजानिक हित में और सरकार से क्या अपेक्षाएं है` उनके द्वारा बताये गये अपेक्षाएं को संकलित कर प्राथमिकता निर्धारण की जा रही है एवं उसका दस्तावेजीकरण किया जा रहा है` आगे उसे जिला प्रशासन एवं राज्य सरकार को भेजा जाएगा ताकि उस

पर विचार कर समाधान एवं नीतिगत निर्णय लिया जा सके` महिला संवाद कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण की दिशा में राज्य सरकार द्वारा अभी तक लिए गए निर्णय एवं किए गए कार्यों की जानकारी ऑडियो विजुअल के माध्यम से सभी महिलाओं को दी जा रही है` इसके साथ ही महिला सशक्तिकरण के दिशा में संचालित राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी लीफ्लेट्स के माध्यम से दिया जा रहा है` जिसे सभी महिलाएं पढ़कर जानकारी प्राप्त कर रही है` मुख्यमंत्री,बिहार श्री नीतीश कुमार का माहिलाओ के नाम संदेश भी सभी को दिया गया`इसके साथ ही विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित महिलाएं रिंकु देवी,पारो देवी, कौशल्या देवी ,पूजा देवी, खुशबु देवी एवं किस्मतिया देवी ने अपना अनुभव साझा किया की कैसे राज्य सरकार के विभिन्न योजनाओं से लाभ ले कर अपने परिवार के जीवन स्तर मे सुधार ला रही है और गाँव के अन्य लोगो को भी प्रेरित कर रही है ` रौशनी ग्राम संगठन,चरण,नबीनगर के महिला संवाद मे मो॰ अनवर हुसैन, प्रबंधक संचार,जीविका एवं गुलाब ग्राम संगठन,ददपा,कुटुम्बा, के महिला संवाद मे डॉ॰ चंदन कुमार , प्रशिक्षण पदाधिकारी,जीविका ने भाग लिया। उनके द्वारा महिला संवाद के बारे बताया गया की बिहार सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए विभिन्न विभिन्न तरह की योजना चलाई जा रही है जिसका लाभ सभी को लेना चाहिये`

शिविर में 3424 प्राप्त आवेदनों में महज 89 आवेदनों का हुआ निष्पादन

पंचायतों में डॉ अम्बेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत लगाए जा रहे विशेष विकास शिविर का हाल

डीएम ने अपर समाहर्ता को सभी अंचल अधिकारी के साथ बैठक कर त्वरित कार्रवाई करने का दिया निर्देश

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। डीएम तुषार सिंगला ने पंचायतों में डॉ अम्बेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत लगाये जा रहे विशेष विकास शिविर को लेकर संबंधित 22 विभागों के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में सहायक समाहर्ता सह सहायक दंडाधिकारी बेगूसराय अजय यादव, उप विकास आयुक्त सोमेश बहादुर माथुर, जिला परिवहन पदाधिकारी, सिविल सर्जन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी सहित सभी संबंधित विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी उपस्थित थे।डीएम ने सभी विभागों के पदाधिकारियों को शिविर एवं शिविर से पूर्व प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की धीमी गति के प्रगति पर नाराजगी जाहिर करते हुए शत-प्रतिशत आवेदनों का निष्पादन करने का निर्देश दिया। सभी विभागों के पदाधिकारियों को अपने विभाग अंतर्गत योजनाओं में प्राप्त हो रहे आवेदनों के प्रत्येक दिन समीक्षा करने का निर्देश दिया। शिविर में शिक्षकों के भाग नहीं लेने पर जिला पदाधिकारी ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को आदेश निकालकर शिविर एवं शिविर से पूर्व दलित/महादलित टोलों में शिक्षकों/टोला सेवकों के जाने का निर्देश दिया। ताकि दलित/महादलित

टोलों के बच्चों को नामांकन, शिक्षण कार्य में हो रहे परेशानियों को दूर किया जा सके। इसके लिए सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को प्रत्येक दिन समीक्षा करने का भी निर्देश दिया गया। इस कार्य में कोताही बरतने वालों पर कार्रवाई करने की भी बात कही गई। डीएम ने शिविर में प्रतिनियुक्त किये गये शिविर प्रभारी के नहीं पहुंचने एवं शिविर समाप्त होने से पूर्व शिविर से चले जाने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सभी पदाधिकारियों को इसकी जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने कुशल युवा प्रोग्राम, कौशल विकास कार्यक्रम एवं मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता की प्रगति पर सभी जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र के सिंगल विंडों ऑपरेटर को भी शिविर में उपस्थित रहने का निर्देश दिया। साथ ही सभी बैंक के कर्मियों को शिविर में भाग लेने के लिए निर्देशित करने की बात कहीं, ताकि किसान क्रेडिट कार्ड, बैंकिंग, बीमा आदि का लाभ शिविर में दिया जा सके। वासगीत भूमि पर्चा की समीक्षा करते हुए डीएम ने 3424 प्राप्त आवेदनों में 89 आवेदनों के निष्पादन पर अपर समाहर्ता को सभी अंचल अधिकारी के साथ बैठक कर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि दिनांक 07 मई से सभी कार्यों की समीक्षा विभाग द्वारा ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से की जायेगी। जहां सभी विभागों के प्राप्त आवेदनों एवं निष्पादन की समीक्षा को ऑनलाईन किया जाना है। इसके लिए विभाग द्वारा सभी पदाधिकारियों को ट्रेनिंग की व्यवस्था की गई है। सभी पदाधिकारियों को ट्रेनिंग में भाग लेने का निर्देश दिया गया। बताते चलें कि 14 अप्रैल से डॉ अम्बेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत दलित/महादलित टोलों में विशेष विकास शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जहां सरकार द्वारा चलायी जा रही 22 जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित लाभुकों से आवेदन प्राप्त कर त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

समस्याओं का होगा समाधान, नहीं तो अनिश्चितकालीन भूख हड़तालः श्यामसुंदर कुमार

पूजा सिंह

साहेबपुरकमाल, बेगूसराय। जीडी कॉलेज में छात्रों के द्वारा एक दिवसीय धरना दिया गया। धरना का नेतृत्व कॉलेज के छात्र नेता श्याम सुन्दर कुमार ने किया। धरना के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए श्याम सुन्दर कुमार ने कहा कि यूजी थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा फार्म भरने में आ रही समस्याओं को यथाशीघ्र समाधान किया जाए अन्यथा कॉलेज परिसर में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल करने को बाध्य होंगे। कॉलेज की विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रदर्शन कर रहे श्याम सुन्दर ने कहा कि जीडी कॉलेज में इस तपती गर्मी में दूरी तय कर बच्चे कॉलेज अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आते हैं। लेकिन समाधान नहीं हो पाना दुर्भाग्यपूर्ण है। वहीं पियुष कुमार और हर्षिता कुमारी साक्षी ने बताया कि कॉलेज आने के बाद दलालों का चक्कर लगाना पड़ रहा है। जिसको लेकर श्याम सुन्दर के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया है। नीतीश कुमार ने बताया कि जल्द ही समस्याओं का समाधान किया जाएगा। सुष्मा कुमारी और मनीष शर्मा ने कहा कि कॉलेज प्रशासन बच्चों के साथ दोहरा व्यवहार करते हैं। इस पर भी लगाम लगाना चाहिए। इस मौके पर कॉलेज के शिवम्‌ कुमार, दिलखूश कुमार, सपना कुमारी, जुही कुमारी, मनीषा कुमार, पूर्णिमा कुमारी, सत्यम कुमार, हर्षिता कुमारी, गोलू कुमार, रणवीर कुमार, धीरज कुमार सहित सैकड़ों छात्र-छात्रा मौजूद थे।

औरंगाबाद सदर प्रखंड में 20 सूत्री समिति की बैठक एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के सदर प्रखंड कार्यालय में 20 सूत्री कार्यक्रम समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता प्रखंड 20 सूत्री समिति के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार जी ने की, जबकि संचालन उपाध्यक्ष श्री राकेश कुमार सिंह जी द्वारा किया गया। इस विशेष बैठक का उद्देश्य नव नियुक्त 20 सूत्री समिति सदस्यों से परिचय कराना और उन्हें सम्मानित करना था। बैठक में सभी सदस्यों को औपचारिक रूप से परिचय कराया गया और उन्हें उनकी भूमिका व दायित्वों की जानकारी दी गई। अध्यक्ष श्री मनोज कुमार जी ने अपने संबोधन में कहा कि समिति का उद्देश्य केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को आम जनता तक पहुँचाना और उनका सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित कराना है। उन्होंने सभी सदस्यों से अपेक्षा की कि वे अपने क्षेत्र में सक्रियता से कार्य करेंगे। उपाध्यक्ष श्री राकेश कुमार सिंह जी ने समिति की भूमिका को जनसेवा का माध्यम बताते हुए कहा कि यह एक जिम्मेदारी है, जिसे पूरी ईमानदारी के साथ निभाना होगा। उन्होंने बताया कि सरकार की योजनाएं तभी सार्थक होंगी जब उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। इस बैठक में शशिकांत कुमार, रितेश कुमार सिंह, विकास कुमार मिश्रा, नंदिता सिंह, सुधीर कुमार सिंह, संजय गुप्ता, अमित गुप्ता, महेंद्र प्रजापति, नागेंद्र चंद्रवंशी, सैयद मुजफ्फर कादरी, भरत सिंह, रॉकी राज एवं नीलम देवी इत्यादि लोग मौजूद रहे तथा कार्यक्रम के अंत में सभी सदस्यों को पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अनुग्रह स्कूल की बच्चियों ने लिया एचपीवी के संक्रमण से बचाव का टीका

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय की दर्जनों बच्चियों ने भारत सरकार के स्वास्थ मंत्रालय एवं वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुपालन के क्रम में स्थानीय सदर अस्पताल में जाकर ह्यूमन पैपिलोमा वायरस से बचाव के टीके लिए। विद्यालय के प्राचार्य उदय कुमार सिंह ने बताया कि जिले के डिस्ट्रिक्ट इम्यूनाइजेशन ऑफिसर डॉ मिथलेश कुमार सिंह ने एक सप्ताह पूर्व विद्यालय आकर बच्चियों का एक सेशन कर एचपीवी वायरस के भयावह दुष्परिणामों के बारे में जागरुक किए थे ।उन्होंने महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर के बढ़ रहे मामलों के बारे में विस्तार से जानकारी दी एवं कहा कि आरंभिक उम्र में ही एचपीवी के वैक्सीन को ले लेने से वायरस के संक्रमण का खतरा काफी टल जाता है। वैक्सीन महंगी है लेकिन एक कल्याणकारी राष्ट्र की अवधारणा के तहत सरकार ने बच्चियों को निःशुल्क टीकाकरण करा रही है। प्राचार्य उदय कुमार सिंह ने कहा कि आरम्भ में बच्चियां टीका लेने से भयभीत हो रही थीं लेकिन डॉक्टर मिथलेश कुमार सिंह एवं उनके सहयोगियों ने इससे जुड़े कई मिथकों को साफ किया। हेडमास्टर उदय कुमार सिंह ने भी बच्चियों को अपने बेहतर एवं स्वस्थ जीवन हेतु टीके की महत्ता को समझाया जिसका परिणाम अच्छे आए। प्राचार्य ने सदर अस्पताल की पूरी टीम एवं विद्यालय की हेल्थ की नोडल शिक्षिका आभा कुमारी एवं मीना कुमारी के प्रति आभार जताया जिन्होंने वाहन आदि सहूलियत प्रदान कर टीकाकरण के सरकार के लक्ष्य को ईमानदारी से हासिल करने में प्रशंसनीय भूमिका अदा किए।

मुकाबलाः बेगूसराय में सबसे पहले भिड़ेगी झारखंड और राजस्थान की महिला टीम

विभिन्न राज्यों से महिला व पुरूष टीम के खिलाडियों को सुरक्षा के साथ पहुंचाया जा रहा चिन्हित होटल

खेलो इंडिया यूथ गेम में देशभर से कुल 16 टीमों के खिलाड़ी ले रहे हैं भाग

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। 4 मई से बिहार में शुरू होनेवाले खेलो इंडिया यूथ गेम का बेगूसराय जिला फुटबॉल मैच की मेजबानी के लिए पूरी तरह से तैयार हो चुका है। पहली बार बिहार खेलो इंडिया यूथ गेम में मेहमान नहीं मेजबान की तरह शामिल होगा। जिला प्रशासन द्वारा खेलो इंडिया यूथ गेम को ऐतिहासिक बनाने के लिए मुख्यालय से यमुना भगत स्टेडियम तेघरा एवं रिफाइनरी बरौनी स्टेडियम तक व्यापक रूप से हॉर्डिंग, फलैक्स, बैनर, वॉल पेंटिंग, रास्तों पर पेंटिंग प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पूरे जिले में खेलो इंडिया यूथ गेम का प्रचार रथ जिला प्रशासन द्वारा घूमाया जा रहा है। युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करने और भारत में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित यह खेल प्रतियोगिता इस बार और भी भव्य रूप में प्रदर्शित हो रहा है। खेल प्रेमियों और युवाओं के लिए यह एक सुनहरा अवसर होगा, जब वे देश के भविष्य के सितारों को मैदान पर चमकते हुए देख पाएंगे। बेगूसराय जिला में फुटबॉल मैच आयोजन 5 मई से शुरू होकर अगले 15 मई तक जारी रहेगा। जिसमें देशभर से कुल 16 टीमों के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा दिखायेंगे और चैंम्पियन बनने के लिए जी-जान लगायेंगे। जिला प्रशासन द्वारा दोनों मैदानों में खेल प्रेमियों को मैच देखने के लिए बैठने की अलग व्यवस्था की गई है। जहां बैठकर खिलाड़ी खेल का आनंद उठायेंगे एवं खिलाड़ियों का

उत्साह बढ़ायेंगे। जिला प्रशासन ने दर्शकों के लिए प्रवेश बिल्कुल निःशुल्क रखा है ।जिला प्रशासन द्वारा खिलाड़ियों एवं सपोर्ट स्टॉफ के लिए जिले के सात अच्छे होटलों की व्यवस्था की गई है। तथास्तु होटल एंड बैंकेट हॉल बरौनी में दिल्ली, चंडीगढ़, उड़ीसा एवं पश्चिम बंगाल की पुरूष टीम रूकेगी। होटल देवी दरबार में बिहार एवं झारखंड की पुरूष टीम, होटल केडीएम पैलेस में मिजोरम की पुरूष टीम एवं होटल सम्राट में मेघालय की पुरूष टीम रूकेगी ।महिलाओं की टीम के लिए युवराज डीलक्स जीरोमाईल बरौनी में व्यवस्था की गई है, जहां मणिपुर, झारखंड, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु की टीम रूकेगी। बिहार की महिला टीम के लिए सरोजगी गार्डेन होटल एंड रेस्टुरेंट सुशील नगर सिंघौल, बेगूसराय में व्यवस्था की गई है। वहीं ऑफिसियल्स के लिए तहेती रिजॉल्ट प्राइवेट लिमिटेड सिंघौल बेगूसराय में व्यवस्था की गई है। जिला प्रशासन द्वारा सभी होटलों में खिलाड़ियों एवं ऑफिसिल्य के लिए अच्छी व्यवस्था की गई है, ताकि खिलाड़ियों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी न हो। सभी होटलों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं, ताकि खिलाड़ियों की सुरक्षा में कोई भी चूक न हो। सभी राज्यों के महिला एवं पुरूष टीम के खिलाड़ी लगभग पहुंच गये हैं, जिन्हें जिला प्रशासन द्वारा उनके लिए चिन्हित होटलों में सुरक्षा के साथ पहुंचाया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा महिलाओं के कुल 8 टीमों को फुटबॉल मैच को लेकर दो ग्रुप बनाया गया है, जिसमें ग्रुप ए में झारखंड तमिलनाडु, राजस्थान एवं बिहार को रखा गया है। ग्रुप बी में आंध्रप्रदेश, हरियाण, मणिपुर, दिल्ली को रखा गया है। इसी प्रकार पुरूषों के टीम को लेकर ग्रुप ए में ओड़िसा, मेघालय, पश्चिम बंगाल, चंडीगढ़ एवं ग्रुप बी में बिहार, दिल्ली, मिजोरम, झारखंड को रखा गया है। मैच का शैड्यूल भी जारी कर दिया गया है। पहला मुकाबला दिनांक 05.05.2025 को यमुना भगत खेल स्टेडियम में सुबह सात बजे से शुरू होगा, जहां झारखंड की महिला टीम राजस्थान से भिड़ेगी।

जनता दरबार में भूमि विवाद के दो मामले दर्ज तो चार पुराने मामलों का हुआ निष्पादन

शकील बेग

नावकोठी, बेगूसराय। अंचल क्षेत्र के विभिन्न राजस्व ग्रामों में उत्पन्न भूमि विवाद के निबटारे को लेकर शनिवार को थाने में आयोजित जनता दरबार में दो नया भूमि विवाद का मामला सुनवाई के लिए दर्ज किए गया। चार पुराने मामले को निष्पादित किये गये। दर्ज मामला महेशवाड़ा के संजीव कुमार महाराज व कैलाश तांती तथा पहसारा के योगेन्द्र सहनी व चंदन सहनी की विवादित भूमि का है। नावकोठी के विशेश्वर पासवान व सावित्री देवी के मामले में द्वितीय पक्ष को जमीन के केबाला के आधार पर पहसारा के पवन कुमार व रंजीत महतो के मामले तथा बभनगामा के लक्ष्मी सहनी व योगेन्द्र सहनी के मामले में उभयपक्षों को मापी कराने पर सहमति के आधार पर निष्पादित किया गया। बेगमपुर की चांदनी देवी व श्रवण महतो के विवादित भूमि पर उभयपक्षों द्वारा मंदिर निर्माण कराने की सहमति

के आधार पर मामला निष्पादित किया गया। जनता दरबार में कुल 12 मामले लंबित हैं। छतौना के रामनारायण महतो व मिथिलेश कुमार, अब्बूपुर के दामोदर महतो व सोनी देवी, रामनारायण महतो व मिथिलेश कुमार, चक्का के नारायण महतो व राजकुमार पोद्दार, समसा के ज्ञानलता देवी व गणेश तांती, बगरसथान सिंह समसा के अमरजीत पोद्दार व रूदो तांती, शेखपुरा के सुखो तांती व मनोज पासवान, बभनगामा के राजेन्द्र साह व कृष्ण नंदन पंडित, रमौली के सिकंदर महतो व सुनाम यादव, बभनगामा के राजेंद्र साह और कृष्ण नन्दन पंडित सुनवाई कर अगली तारीख मुकर्रर की गयी। मौके पर सीओ सूरज कुमार, थानाध्यक्ष दिनेश कुमार, सब इंस्पेक्टर मनोज प्रसाद, अंचल कर्मी अमरजीत कुमार व फरियादी आदि मौजूद थे।

वक्फ एक्ट के विरोध में निकाली गई रैली पर भाजपा का प्रहार

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। जिले में एक मुस्लिम संगठन द्वारा वक्फ एक्ट के विरोध में निकाली गई रैली अत्यंत दुखद, निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। हमें आशा थी कि यह संगठन हाल ही में मुस्लिम आतंकवादियों द्वारा किए गए आतंकी हमलों में मारे गए निर्दोष हिंदू नागरिकों के लिए आवाज उठाएगी। हमें यह अपेक्षा थी कि यह संगठन पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की निंदा करेगा, पाकिस्तान का पुतला दहन करेगा और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के विरुद्ध अपना विरोध दर्ज कराएगा। परंतु खेद है कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ।इसके विपरीत, यह संगठन संसद द्वारा पारित एक संवैधानिक कानून–वक्फ एक्ट–के विरोध में सड़क पर उतरकर सामाजिक तनाव को हवा देने का प्रयास कर रहा है। यह आचरण भारत की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक प्रणाली के विरुद्ध है। उपरोक्त बातें भाजपा के जिलाध्यक्ष राजीव वर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही। जिलाध्यक्ष राजीव वर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी यह स्पष्ट करती है कि भारत एक संविधानसम्मत लोकतंत्र है, जहां कानूनों पर चर्चा संसद के भीतर होती है, न कि सड़कों पर समाज को उकसाकर। हम बेगूसराय की जागरूक जनता से अपील करते हैं कि वे ऐसे विभाजनकारी तत्वों से सतर्क रहें और जिले में शांति, सद्भाव और विकास बनाए रखें। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्र की सुरक्षा, सामाजिक समरसता और विकास के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। किसी भी विघटनकारी प्रयास का दृढ़ता से विरोध करेगी। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और रक्षा मंत्री ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। अब हमारा भी कर्तव्य है कि हम पूरी निष्ठा और समर्पण से राष्ट्र के साथ खड़े रहें। यह समय भ्रम फैलाने का नहीं, बल्कि एकजुट होकर भारत के लोकतंत्र, संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा के पक्ष में खड़े होने का है।

देव प्रखंड के सटवट गांव में शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा सह रुद्र महायज्ञ का आयोजन भव्य तरीके से किया जाएगा यज्ञ संरक्षक - प्रवीण कुमार सिंह

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के देव प्रखंड के सटवट गांव में शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा सह रुद्र महायज्ञ का आयोजन भव्य तरीके से किया जाएगा यज्ञ संरक्षक - प्रवीण कुमार सिंह, बताते चलें कि शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा सह रुद्र महायज्ञ के तैयारी को लेकर यज्ञ समिति के संरक्षक सह भाजपा नेता एवं समाजसेवी प्रवीण कुमार सिंह तथा अन्य सदस्यों की उपस्थिति में शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा सह रुद्र महायज्ञ की तैयारी को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित किया गया। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरानयज्ञ समिति के संरक्षक सह भाजपा नेता एवं समाजसेवी प्रवीण कुमार सिंह तथा अन्य सदस्यों ने बारी बारी से पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया गया

कि जिस तरह से देव सुर्य मंदिर को लेकर महायज्ञ भव्य तरीके से किया गया था, ठीक उसी तरह सटवट गांव में भी हमलोगों ने मिलकर रुद्र महायज्ञ की तयारी में जुटे हुए हैं, ईस यज्ञ में देश के कोने कोने से जाने माने शंतो की आगमन होने जा रहा है, और यहां पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु भी पहुंचेगे, यज्ञ में आने वाले और सभी श्रद्धालुओं के लिए खान पान से लेकर सभी चीजों की तैयारियां कि जा रही है, यह कार्यक्रम 19 मई को जल भरी, 20 मई से साधुशंतो की प्रवचन चलेगी, ईस महायज्ञ में जितने भी साधुशंत लोग हेलिकॉप्टर से पहुंचेंगे ,जिसकी हेलिपैड की भी व्यवस्था की गई है,आगे समाजसेवी सह भाजपा नेता प्रवीण सिंह ने बताया कि इस महायज्ञ की तैयारी को लेकर बाहर से कई मजदूर पंडाल बनाने में लगे हुए हैं और साधु संत के रहने के लिए आवासीय कुटिया का भी निर्माण किया जाएगा आगे इन्होंने मिडिया के माध्यम से लोगों से अपील करते हुए कहा कि ईस रुद्र महायज्ञ में जरूर भाग लें, उन्होंने कहा कि सटवट गांव में भव्य मंदिर का निर्माण कराया गया है जिसको लेकर रुद्र महायज्ञ कि जा रही है। और यज्ञ संरक्षक सह भाजपा नेता प्रवीण कुमार सिंह तथा अन्य सदस्यों ने कहा कि इस यज्ञ का आयोजन बड़े धूमधाम से आयोजित किया जा रहा है।

पति की दूसरी शादी का विरोध करना पड़ा महंगा, सास-ससुर ने की बहू की हत्या की कोशिश

स्थानीय लोगों की तत्परता से बची जान, गंभीर हालत में मगध मेडिकल कॉलेज गया रेफर

रिपोर्ट -अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद)गोह थाना मुख्यालय के न्यू एरिया गोला मोहल्ले में शुक्रवार को घरेलू विवाद ने एक खौफनाक रूप ले लिया, जब एक महिला को उसके ससुरालवालों ने जान से मारने की कोशिश की। पति की दूसरी शादी की जानकारी मिलने के बाद जब पहली पत्नी ससुराल पहुंची, तो सास-ससुर ने उस पर जानलेवा हमला कर दिया। पीड़िता बबीता सिंह को गंभीर हालत में गोह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से उसे मगध मेडिकल कॉलेज गया रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, बबीता सिंह को पता चला कि उसके पति सुनील कुमार, जो मध्य विद्यालय भदवर में शिक्षक हैं, ने दाउदनगर प्रखंड के संसा गांव की स्वेता कुमारी से दूसरी शादी कर ली है। इस पर वह गोह स्थित अपने ससुराल पहुंची, जहां बातचीत के दौरान सास कांति देवी और ससुर बालेश्वर चौधरी ने उस पर अचानक हमला कर दिया। बबीता ने पुलिस को दिए बयान में कहा है कि उसके सिर को कई बार दीवार से पटका गया और फिर दुपट्टे से गला घोंटने की कोशिश की गई। शोर मचाने पर जब तक लोग पहुंचे, वह बेहोश हो चुकी थी। स्थानीय लोगों की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया गया। इस दौरान उसकी सास ने उसके गले से सोने की चेन और पर्स से 13 हजार रुपये भी निकाल लिए। ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ. अर्जुन कुमार ने बताया कि महिला के सिर में अंदरूनी चोट है और गले पर भी गहरे निशान हैं। बताया जाता है कि दूसरी शादी के विरोध के कारण सुनील कुमार पिछले कुछ महीनों से बबीता सिंह के साथ लगातार मारपीट कर रहा था। इस मामले में पूर्व में पंचानपुर थाने में प्राथमिकी भी दर्ज की गई थी। थानाध्यक्ष मो इरशाद ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर कांड संख्या 147/25 दर्ज कर लिया गया है और साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जिला पदाधिकारी के द्वारा पुनपुन बैराज परियोजना कार्य में किसानों के अधिग्रहित जमीनों का मुआवजा से संबंधित बैठक आयोजित किया गया

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला पदाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री के द्वारा हमीदनगर स्थित पुनपुन बैराज परियोजना कार्य में किसानों के अधिग्रहित जमीनों का मुआवजा से संबंधित विवाद को लेकर किसानों एवं रैयतों के साथ बात विचार किया गया। इस बैठक में जिला पदाधिकारी स्थलीय निरीक्षण करते हुए किसानों द्वारा मुआवजा को लेकर कार्य में बाधा डालने से संबंधित सूचना को लेकर सभी किसानों एवं रैयतों द्वारा बारी-बारी से उनकी समस्याओं का सुना गया एवं उन्हें हर संभव विधिवत उचित मुआवजा देने का आश्वासन दिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि सरकार किसानों को अधिक से अधिक फायदा पहुंचाने के हित में ही काम करती है। जब तक आप नहीं चाहोगे तब तक यह काम शुरू नहीं हो पाएगा। यह बैराज जो सिंचाई के लिए बन रहा है, वह किसानों एवं आम जनता के हित में बन रहा है। इसमें किसी एक व्यक्ति को फायदा नहीं होगा। यह बैराज बन जाने से पूरे आसपास के क्षेत्र के किसानों को

फायदा होगा। सरकार द्वारा जो भी बड़े-बड़े कार्य किया जाता है वह आम जनता के जनहित में जनकल्याण के लिए किया जाता है। यह बात हमें और आप सभी को समझाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हम औरंगाबाद से चलकर यहां आप लोगों के समस्या को निराकरण करने के लिए पहुंचे हैं। क्योंकि हम लोग सरकार के प्रतिनिधि हैं एवं जनता के प्रति उत्तरदायित्व है हमें जो ड्यूटी निभाना है जनता के लिए वह काम हम लोग करेंगे। यह प्रोजेक्ट सरकार द्वारा जनता के लिए है जनता की जो भी समस्याएं हैं उसे हम लोग सुनते हुए उसका समाधान एवं निदान करते हुए हम लोग आगे बढ़ते हैं। हम देख रहे हैं कि आप लोग हाथ में तख्ती लिए धरना दे रहे हैं। हम लोग भी यही चाहते हैं कि उचित मुआवजा आपको मिले। मुआवजा लेने के लिए आप लोगों को ही आगे आना होगा। जिला पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि हमलोग मुख्य सचिव महोदय के स्तर से इस पर बैठक भी कर चुके हैं। उसमें हमारा जो पहले का एक्ट था इस प्रोजेक्ट के एक्ट के अनुसार ही यह काम हम लोग करेंगे। उस एक्ट का अध्ययन किया गया तो पाया गया कि इस एक्ट का फायदा हम लोग को कई तरह से ले सकते हैं। उसे एक्ट में जो भी बातें हैं उसका हमें फायदा लेनी चाहिए। उस एक्ट का प्रारंभिक तौर पर कैलकुलेट करवाया तो हम लोगों ने पाया कि जितना पैसा हम लोग दे रहे थे उससे किसी को डेढ़ गुना, दो गुना, तीन गुण एवं चार गुना तक पैसा देने का स्थिति में हम लोग होंगे। इस ऐक्ट से हम लोग को फायदा होने वाला है। एक्ट बना हुआ है, एक्ट से हटकर कोई भी कार्य हम लोग नहीं कर पाएंगे लेकिन एक्ट के तहत जितना फायदा देने का काम हो सकती है सरकार उसका फायदा अवश्य देने का कार्य करेगी ।जिला पदाधिकारी द्वारा सभी किसानों एवं रैयतों को उचित मुआवजा देने का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर औरंगाबाद अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी श्री धर्मेंद्र कुमार, दाउदनगर एसडीपीओ कुमार ऋषि राज, कार्यपालक अभियंता पुनपुन बैराज प्रमंडल एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सर्जन डॉक्टर अजीत कुमार हुए सम्मानित

दिव्य दिनकर संवाददाता

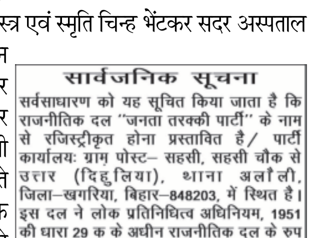

रांची - सदर अस्पताल रांची के सर्जरी विभाग के सर्जन डॉक्टर अजीत कुमार को स्वास्थ्य चिकित्सा के क्षेत्र मे सराहनीय कार्य के लिए भगवा नारी सेना के अध्यक्ष पिया बर्मन ने छात्र क्लब चिकित्सक मंच (यूनिट,छात्र क्लब ग्रुप) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा जी की मौजूदगी मे अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सदर अस्पताल मे सम्मानित किया। मौके पर पिया बर्मन ने कहा डॉक्टर सर्जन अजीत कुमार जी का मरीजों के साथ मधुर व्यवहार रहता है साथ ही उचित मार्गदर्शन भी देते है वहीं अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए डॉ.अजीत कुमार ने कहा मरीज के चेहरे पर मुस्कान लाना ही मेरी सबसे बड़ी खुशी है मैं मरीजों की चिकित्सा करना अपना धर्म समझता हूं। आज सर्जन डॉक्टर अजीत कुमार को सम्मानित करने वाले मे मुख्यरूप से समाजसेवी संजय कुमार सिंह उर्फ लल्लू सिंह,दिलबीर सिंह,कुमारी अनिता नीलम,विनीता,रवि मेहता,वीणा श्री,शीला,लालिता,अंजना प्रियदर्शनी,गायत्री रंजन,परविंदर कौर,रूपम भगत,सुनीता पांडे, आदि मौजद थे।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल "जनता तरक्की पार्टी" के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है/ पार्टी कार्यालयः ग्राम पोस्ट– सहसी, सहसी चौक से उत्तर (दिहुलिया), थाना अलौली, जिला–खगरिया, बिहार–848203, में स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29 क के अधीन राजनीतिक दल के रुप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है–पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पता नीचे दिये गए हैं :–

अध्यक्ष : मो०. नेहाल आलम पुत्र मो०. शरीफ निवासी–115, सहसी सहसी खगरिया, बिहार–848203

महासचीव : इफ्तेखार पुत्र मो०. शरीफ निवासी–115, सहसी सहसी खगरिया, बिहार–848203

कोषाध्यक्ष : अब्दुस सलाम पुत्र मो०. शरीफ निवासी–115, सहसी सहसी खगरिया, बिहार–848203

यदि किसी को "जनता तरक्की पार्टी" के नाम से रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति इसके कारणों सहित (राजनीतिक दल) भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोका रोड, नई दिल्ली–110001 को इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनो के भीतर भेजे।

केरल में भाजपा की ईसाई-पहुंच योजना को लगा झटका

विचार

> "भाजपा सरकार देश में अल्पसंख्यकों को संविधान द्वारा दी गयी गारंटी और सुरक्षा को कमजोर कर रही है। चर्च द्वारा संचालित दीपिका ने संपादकीय में कहा कि हालांकि आरएसएस ने लेख वापस ले लिए हैं, लेकिन ऑर्गनाइजर ने अभी तक यह स्वीकार नहीं किया है कि उसके द्वारा प्रकाशित जानकारी गलत है। यह केवल उन लेखों के बारे में नहीं है जिन्हें आरएसएस ने वापस ले लिया है या अस्वीकार कर दिया है। यह जिन विचारों को आगे बढ़ाता है और जो कार्य करता रहता है, वे देश में अल्पसंख्यकों, जिनमें ईसाई भी शामिल हैं, की समान नागरिकता की भावना के लिए हानिकारक हैं। लेख में उत्तरी भारत में ईसाइयों पर चल रहे हमलों को भी उजागर किया।

पी. श्रीकुमारन

ईसाई परिवार अब इस बात से नाराज हैं कि भाजपा और केंद्र सरकार ने उन्हें धोखा दिया है। मानो यह काफी नहीं था, आरएसएस ने अपने मुखपत्रऑर्गनाइजर में ईसाई समुदाय और चर्च को निशाना बनाते हुए लगातार दो लेख प्रकाशित करके आग में घी डालने का काम किया। संक्षिप्त हनीमून खत्म हो गया और भाजपा-आरएसएस गठबंधन की राजनीतिक चालाकी ने ईसाई समुदाय के गुस्से को फिर से भड़का दिया। केरल में भाजपा के बहुचर्चित ईसाई-पहुंच कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) द्वारा किये गये आत्मघाती गोल के कारण गहरा झटका लगा है, यद्यपि संसद द्वारा वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित किये जाने के बाद, भाजपा को केरल में ईसाई समुदाय में सेंध लगाने में थोड़ी सफलता मिली थी। वास्तव में, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर का एर्नाकुलम जिले के मुनंबम में ईसाई समुदाय के एक वर्ग द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। भाजपा और केंद्रीय मंत्री किरेनरिजिजू ने मुनंबम में 600 से अधिक ईसाई परिवारों के बीच उम्मीद जगायी थी, जो केरल वक्फ बोर्ड (केडब्ल्यूबी) के साथ कानूनी लड़ाई में उलझे हुए हैं। बोर्ड ने इस आधार पर उनकी संपत्ति पर दावा किया है कि यह संपत्ति उसकी है। केंद्रीय मंत्री ने ईसाई परिवारों का पक्ष लेने के लिए मुनंबम का दौरा भी किया। भाजपा ने शुरू में यह दावा करके उनकी उम्मीदें जगायी थीं कि विधेयक के कानून बन जाने पर इसका पूर्वव्यापी प्रभाव पड़ेगा और इससे उन्हें लाभ होगा। वास्तव में, भाजपा केरल कैथोलिक बिशप काउंसिल (केसीबीसी) को इसी आधार पर वक्फ (संशोधन) विधेयक का समर्थन करने के लिए राजी करने में सफल रही थी। लेकिन मुनंबम के ईसाइयों को, हालांकि थोड़ी देर से ही सही, यह एहसास हो गया है कि कानून से उन्हें कोई लाभ नहीं होगा। रिजिजू ने खुद स्पष्ट रूप से स्वीकार किया कि कानून से मुनंबम के निवासियों को केडब्ल्यूबी के साथ उनकी कानूनी लड़ाई में मदद मिलेगी। ईसाई परिवार अब इस बात से नाराज हैं कि भाजपा और केंद्र सरकार ने उन्हें धोखा दिया है। मानो यह काफी नहीं था, आरएसएस ने अपने मुखपत्रऑर्गनाइजर में ईसाई समुदाय और चर्च को निशाना बनाते हुए लगातार दो लेख प्रकाशित करके आग में घी डालने का काम किया। संक्षिप्त हनीमून खत्म हो गया और भाजपा-आरएसएस गठबंधन की राजनीतिक चालाकी ने ईसाई समुदाय के गुस्से को फिर से भड़का दिया।

संसद में वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित होने के तुरंत बाद, लेखों के प्रकाशन का समय महत्वपूर्ण है, जिसे उनके द्वारा किये गये हंगामे के बाद वापस ले लिया गया है। लेकिन नुकसान हो चुका है। केसीबीसी के आधिकारिक प्रवक्ता फादर थॉमस थारायिल ने स्वीकार किया कि लेख के प्रकाशन का समय निश्चित रूप से चिंता का विषय है। लेख में दावा किया गया था कि भारत में कैथोलिक चर्च के स्वामित्व वाली भूमि देश में वक्फ संपत्तियों से कहीं अधिक है। लेख में यह भी कहा गया था कि ब्रिटिश शासकों ने चर्च को लगभग सात करोड़ हेक्टेयर भूमि पट्टे पर दी थी, और बताया कि 1965 का एक नियम अभी तक लागू नहीं हुआ है, जो औपनिवेशिक युग के चार्टर, वसीयत, पट्टे और किराये के समझौतों को निरर्थक बनाता है। संसद द्वारा पारित विधेयक केंद्र सरकार को शैक्षणिक और धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए मुस्लिम धार्मिक बंदोबस्त को विनियमित करने का अधिकार देता है। बेशक, सवोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने सरकार को कानून के तत्काल कार्यान्वयन के साथ आगे बढ़ने से रोक दिया है। सुप्रीम कोर्ट 5 मई को इस मुद्दे पर सुनवाई फिर से शुरू करेगा। विपक्षी दलों ने चर्च की संपत्तियों पर नियंत्रण करने के केंद्र सरकार के कदम की कड़ी निंदा की है। उनका कहना है कि मुसलमानों के बाद, मोदी सरकार अब अपने अल्पसंख्यक विरोधी एजंडे के तहत ईसाइयों को निशाना बना रही है। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराईविजयन, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, केरल में विपक्ष के नेता वीडीसतीशन और केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) ने कहा कि लेख भाजपा-आरएसएस के असली इरादों को उजागर करते हैं, और वह है अल्पसंख्यकों को परेशान करना। विजयन ने अल्पसंख्यक समूहों को एक-एक करके निशाना बनाने और उन्हें चरणबद्ध तरीके से नष्ट करने की एक बड़ी योजना देखी। भाजपा सरकार देश में अल्पसंख्यकों को संविधान द्वारा दी गयी गारंटी और सुरक्षा को कमजोर कर रही है। चर्च द्वारा संचालित दीपिका ने संपादकीय में कहा कि हालांकि आरएसएस ने लेख वापस ले लिए हैं, लेकिन ऑर्गनाइजर ने अभी तक यह स्वीकार नहीं किया है कि उसके द्वारा प्रकाशित जानकारी गलत है। यह केवल उन लेखों के बारे में नहीं है जिन्हें आरएसएस ने वापस ले लिया है या अस्वीकार कर दिया है। यह जिन विचारों को आगे बढ़ाता है और जो कार्य करता रहता है, वे देश में अल्पसंख्यकों, जिनमें ईसाई भी शामिल हैं, की समान नागरिकता की भावना के लिए हानिकारक हैं। लेख में उत्तरी भारत में ईसाइयों पर चल रहे हमलों को भी उजागर किया गया है, साथ ही केंद्र सरकार की चुप्पी की भी आलोचना की गयी है, जो ईसाई समुदाय के खिलाफ हिंसा करने वालों को बढ़ावा दे रही है। इसके अलावा, इंडिया करंट्स, जोउत्तरी भारत के क्रिस्ट ज्योति प्रांत के कैपुचिन्स के संरक्षण में प्रकाशित एक प्रकाशन है, और जो एक धार्मिक मण्डली तथा चर्च के बढ़ते डर को प्रतिध्वनित करती है, के संपादकीय में कहा गया कि कई समूह, यहां तक कि कुछ जिन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए, इसे जीत के रूप में मना रहे हैं। लेकिन क्या यह वास्तव में जीत है, या केवल एक दुःस्वप्न की प्रयोगात्मक शुरुआत है। इस सबका एक संचयी प्रभाव यह हुआ है कि राज्य में ईसाई वोट बैंक में अधिक से अधिक पैठ बनाने के भाजपा के श्रमसाध्य प्रयासों को बड़ी बाधाओं का सामना करना पड़ा है। फिर इसमें आश्चर्य की बात नहीं कि सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) और कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) इस मुद्दे पर भाजपा की तीव्र बेचैनी से खुश हैं। दोनों को यकीन है कि ईसाइयों का वह वर्ग जो भाजपा के जाल में फंस गया था, अब अपने कदम पीछे खींच लेगा, क्योंकि भगवा पार्टी की धोखाधड़ी उजागर हो गयी है।

संपादकीय

शहीदों का अपमान

पहलगाम आतंकी हमले और उसमें जान गंवाने वालों के परिजनों का दुख समूचा देश महसूस कर रहा है और आतंकियों के खिलाफ सबमें आक्रोश है। सभी यही चाहते हैं कि आतंकवादियों और उन्हें संरक्षण देने वालों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई हो। मगर व्यापक स्तर पर ऐसी भावनाएं अगर अनियंत्रित होने लगें और उसकी मार ऐसे लोगों पर पड़ने लगे, जिनका आतंकवाद से कोई लेना-देना न हो, तो वाजिब दुख और आक्रोश की दिशा भटक जाना स्वाभाविक है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद आक्रोश के नतीजे में एक अफसोसनाक प्रतिक्रिया यह देखी गई कि कई जगहों पर बिना किसी वजह के मुसलिम पहचान वाले लोगों को उनका नाम पूछ कर निशाना बनाया गया, उनके साथ मार-पीट गई या उनके व्यवसाय को नुकसान पहुंचाया गया। यह न केवल भावुकता के दिशाहीन हो जाने का सबूत, बल्कि देश की कानून-व्यवस्था के सामने एक गंभीर चुनौती भी है। सवाल है कि क्या इस तरह की प्रतिक्रिया देश की लोकतांत्रिक परंपरा के सामने चुनौती नहीं खड़ी कर रही है। पहलगाम हमले में जान गंवाने वाले लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की पत्नी ने अपने पति के लिए न्याय और आतंकियों के लिए सजा सुनिश्चित करने की मांग जरूर की है, लेकिन उन्होंने सिर्फ आक्रोश की वजह से निर्दोष लोगों को निशाना बनाने और नफरत भरे बयान देने की प्रवृत्ति पर अपनी आपत्ति जाहिर की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में लोगों से सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने व मुसलमानों या कश्मीरियों को निशाना न बनाने तथा सिर्फ शांति की अपील की। अपने ऊपर दुख का पहाड़ टूटने के बावजूद उन्होंने जिस तरह अपनी संवेदना और अपने धैर्य को संतुलित बनाए रखा, वह मानवीय मूल्यों के प्रति उनकी आस्था को दर्शाती है। जम्मू-कश्मीर में पिछले कई दशक से आतंकवादियों ने जो किया है, उसका मुकम्मल और ठोस हल निकालने की जरूरत है, चाहे इसके लिए कानूनी दायरे में हर स्तर पर सख्ती बरतनी पड़े। मगर आतंकियों की हरकतों की प्रतिक्रिया में अगर कुछ लोग उत्तेजना में निर्दोष नागरिकों के खिलाफ अराजक होने लगें, तो यह न केवल मानवीय संवेदनाओं और मूल्यों के विपरीत होगा! ऐसे लोग शहीदों का अपमान कर रहें हैं।

जाति जनगणना के लिए मजबूर हुई मोदी सरकार !

मुकुल सरल

मोदी सरकार ने आगामी आम जनगणना के साथ जाति जनगणना कराने का ऐलान कर दिया है। सरकार इसे अपनी एक उपलब्धि की तरह पेश कर रही है, लेकिन इसे वास्तव में विपक्ष की ही जीत माना जा रहा है। जाति जनगणना की मांग बेहद पुरानी है और विपक्ष ख़ासकर राहुल गांधी पिछले कुछ सालों से इसको लेकर सरकार पर लगातार दबाव बनाए हुए थे, लेकिन इस घोषणा की टाइमिंग ने सबको चौंका ज़रूर दिया है, क्योंकि इस समय जब पहलगाम हमले को लेकर कार्रवाई की बात कही जा रही थी और पूरा गोदी/कॉरपोरेट मीडिया युद्ध का माहौल बनाए हुए था, उस समय लगातार हो रहीं हाई लेवल मीटिंग के बाद अचानक जाति जनगणना का ऐलान किसी को समझ में नहीं आया। यही वजह है कि इसे पहलगाम मुद्दे से ध्यान हटाने और बिहार चुनाव के संदर्भ में देखा-समझा जा रहा है। बुधवार, 30 अप्रैल की शाम केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव अचानक मीडिया के सामने आते हैं और घोषणा करते हैं कि केंद्र सरकार आगामी राष्ट्रीय जनगणना में जाति आधारित गणना को शामिल करेगी। यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की राजनीतिक मामलों की समिति (सीसीपीए) की बैठक में लिया गया। यह एक तरीके से मोदी सरकार का यू-टर्न है। सरकारी प्रवक्ता और मीडिया भले ही इसे मोदी जी का एक और मास्टर स्ट्रोक बताए और कहे कि मोदी जी ने विपक्ष से उसका बड़ा मुद्दा छीन लिया, लेकिन हक़ीक़त यही है कि मोदी सरकार, विपक्ष का एजेंडा अपनाने पर ही मजबूर हुई है। अब बीजेपी समेत एनडीए के सभी दल इस फ़ैसले का स्वागत कर रहे हैं। लेकिन जाति जनगणना के मुद्दे पर बीजेपी और मोदी सरकार ने कभी अपना रुख़ साफ़ नहीं किया और हमेशा लगभग इंकार की मुद्रा में रही है। सरकार के कई मंत्री और बीजेपी नेताओं ने सार्वजनिक रूप से जाति जनगणना का विरोध भी किया है और ऐसी मांग करने वालों को हिंदू विरोधी और हिंदू धर्म तोड़ने की साज़िश के तौर पर प्रचारित किया। अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर ख़ूब वायरल हैं। यही नहीं, पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी बीजेपी की जो पहली पोस्ट सामने आती है उसमें भी यही लिखा गया था कि धर्म पूछा, जाति नहीं। इसे बीजेपी छत्तीसगढ़ के सोशल हैंडल से जारी किया गया था। लेकिन अब अचानक मोदी सरकार का रुख़ बदल गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जाति आधारित जनगणना से समाज के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण में मदद मिलेगी और देश की प्रगति सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों द्वारा कराए गए जातिगत सर्वेक्षण राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित और अपारदर्शी थे, जिससे समाज में संदेह की स्थिति उत्पन्न हुई। अब केंद्र सरकार ने निर्णय लिया है कि जातिगत जानकारी को सर्वेक्षण के बजाय मुख्य जनगणना के माध्यम से एकत्र किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता बनी रहेगी। उन्होंने इस निर्णय का बचाव करते हुए कांग्रेस और उसके इंडिया गठबंधन पर आरोप लगाया कि उन्होंने जातिगत जनगणना को हमेशा राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया है। अश्विनी वैष्णव जो आरोप विपक्ष पर लगा रहे हैं, वास्तव में वह अब उन्हीं पर लग रहे हैं, क्योंकि इस पूरी कवायद को बिहार चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है, जो इसी साल नवंबर-दिसंबर में होने हैं। लेकिन यहां भी एक पेच है बिहार में नीतीश सरकार जाति जनगणना कहें या जाति सर्वे करा चुकी है और वहां इससे आगे की मांग यानी जाति के आंकड़ों के अनुसार नई विकास योजनाओं और आरक्षण की सीमा 65 फ़ीसद तक बढ़ाने की मांग की जा रही है -- यानी वहां अब केवल जाति जनगणना मुद्दा नहीं है, बल्कि इससे आगे के क्रियान्वयन का मुद्दा है। इसलिए इससे बिहार में बीजेपी या नीतीश की गठबंधन सरकार को क्या फ़ायदा मिलेगा यह भी एक सवाल है। बिहार की राजनीति के जानकारों का भी यही कहना है कि लगता है कि इस दांव से बीजेपी नीतीश बाबू की बची-खुची ज़मीन भी खिसकाने की कोशिश कर रही है, क्योंकि यहां जाति गणना कराने का श्रेय नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव की महागठबंधन सरकार को है। बिहार में जाति आधारित सर्वेक्षण 2023 में कराया गया था। इस दौरान बिहार में महागठबंधन यानी नीतीश कुमार के नेतृत्व में जनता दल (यूनाइटेड), राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस और वाम दलों की गठबंधन सरकार सत्ता में थी। बिहार में यह ऐसा मुद्दा था कि बीजेपी को न चाहते हुए भी मजबूरी में समर्थन करना पड़ा था। इसलिए माना जा रहा है कि अब इसके जरिये यह दिखाने की कोशिश की जा रही है कि हम पूरे देश में जाति जनगणना कराने जा रहे हैं यानी पिछड़ों के सामाजिक आधार में बीजेपी की सेंध लगाने की यह एक ओर कोशिश है और इसके जरिये नीतीश बाबू को अगले चुनाव में सियासी तौर पर 'निपटाने' की भी कोशिश है। कब होगी यह जनगणनाःहमारे देश में हर दस साल में आम जनगणना का नियम है। आख़िरी जनगणना 2011 में हुई थी। इस हिसाब से अगली जनगणना 2021 में पूरी हो जानी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के नाम पर इसे स्थगित कर दिया गया और इतना टाला गया कि अभी 2025 में भी इसका काम शुरू नहीं हो पाया है। अब सरकार ने इसमें जाति जनगणना भी जोड़ी है, तो लगता है कि इसमें और देर होगी, क्योंकि जनगणना फॉर्म को शायद अपडेट करना होगा। सरकार ने कहा कि वह जनगणना जल्द शुरू करने की तैयारी में है, लेकिन सटीक समय सीमा की घोषणा अभी नहीं की गई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने यही सवाल उठाया है और एक समय सीमा तय करते हुए इससे आगे का भी रोड मैप मांगा है। सरकार की घोषणा के बाद राहुल गांधी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें कहा कि यह हमारा विजन था, जिसे सरकार ने एडाप्ट किया है, हम इसका स्वागत और समर्थन करते हैं। लेकिन साथ ही उन्होंने कहा कि यह पहला क़दम है। अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल ने जाति जनगणना के तेलंगाना मॉडल का भी ज़िक्रिकिया और सरकार से उसे अपनाने की मांग की। दरअसल तेलंगाना में दिसंबर 2023 में चुनाव में जीत के बाद कांग्रेस की सरकार बनी और सत्ता में आने के तुरंत बाद मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने जाति आधारित सर्वेक्षण (समग्र सामाजिक सर्वे) कराने का ऐलान किया था। नवंबर 2024 में इस सर्वे की शुरुआत हुई और दावा किया जाता है कि दिसंबर 2024 तक इसमें 96% आबादी को कवर कर लिया गया था। राहुल गांधी ने इस मॉडल को बिहार के मॉडल से बेहतर बताते हुए कहा कि यह एक विस्तृत परामर्श प्रक्रिया के तहत तैयार किया गया है और इसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया जा सकता है। कर्नाटक में भी 2015 में ऐसा सर्वे हुआ था। तत्कालीन कांग्रेस मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के तहत सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण कराया था, लेकिन इसकी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई। सिद्धारमैया ने अपने दूसरे कार्यकाल में 2025 में इसे कैबिनेट के सामने पेश किया ।हालांकि राहुल गांधी इसे अपना मॉडल नहीं बताते, क्योंकि इसके नतीजों को लेकर काफ़ी विवाद रहा। अब मोदी सरकार की घोषणा के बाद राहुल गांधी क्रेडिट लेने का कोई मौका छोड़ना नहीं चाहते। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी लिखा ः "कहा था ना, मोदी जी को 'जाति जनगणना' करवानी ही पड़ेगी, हम करवाकर रहेंगे ! यह हमारा विज़न है और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सरकार एक पारदर्शी और प्रभावी जाति जनगणना कराए। सबको साफ़-साफ़ पता चले कि देश की संस्थाओं और पावर स्ट्रक्चर में किसकी कितनी भागीदारी है। जाति जनगणना विकास का एक नया आयाम है। मैं उन लाखों लोगों और सभी संगठनों को बधाई देता हूं, जो इसकी मांग करते हुए लगातार मोदी सरकार से लड़ाई लड़ रहे थे -- मुझे आप पर गर्व है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव ने भी इसे इंडिया की जीत बताया। उन्होंने लिखाः "जाति जनगणना का फ़ैसला 90% पीडीए की एकजुटता की 100% जीत है। हम सबके सम्मिलित दबाव से भाजपा सरकार मजबूरन ये निर्णय लेने को बाध्य हुई है। सामाजिक न्याय की लड़ाई में ये पीडीए की जीत का एक अतिमहत्वपूर्ण चरण है। भाजपा सरकार को ये चेतावनी है कि अपनी चुनावी धांधली को जाति जनगणना से दूर रखे। एक ईमानदार जनगणना ही हर जाति को अपनी-अपनी जनसंख्या के अनुपात में अपना वो अधिकार और हक़ दिलवाएगी, जिस पर अब तक वर्चस्ववादी फन मारकर बैठे थे। ये अधिकारों के सकारात्मक लोकतांत्रिक आंदोलन का पहला चरण है और भाजपा की नकारात्मक राजनीति का अंतिम। भाजपा की प्रभुत्ववादी सोच का अंत होकर ही रहेगा। संविधान के आगे मनविधान लंबे समय तक चल भी नहीं सकता है। ये इंडिया की जीत है ! आरजेडी नेता और बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी इसे उनकी वैचारिक जीत बताया हैझउन्होंने 'एक्स' पर लिखाझ "हमारी वैचारिक जीत, सामाजिक न्याय की हमारी लड़ाई अब अगले पड़ाव पर। जो आज हम करते है वो बाकी 35-40 साल बाद सोचते है। अब हम पिछड़ों/अतिपिछड़ों के लिए विधानसभा, विधानपरिषद, लोकसभा और राज्यसभा में सीटें आरक्षित करेंगे। मंडल कमीशन की अनेक सिफारिशें भी अभी लागू होना शेष है। सामाजिक न्याय ज़िंदाबाद !" उन्होंने अपने पिता और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के भी एक ट्वीट को रिट्वीट किया। वाम दलों ने भी इस घोषणा का स्वागत किया है। लेकिन अपने सवाल भी सामने रखे है। सीपीआई-एम के नव-निर्वाचित महासचिव एमए बेबी ने एक्स' पर लिखा झ "जाति जनगणना को आम जनगणना का हिस्सा बनाने का सीसीपीए का निर्णय विपक्ष, जिसमें सीपीआई (एम) भी शामिल है, की सर्वसम्मत मांग के प्रति एक देर से आया हुआ जवाब है। हालांकि, अब भी कोई ठोस समय सीमा घोषित नहीं की गई है। सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए जातीय सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण बेहद ज़रूरी है ताकि सरकारी नीतियां वास्तव में समावेशी बन सकें। पार्टी ने भी एक ट्वीट करके बताया कि आज़ाद भारत में पहली जाति जनगणना का श्रेय कम्युनिस्ट पार्टी को ही जाता है -- "आज़ाद भारत में पहली जाति जनगणना केरल में ईएमएस नंबूदरीपाद के नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट सरकार ने कराई थी। यह सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण 1968 में आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य विभिन्न जातियों की सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन का आकलन करना था। यह स्वतंत्र भारत की पहली और लंबे समय तक एकमात्र जाति आधारित गणना थी। इसके बाद दूसरी बार 2011 में सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना (एसईसीसी) कराई गई, जो पूरे प्रदेश के स्तर पर थी। सीपीआई महासचिव डी राजा ने भी इस मुद्दे पर अपनी पार्टी का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि झ "विपक्षी दलों जिसमें सीपीआई भी शामिल है, के निरंतर दबाव और आंदोलन ने केंद्र सरकार को जाति जनगणना कराने पर मजबूर किया है।" उन्होंने सरकार की घोषणा को "चेहरा बचाने की कोशिश" बताया और 2021 से लंबित आम जनगणना में देरी की आलोचना की। उन्होंने सरकार से जनगणना की समय सीमा तय करने की मांग की है। साथ ही, पार्टी ने आरक्षण पर 50% की सीमा को हटाने और सार्वजनिक क्षेत्र में नौकरियों को बढ़ाने की मांग दोहराई है। उसके अनुसार, इन संरचनात्मक सुधारों के बिना जाति जनगणना सामाजिक न्याय के उद्देश्य को पूरा नहीं कर पाएगी। सीपीआई-एमएल (माले) महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने एक बयान जारी कर कहा- 2024 के संसदीय चुनावों में जाति जनगणना इंडिया गठबंधन की एक प्रमुख मांग रही है। बिहार में पहले ही 2023 में जाति गणना हो चुकी है। मोदी सरकार द्वारा राज्य स्तरीय सर्वेक्षणों को राजनीति से प्रेरित बताना हास्यास्पद है, जबकि आगामी जनगणना में जाति गणना को शामिल करने का निर्णय बहुत देरी से घोषित किया गया है। आम जनगणना पहले से ही चार साल से विलंबित है। जाति सर्वेक्षण करने वाले राज्यों और इस मांग का समर्थन करने वाले विपक्ष को निशाना बनाने की बजाय, मोदी सरकार को बिहार विधानसभा द्वारा पारित किए गए 65 प्रतिशत आरक्षण नीति के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए। खोखली बयानबाजी नहीं, बल्कि कार्रवाई होनी चाहिए !

पारंपरिक खाद्य पदार्थों को बढ़ावा देने की जरूरत

शरद शर्मा

अमरीकन जर्नल ऑफ प्रिवेंटिव मेडिसिन में प्रकाशित ताजा शोध रिपोर्ट ने फिर चेताया है कि अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स का ज्यादा समय तक सेवन करना जानलेवा सबित हो सकता है। ब्राजील यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों की यह रिपोर्ट सचमुच चौंकाने वाली है। अमरीका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया समेत आठ देशों में करीब ढाई लाख लोगों पर किए गए शोध में पाया गया कि जहां ऐसे खाद्य पदार्थों का कम उपयोग था वहां जीवन की गुणवत्ता और आयु बेहतर पाई गई। जबकि अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य सामग्री न केवल हमारे पाचन तंत्र को प्रभावित करती हैं, बल्कि मोटापा, हृदय रोग, मधुमेह और यहां तक कि मानसिक तनाव जैसी समस्याओं को भी जन्म देती हैं। अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड का जिस तरह से पूरे विश्व में प्रचार-प्रसार हुआ है, उससे वह आर्थिक विकास के केंद्र में भी शामिल हो गया है। इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकॉनोमिक रिलेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में वर्ष 2011 में अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड का बाजार 723 करोड़ रुपए था, जो कि दस साल में यानी वर्ष 2021 में 2535 करोड़ रुपए तक पहुच गया है। पिछले वित्तीय वर्ष तक इसकी खपत 6000 करोड़ रुपए को पार

कर गई है। वहीं, इस साल भारत सरकार की ओर से जारी आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार भारत में चीनी, नमक और असंतृप्त वसा से भरपूर और पोषक तत्वों की कमी वाले अल्ट्रा-प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों (यूपीएफ) की बढ़ती खपत कई पुरानी बीमारियों और यहाँ तक कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे रही है। भारतीय परिप्रेक्ष्य को देखें तो भी स्वस्थ भारत की कल्पना तभी साकार हो सकती है जब हम अपने खानपान की प्राथमिकताओं को पुनः परिभाषित करें और स्वाद से अधिक स्वास्थ्य को महत्व दें। आज की भाग-दौड़ भरी जीवनशैली ने हमारे खानपान की आदतों को पूरी तरह बदल दिया है। पहले जहां घर का बना पौष्टिक भोजन हमारी प्राथमिकता हुआ करती थी, वहीं अब केक, कूकीज और आइसक्रीम जैसे अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड ने हमारी थाली में स्थायी जगह बना ली है। झटपट बनने वाले, स्वादिष्ट और आसानी से उपलब्ध ये खाद्य पदार्थ आधुनिक जीवन का हिस्सा बन चुके हैं, लेकिन यह सुविधा हमारे स्वास्थ्य के लिए धीरे-धीरे ज़हर बनती जा रही है। भारत जैसे युवा और कृषि प्रधान देश में यह प्रवृत्ति और भी चिंताजनक है। खास तौर से युवाओं के बीच इन फूड्स को लेकर क्रेज इस कदर है कि इनके बिना दिन की शुरुआत और अंत ही अधूरा लगता है। स्वाद और सुविधा के इस जाल में फंसकर हम पारंपरिक, पौष्टिक और स्वदेशी भोजन से दूर होते जा रहे हैं। ऐसे में समय की मांग है कि सरकारें अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड पर नियंत्रण के लिए ठोस नीति बनाएं। मिलेट्स और पारंपरिक खाद्य पदार्थों को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाएं। स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों पर हेल्दी फूड को प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही, चरणबद्ध तरीके से ऐसे खाद्य पदार्थों के उपयोग को सीमित करने की दिशा में कार्य हो।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

बोर्ड की परीक्षा के आखिरी दिनों में रिवीजन के लिए अपनाएं ये टिप्स

सीबीएसई की 10वीं और 12वीं परीक्षा 2022 का शेड्यूल जारी हो गया है और 26 अप्रैल से परीक्षाएं शुरू होंगी। परीक्षा के लिए छात्रों के पास एक महीने से भी कम का समय बचा है और छात्रों ने तैयारी को सम-अप कर लिया है। चाहे कितनी भी तैयारी हो छात्र अक्सर टेंशन में आ जाते हैं और उनकी तैयारी में गड़बड़ हो ही जाती है। इसके लिए आवश्यक है बेहतर रिवीजन टिप्स और स्ट्रेटेजी की। आइए जानते हैं कि छात्र किन टिप्स की मदद से आखिरी समय में छात्र रिवीजन कर सकते हैं जिससे उन्हें बेहतर अंक प्राप्त होंगे।

सभी विषयों को समय दें

रिवीजन करते समय प्रत्येक विषय के लिए समय निकालने का अर्थ है कि आप सभी विषयों पर ध्यान दे रहे हैं। छात्र हर दिन हर विषय के लिए एक चैप्टर या एक दिन में एक विषय के सभी चैप्टर को रिवाइज करके समय को विभाजित कर सकते हैं। हर विषय का एक चैप्टर रोज रिवाइज करना बेहतर हो सकता है क्योंकि यह आपको बोर नहीं होने देगा। आप उन विषयों के साथ भी रिवीजन शुरू कर सकते हैं जिनमें आप पहले से ही अच्छे हैं। यह आपके आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद करेगा और आपको अन्य विषयों के लिए बेहतर तैयारी करने में भी मदद करेगा।

महत्वपूर्ण विषयों को अच्छी तरह से रिवाइज करें

हालांकि आपको पूरे सिलेबस को रिवाइज करना होगा लेकिन महत्वपूर्ण विषयों को बार-बार रिवाइज करना बेहद जरूरी है। महत्वपूर्ण विषयों में वे भाग शामिल हैं जिनमें अंकों का वेटेज ज्यादा है।

पुराने पेपर और सैंपल पेपर की प्रैक्टिस करें

सब कुछ जानना और परीक्षा में न लिख पाना एक आम समस्या है जिसका सामना कई छात्रों को करना पड़ता है। लेकिन इस समस्या से लड़ने के लिए छात्र हर हफ्ते कुछ पुराने प्रश्न पत्र या सैंपल पेपर को हल करना शुरू कर सकते हैं। जब आप परीक्षा के दिन उपस्थित होते हैं तो यह आपको टाइम मैनेजमेंट करने में भी मदद करता है।

पढ़ाई के दौरान छोटे-छोटे ब्रेक लें

जब परीक्षा नजदीक हो तो छात्र घंटों पढ़ाई करते हैं और ब्रेक लेना भूल जाते हैं। जिसके कारण छात्रों के बीच टेंशन और चिड़चिड़ापन जन्म ले लेता है। पढ़ाई जरूरी है लेकिन बीच-बीच में ब्रेक लेना भी उतना ही जरूरी है। लंच या डिनर करते समय आप कुछ सिटकॉम का एक छोटा एपिसोड देख सकते हैं। कभी-कभी बीच में झपकी लेने से भी आप ऊर्जावान महसूस कर सकते हैं और अपने दिमाग को तरोताजा कर सकते हैं।

इन टिप्स की मदद से क्लीयर कर पाएंगे एनडीए एग्जाम

भारतीय सेना में भर्ती होने के लिए यूपीएससी नेशनल डिफेंस एकेडमी की परीक्षा आयोजित करने वाली है। परीक्षा में दो सेक्शन यानी मैथ्स और जनरल एबिलिटी टेस्ट से प्रश्न पूछे जाएंगे। जीएटी में 150 प्रश्न हैं, जिसमें अंग्रेजी के लिए 50 प्रश्न और सामान्य विज्ञान, भूगोल, इतिहास और राजनीति से संबंधित सामान्य ज्ञान के लिए 100 प्रश्न शामिल हैं। परीक्षार्थी इस बात का ध्यान रखें कि परीक्षा में नेगेटिव मार्किंग का प्रावधान किया गया है। हर साल लाखों छात्र इस परीक्षा में उपस्थित होते हैं लेकिन चांस उनको मिलता है जिनकी तैयारी बेहतर होती है। आइए इस लेख के माध्यम से जानत हैं कि किन टिप्स की मदद से छात्र इस परीक्षा को क्लियर कर सकते हैं।

11वीं और 12वीं की मैथ्स की बेहतर प्रैक्टिस

एनडीए में हर साल 30 से 40 प्रतिशत प्रश्न एनसीईआरटी सिलेबस पर आधारित होते हैं इसलिए, इसकी बेहतर तैयारी से परीक्षार्थी अच्छे अंक प्राप्त कर सकते हैं। 11वीं और 12वीं की मैथ्स को अच्छे से पढ़िए और पढ़ने उसके बाद उसका रिवीजन भी करिए। ऐसा करने से आप अपनी कमजोरियों पर काम भी कर पाएंगे।

मॉक टेस्ट और पिछले साल के पेपर से करें तैयारी

पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों और मॉक टेस्ट के माध्यम से तैयारी करने पर परीक्षार्थियों को अच्छे अंक मिल सकते हैं। पिछले वर्ष के प्रश्न पत्रों की मदद से ना सिर्फ तैयारी अच्छी होती है बल्कि परीक्षार्थी को परीक्षाके बारे में जानकेरी भी प्राप्तहोती है। इसके साथ ही मॉक टेस्ट देने से आप परीक्षा हॉल के अनुरूप तैयारी कर सकते हैं। मॉक टेस्ट और पिछले वर्ष के प्रश्न पत्र आपको आपकी कमजोरियां आंकने में भी मदद करता है।

मैथ्स और जीएटी के लिए रेफरेंस किताबों का इस्तेमाल करें

जब गएक्टट्ठ से तैयारी हो जाए गए तो रिवीजन के लिए संदर्भ यानी रेफरेंस पुस्तकों का इस्तेमाल करें। इन किताबों की मदद से आप कम समय में बेहतर रिवीजन कर पाएंगे। मैथ्स के शॉर्ट ट्रिक्स में दक्षता हासिल करने के लिएहर दिन कुछ नया पढ़ें।

हाइड्रेटेड रहें

परीक्षा की तैयारी करते समय स्वास्थ्य का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। टेंशन छोड़ दें और स्वास्थ्य का ख्याल रखें। ठीक प्रकार से भोजन करें और खुद को हाइड्रेटेड रखें और तैयारी में ध्यान लगाएं।

टाइम मैनेजमेंट का ध्यान रखें

परीक्षा की तैयारी करना अलग बात है और परीक्षा में सारे प्रश्न अटेम्प्ट करना अलग। कितनी भी तैयारी क्यों ना हो अगर सारे प्रश्न का उत्तर नहीं लिख पाते तो सारी मेहनत बेकार है। ऐसे में जरूरी है कि टाइम मैनेजमेंट का भरपूर ध्यान रखा जाए और टाइम मैनेजमेंट के लिए जरूरी है कि ज्यादा से ज्यादा प्रैक्टिस की जाए।

प्रोफेशन के तौर पर काम आरंभ कर सकते हैं मार्केट रिसर्च

रोज बदलते बाजार का रुख जानना किसी भी व्यवसाय की प्रगति के लिए बेहद आवश्यक है। बाजार के ट्रेंड के इतर कोई विकास नहीं कर सकता। यही कारण है कि खाद्य पदार्थों, सीरियल और जूते की कंपनी से लेकर सरकारी योजनाओं तक में मार्केट रिसर्चर की मांग रहती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह क्षेत्र निरंतर विस्तार कर रहा है और आने वाले समय में इसमें नौकरियों की भरमार होगी। लोगों की किसी खास उत्पाद या वस्तु, नई योजनाओं आदि को लेकर प्रतिक्रिया, पसंद-नापसंद का अध्ययन मार्केट रिसर्चर का काम होता है। एक मार्केट रिसर्च प्रोफेशनल सप्लायर की ओर से भी काम कर सकता है और क्लाइंट की ओर से भी।

आप भी मार्केट रिसर्च प्रोफेशनल के तौर पर काम आरंभ कर सकते हैं। खास बात यह है कि ऐसा नहीं है कि कोई खास डिग्री हासिल करने के बाद ही आप ये काम करें, बल्कि स्नातक करते हुए भी आप रिसर्च के क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। अगर जल्दी काम करना शुरू करेंगे, तो पढ़ाई के साथ-साथ आप इस क्षेत्र से जुड़ी आवश्यकताओं को समझ पाएंगे और फिर संबंधित विषयों को पढ़ कर अपनी जॉब पात्रता को अधिक मजबूत बना सकेंगे। उस अनुभव का फायदा आपको प्रोफेशनल जीवन में मिलेगा।

क्यों है यह क्षेत्र खास

पहले इनकी मांग विदेशों में ही अधिक होती थी, लेकिन अब वैश्विक स्तर पर इस तरह के विशेषज्ञों की मांग है। रिसर्च कराने का यह ट्रेंड पिछले 5 सालों में तेजी से बदला है। आज हर तरह के व्यवसाय के लिए मार्केट रिसर्च एक अहम पहलू बन गया है। यह व्यावसायिक रणनीति बनाने के लिए आवश्यक माना जाने लगा है। मार्केट रिसर्च में बाजार और ग्राहकों से संबंधित सूचनाएं एकत्रित की जाती हैं। जब मार्केट रिसर्च के परिणाम सामने आते हैं तो उसके आधार पर कंपनियां पैकेजिंग आदि से संबंधित फैसले लेती हैं और कंपनी अपने उत्पादों का प्रचार आदि भी मार्केट रिसर्च के आधार पर ही करना तय करती है। कई बार तो इस बात के लिए भी रिसर्च की जाती है कि ग्राहकों को क्या पसंद है और किन चीजों को वो किन कारणों से पसंद करते हैं। चूंकि आज ग्राहकों की पसंद काफी बदल गई है और बाजार में काफी प्रतियोगिता भी है, इसलिए ग्राहकों की मांग को जानने के लिए हर कंपनी इस तरह के शोध कराती है। नियमित तौर पर बदलते बाजार ट्रेंड को इनके जरिए जाना जा सकता है। सिर्फ कॉरपोरेट जगत में ही नहीं, बल्कि सरकारी योजनाओं को लागू करने से पहले आंकड़े जुटाए जाते हैं। राजनीतिज्ञ भी चुनाव से पहले रिसर्चर्स की मदद लेते हैं और किसी योजना को लागू करने के बाद उसके परिणामों को जानने तक में रिसर्चर ही अंतिम काम करते हैं।

कितनी तरह की रिसर्च

हर तरह की कंपनियां यह रिसर्च कराती हैं। इसके अलावा सरकारी एजेंसियां, राजनीतिज्ञ, सेवा प्रदाता कंपनियां भी रिसर्च कराती हैं। इसका क्षेत्र काफी बृहद है। इस तरह के रिसर्च का परिणाम सर्वे डिजाइनर्स तैयार करते हैं।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए पहली योग्यता है किसी भी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से बीबीए की डिग्री। किसी भी विषय में 12वीं करने के बाद आप बीबीए कर सकते हैं। इसके आगे एमबीए की पढ़ाई कर सकते हैं। इसमें डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा के विकल्प भी मौजूद हैं। और मास्टर्स स्तर पर मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन का कोर्स कराया जाता है।

नौकरी के अवसर

मार्केट रिसर्च में नौकरी के लिए स्नातक होना आवश्यक है। इसके अलावा अंग्रेजी पर अच्छी कमांड होनी चाहिए। मार्केटिंग, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, सोशोलॉजी में पढ़ाई काफी मददगार साबित होती है। अच्छी कम्युनिकेशन स्किल इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक है। स्नातक के बाद आपको ट्रेनी की नौकरी मिल जाती है। इन्हें कोडर्स भी कहा जाता है। इसके बाद इंटरव्यूअर्स या रिसर्च असिस्टेंट की पोस्ट मिलती है। इसके बाद सीनियर पोस्ट आती हैं।

कितना कमा सकते हैं

मार्केट रिसर्च में शुरुआती दौर में आप 15,000 रुपए प्रतिमाह तक कमा सकते हैं। इसके बाद पद के हिसाब से 5 से 15 लाख तक का सालाना पैकेज बढ़ता जाता है।

कैसे की जाती है मार्केट रिसर्च

कस्टमर एनालिसिस, रिस्क एनालिसिस, उत्पाद रिसर्च, विज्ञापन रिसर्च आदि की मदद से मार्केट की रिसर्च की जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह तेजी से विकास करते उद्यमों में से एक है और भविष्य में इस क्षेत्र में कई गुना नौकरियों की संभावना का विस्तार होगा। सबसे पहले पिछली बिक्री के डाटा लिए जाते हैं और उनका अध्ययन किया जाता है। प्रतियोगियों के बारे में जानकारी, विभिन्न उत्पादों के दाम और उनके मार्केटिंग के तरीकों, वितरण के तरीकों का अध्ययन किया जाता है। फिर ग्राहकों से बात की जाती है। इसके लिए उनसे क्वेश्चनेयर भरवाए जाते हैं, उन्हें फोन किए जाते हैं, इंटरनेट सर्वे और पर्सनल इंटरव्यू लिए जाते हैं। फिर सारी जानकारियां जुटा कर उत्पाद के दाम, बिक्री, मार्केटिंग, वितरण आदि का विश्लेषण होता है। इस पूरी प्रक्रिया में मार्केट रिसर्चर जिन विधियों को चाहे, उनका प्रयोग कर डाटा एकत्रित कर सकता है। ज्यादातर इसके लिए टेलीफोन, मेल या इंटरनेट सर्वे भी किए जाते हैं। इनके अलावा इंटरव्यू, ग्रुप डिस्कशन या पब्लिक प्लेस में बूथ आदि लगा कर भी सर्वे होते हैं।

ये स्किल्स हैं आवश्यक

- कम्युनिकेशन स्किल्स
- रचनात्मकता
- सेल्समेनशिप
- डाटा एकत्रित करना
- टीमवर्क
- विश्लेषण क्षमता
- लगन

ये होते हैं पद

इस क्षेत्र में कदम रखने के बाद आप फील्ड वर्क से शुरुआत कर सकते हैं, इसके बाद वाइस प्रेसिडेंट ऑफ मार्केटिंग रिसर्च के पद तक पहुंच सकते हैं।

बेहतर विकल्प के तौर पर उभर रहा है वीडियो एडिटिंग करियर

आज के दौर में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और मनोरंजन जगत का विस्तार तेजी से हो रहा है। ऐसे में वीडियो एडिटिंग करियर के एक बेहतर विकल्प के तौर पर उभर रहा है।

जॉब प्रोफाइल

अलग-अलग कई वीडियो को एक वीडियो बनाना, खराब दृश्यों में सुधार करना, साउंडट्रैक जोड़ना जैसे कार्य एक वीडियो एडिटर के जिम्मे होते हैं। एक वीडियो एडिटर का मुख्य काम किसी भी मोशन पिक्चर, केबल या ब्रॉडकास्ट विजुअल मीडिया इंडस्ट्री के लिए साउंडट्रैक, फिल्म और वीडियो का संपादन करना होता है। वीडियो एडिटर का कौशल ही फाइनल प्रोडक्ट की गुणवत्ता और डिलीवरी तय करता है। इसकी खास बात यह है कि बिना किसी औपचारिक शिक्षा के भी युवा इसे करियर विकल्प के तौर पर चुन सकते हैं। डिजिटल वीडियो एडिटिंग में करियर बनाने के लिए एक व्यक्ति के पास इसके लिए जरूरी कंप्यूटर सिस्टम और प्रोग्राम्स की ट्रेनिंग प्राप्त होना जरूरी है।

क्या करता है वीडियो एडिटर

किसी भी फिल्म के निर्माण के दौरान रॉ फुटेज शूट के संपादन का काम एक वीडियो एडिटर के जिम्मे होता है। आधुनिक वीडियो डिजिटल कैमरे के बढ़ते इस्तेमाल से पहले फिल्म फुटेज को असली स्ट्रिप्स (पट्टियों) पर शूट किया जाता था। उस वक्त वीडियो एडिटर्स को हाथ से उन्हें काटना पड़ता था और कई दृश्यों को एक साथ जोड़ना पड़ता था। एक वीडियो एडिटर को आमतौर पर निर्देशक या निर्माता के साथ बैठकर घंटों तक शूट किए गए रॉ फुटेज को देखना होता है। फिर उनके साथ मिलकर यह निर्धारित करना होता है कि कौन-सा दृश्य रखना है और कौन सा हटाना है।

रोजगार के अवसर

- फिल्म, टीवी और म्यूजिक प्रोडक्शन
- फिल्म और टीवी की मार्केटिंग और डिस्ट्रिब्यूशन
- फिल्म प्रोडक्शन, डिस्ट्रिब्यूशन या थियेटर संबंधी पर्सनल या फैमिली बिजनेस।
- पोस्ट प्रोडक्शन स्टूडियो
- कॉर्पोरेट एप्लायर (कॉर्पोरेट ट्रेनिंग वीडियो)
- विज्ञापन

कोर्स का विवरण

वर्तमान में वीडियो या फिल्म एडिटिंग का कोर्स भारत के लगभग सभी प्रतिष्ठित फिल्म संस्थानों में उपलब्ध है। ये कोर्सेज सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा स्तर पर कराए जाते हैं। इन कोर्सेज का लक्ष्य फिल्म एडिटिंग के सभी पहलुओं जैसे नॉन-लीनियर एडिटिंग, प्रोफेशनल एडिटिंग, कैमरा बेसिक्स, ग्राफिक्स और स्पेशल इफेक्ट टेक्नीक्स इत्यादि की शिक्षा छात्रों को मुहैया कराना है।

फिल्म या वीडियो एडिटिंग के अंडरग्रेजुएट कोर्स में एडमिशन के लिए अभ्यर्थियों का 12वीं पास होना जरूरी है और पीजी डिप्लोमा कोर्स के लिए संबंधित स्ट्रीम में ग्रेजुएट होना अनिवार्य शर्त है। वीडियो एडिटर के असिस्टेंट के तौर पर काम शुरू करने के लिए बैचलर डिग्री काफी है।

वेतन

शुरुआती तौर पर अभ्यर्थी 7,000 से 10,000 रुपये तक कमा सकते हैं। दो से तीन साल का अनुभव प्राप्त करने के बाद वेतन 15,000 से 25,000 रुपये तक बढ़ सकता है। बेहद अनुभवी वीडियो एडिटर छह अंकों वाली उम्दा सैलरी की भी उम्मीद कर सकते हैं।

रोजगार की संभावनाएं

भारत में हर साल 1000 से ज्यादा फिल्में बनाई जाती हैं, जो भारत को सबसे ज्यादा फिल्म बनाने वाले देशों में से एक बनाती हैं। फिल्म निर्माण के लिए एडिटिंग मौलिक जरूरत है, इसलिए कुशल वीडियो संपादकों की मांग आने वाले दशकों में घटने वाली नहीं है। वीडियो एडिटर के तौर पर एक व्यक्ति फीचर या नॉन फीचर फिल्मों, डॉक्युमेंट्री, विज्ञापनों और टीवी कार्यक्रमों में रोजगार तलाश कर सकता है। मोशन पिक्चर इंडस्ट्री में असिस्टेंट एडिटर से एडिटर के पद तक प्रमोशन पा सकते हैं। इसके अलावा किसी फिल्म स्कूल, टेक्निकल स्कूल या यूनिवर्सिटी में पढ़ाने का काम भी कर सकते हैं।

सेंटर पर पानी की केवल पारदर्शी बोतल ले जा सकेंगे

नारनौल। उपायुक्त डा. विवेक भारती ने बताया कि नीट की परीक्षा के दौरान परीक्षार्थी अपने आई कार्ड के अलावा कोई भी सामान अंदर नहीं ले जा सकेगा। उन्होंने बताया कि कोई भी स्टेशनरी आइटम जैसे पाठ्य सामग्री (मुद्रित या लिखित), कागज के टुकड़े, ज्यामिति, पेन, पेंसिल बॉक्स, प्लास्टिक पाउच, कैलकुलेटर, स्केल, राइटिंग पैड, पेन ड्राइव, इरेजर, कैलकुलेटर, लॉग टेबल, इलेक्ट्रॉनिक पेन, स्कैनर आदि सभी पर परीक्षा केंद्र के अंदर ले जाने पर पाबंदी रहेगी। उन्होंने बताया कि कोई भी संचार उपकरण जैसे मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, इयरफ़ोन, माइक्रोफोन, पेजर, हेल्थ बैंड अन्य आइटम जैसे वॉलेट, गॉगल्स, हैंडबैग, बेल्ट, कैप, घड़ी, ब्रेसलेट, कैमरा, कोई भी आभूषण, धातु आइटम, कोई भी खुला या पैक किया हुआ खाद्य पदार्थ आदि पर पाबंदी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षार्थी अपने साथ पानी की केवल पारदर्शी बोतल ले जा सकते हैं। कोई भी अन्य वस्तु जिसका उपयोग अनुचित साधनों के लिए किया जा सकता है जैसे कि माइक्रोचिप, कैमरा, ब्लूटूथ डिवाइस आदि जैसे संचार उपकरण को परीक्षा केंद्र में ले जाने पर पाबंदी रहेगी। परीक्षा केंद्र उम्मीदवार अपने किसी भी आइटम जैसे बैग, बैगेज, पैसे आदि केंद्र पर लेकर ना आएं।

तावड के गांव खोरी कल के वन क्षेत्र में जलाए जाने वाले रसायन कबाड़ को लेकर उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने गठित की कमेटी

तावडू। जिले के राजस्थान सीमा से सटे गांव खोरी कला के वन क्षेत्र और पंचायती भूमि पर अवैध रूप से जलाए जाने वाले रसायन कबाड़ को लेकर जिला प्रशासन ने अब संज्ञान लिया है। मामला जिला प्रशासन के संज्ञान में आने पर उपायुक्त कार्यालय से पत्र जारी कर पांच सदस्य कमेटी का गठन किया गया। जिसमें एसडीएम तावडू, जिला वन अधिकारी, डीएसपी तावडू और क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पांच सदस्यीय टीम का गठन कर मौके पर भेजा गया। मौके से रसायन युक्त कबाड़ लेकर जा रहे एक ट्रैक्टर को भी जप्त कर खोरी कला पुलिस चौकी के हवाले कर दिया। उल्लेखनीय है कि लंबे समय से इस क्षेत्र में औद्योगिक नगरी भिवाड़ी, खुशखेड़ा, मानेसर और धारूहेड़ा से रसायन युक्त कबाड़ जलाकर पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा था। इससे न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा था बल्कि वन्य जीव भी लुप्त होते जा रहे थे। कबाड़ जलाने के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ रहा था। बहुत से लोगों में दमे और त्वचा संबंधित बीमारियां भी बढ़ने लगी थी। प्रशासन के आदेश पर पहुंची टीम ने करीब 1 घंटे तक मौके का गहनता से निरीक्षण किया और खामियों की रिपोर्ट बनाकर दो दिनों के अंदर भेजने के निर्देश दिए गए।

बागवानी विभाग द्वारा राईपनिंग चेम्बर के लिए दिया जा रहा है 35 प्रतिशत तक अनुदान

गुरुग्राम। प्रदेश सरकार द्वारा बागवानी के क्षेत्र को बढ़ाने के लिये विशेष अनुदान योजना लागू की गई है। जिसमें राईपनिंग चेम्बर (केला पकाने का गोदाम) पर 1 लाख रुपये प्रति मीट्रिक टन लागत के आधार पर 35 हजार रुपए प्रति मीट्रिक टन के हिसाब से अनुदान राशि दी जा रही है। जिला बागवानी अधिकारी नेहा यादव ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि योजना के तहत अधिकतम 300 मीट्रिक टन पर 1 करोड़ 5 लाख रुपये तक प्रोत्साहन राशि के रूप में प्रति लाभार्थी दिए जाते है। बागवानी स्कीम का लाभ उठाने के लिए विभागीय पोर्टल पर पंजीकरण व पूर्ण दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य है। आनलाईन पंजीकरण के माध्यम से पहले आओ व पहले पाओ के आधार पर प्राथमिकता दी जाएगी। जिला में उपरोक्त योजना का लाभ लेने के इच्छुक किसान फर्रुखनगर ब्लॉक में ब्लॉक बागवानी अधिकारी अरविंद कुमार के मोबाइल नंबर 9518090391, गुरुग्राम ब्लॉक में पुष्पेंद्र राजपूत के मोबाइल नंबर 9695316165, पटौदी ब्लॉक में डॉ रविंद्र सहरावत के मोबाइल नंबर 9812344454 व सोहना ब्लॉक में अजमाइन के मोबाइल नंबर 9306014019 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

एक स्थान पर समाधान उपलब्ध कराने के लिए समाधान शिविर बहुत उपयोगी : डीसी

गुरुग्राम। डीसी अजय कुमार ने कहा कि शिकायतकर्ताओं को एक ही मंच पर बेहतर समाधान उपलब्ध कराने के लिए समाधान शिविर बहुत उपयोगी साबित हुए हैं। उन्होंने बताया कि अब सप्ताह में सोमवार व वीरवार को ही समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं, साथ ही शुक्रवार को दोनों दिन के समाधान शिविर की समीक्षा भी की जा रही है। डीसी अजय कुमार ने यह जानकारी लघु सचिवालय स्थित सभागार में समाधान शिविर में आई शिकायतों व निवारण की समीक्षा बैठक में दी। उन्होंने सोमवार व वीरवार को लगे समाधान शिविर में कितनी शिकायतें आईं और कितनी का समाधान हुआ इसकी विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने बताया कि सभी विभागों से संबंधित जन शिकायतों का एक ही स्थान पर समाधान करने के लिए समाधान शिविर जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर लगाए जा रहै।

कृषि विभाग की योजनाओं के बजट का पूरा सदुपयोग करें : श्याम सिंह राणा

● सेमग्रस्त जमीन में मछली पालन की संभावनाएं तलाशें

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कृषि विभाग की सभी योजनाओं के लिए निर्धारित किये गए बजट का पूरा सदुपयोग करें ताकि किसानों को उनका लाभ मिल सके। उन्होंने सेमग्रस्त जमीन का ताज़ा सर्वे करके उस क्षेत्र में मछली पालन की संभावनाएं तलाशने के भी निर्देश दिए। कृषि मंत्री आज चंडीगढ़ में कृषि विभाग के अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री राजा शेखर वुंडरू के अलावा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। श्री श्याम सिंह राणा ने मृदा संरक्षण के क्षेत्र में किये जा रहे कार्य तथा आगामी फसल की बुआई के सीजन को देखते हुए खाद की उपलब्धता की तैयारियां की भी समीक्षा की और अधिकारियों को इस दिशा में उचित कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से फसलों के बीज के लिए दिए जा रहे अनुदान के बारे में विस्तार से बात की और निर्देश दिए कि किसानों को अच्छी गुणवत्ता का बीज उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने आगे कहा कि

कृषि विभाग के तहत किसानों के हित के लिए जितनी योजनाएं चलाई गई हैं उन सभी का लाभ किसानों को मिलना चाहिए , बजट की कमी नहीं रहने दी जाएगी। कृषि मंत्री ने प्रदेश में सेमग्रस्त भूमि के बारे में जानकारी लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस वर्ष एक लाख हैक्टेयर भूमि को सेम-मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है , कोशिश करें कि लक्ष्य से अधिक कार्य हो। उन्होंने कहा कि इस वर्ष चरखी दादरी , सिरसा और फतेहाबाद जिला को पूर्ण रूप से सेम मुक्त किया जाए और अन्य जिलों में भी इस कार्य में सक्रियता बढ़ाएं। श्री श्याम सिंह राणा ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि कुछ गांवों की सेमग्रस्त पंचायती-भूमि में मॉडल के तौर पर तालाब बनाकर मछली पालन के लिए पंचायत को प्रोत्साहित करें। अगर सकारात्मक परिणाम आये तो इस मॉडल को राज्य के अन्य किसानों , जिनकी जमीन में सेम आई हुई है और कृषि नहीं हो पा रही है , को इसके लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि जिस सेमग्रस्त भूमि में मछली पालन संभव नहीं है और पानी हमेशा रुका हुआ रहता है तो उस क्षेत्र में सफेदा का पौधा लगाया जा सकता है ताकि जल स्तर सही लेवल पर आ सके। कृषि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का भी विज़न है कि सेमग्रस्त एरिया को ठीक किया जाये तथा मछली पालन जैसे व्यवसाय को बढ़ावा दिया जाये , इससे किसानों की आमदनी में भी अच्छा-खासा इजाफा होगा। कृषि मंत्री ने अधिकारियों से आगामी फसल धान , कपास आदि फसलों के लिए खाद की तैयारियां बारे बात की और निर्देश दिए कि किसानों के लिए खाद की कमी नहीं रहने दी जाएगी , इसके लिए अपने स्तर पर पूर्व तैयारी रखें। कृषि मंत्री ने सॉयल हेल्थ कार्ड , पराली के प्रबंधन , किसानों को दिए जाने वाले प्रशिक्षण जैसे कार्यों की भी समीक्षा की और कहा कि देश एवं प्रदेश की अर्थव्यवस्था कृषि पर निर्भर करती है , ऐसे में किसानों के हित सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चला 200 वाहनों के काटे चालान

एजेंसी

नारनौल। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के निर्देशानुसार महेंद्रगढ़ पुलिस द्वारा जिलेभर में विशेष वाहन चैकिंग अभियान चलाया। सभी थाना प्रबंधकों व उनकी टीम द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में विशेष बाइक चेकिंग अभियान चलाया गया, अभियान के दौरान गहनता से बाइकों के कागजात चेक किए गए। यह अभियान देर शाम करीब 4 घंटे जिले के विभिन्न स्थानों और मार्गों पर चला। इस दौरान पुलिस द्वारा 400 से अधिक वाहनों की जांच की गई। इस दौरान 200 वाहनों के चालान किए गए, जिनमें 129 बाइक चालकों के चालान किए गए। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के दिशा-निर्देशानुसार चलाए गए इस अभियान में यातायात पुलिस और स्थानीय थाना पुलिस की टीमों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। टीमों ने जिले भर में मुख्य चौक, मार्गों पर सभी दोपहिया वाहनों की गहनता से जांच की। इस दौरान, वाहनों के पंजीकरण प्रमाण पत्र (आरसी), ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की बारीकी से पड़ताल की गई। अभियान का मुख्य उद्देश्य शहर क्षेत्र में बाइक चोरी जैसे अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान करना था। पुलिस ने इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों और बिना उचित दस्तावेजों वाले वाहन चालकों से पूछताछ की और उनके चालान भी काटे व कुछ वाहनों को इंपाउंड भी किया गया। करीब 4 घंटे तक चलाए गए इस विशेष अभियान में पुलिस टीम द्वारा 400 से अधिक वाहनों की जांच की गई, जिनके कागजात गहनता से जांचे गए। टीमों द्वारा बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों की भी जांच की गई। चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस द्वारा 129 बाइकों के चालान किए गए।

कोरियावास मेडिकल कॉलेज में ओपीडी सेवाओं से आमजन को मिलेगा बेहतर इलाज : आरती सिंह राव

● भाजपा सरकार लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने को प्रतिबद्धः स्वास्थ्य मंत्री

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही हरियाणा सरकार लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने को कृतसंकल्पित है। महेंद्रगढ़ जिले के कोरियावास गांव में स्थित मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में ओपीडी से नागरिकों को घर के नजदीक ही गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी।यह जानकारी देते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि फिलहाल मेडिसिन, ईएनटी, ऑर्थोपेडिक्स एवं मनोरोग से संबंधित ओपीडी सेवाएं शुरू हो गई हैं। भविष्य में और सुविधाएं बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध। इसी उद्देश्य से प्रदेश के हर जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कोरियावास मेडिकल कॉलेज स्थानीय आबादी की जरूरतों को पूरा करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि लोगों को आवश्यक चिकित्सा सेवाओं के लिए लंबी दूरी तय न करनी पड़े। नवनिर्मित ओपीडी सेवाओं में मेडिसिन, ईएनटी, ऑर्थोपेडिक्स आदि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विशेषज्ञ परामर्श प्रदान किया जाएगा, जो समुदाय के समग्र कल्याण के लिए महत्वपूर्ण हैं। निदेशक (मैडिकल कॉलेज) डा. पवन कुमार गोयल ने

बताया कि ओपीडी का संचालन सरकार द्वारा प्रतिनियुक्त किए गए चिकित्सकों द्वारा किया गया है। ओपीडी में हड्डी एवं जोड़ रोग विभाग, मनोरोग विभाग, मैडिसिन विभाग, नेत्र रोग विभाग, कान-नाक-गला रोग आदि सभी विभागों की सुविधाएं प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक उपलब्ध रहेंगी। दक्षिणी हरियाणा के साथ साथ राजस्थान के लोगों को भी कोरियावास मेडिकल कॉलेज से काफी फायदा होगा। स्वास्थ्य मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने के लिए सरकार की चल रही पहलों पर भी प्रकाश डाला। जिसमें अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों का प्रावधान और योग्य चिकित्सा कर्मियों की भर्ती शामिल है। उन्होंने कहा, इन पहलों के साथ, हमारा लक्ष्य न केवल उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना है, बल्कि चिकित्सा अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए अनुकूल वातावरण बनाना भी है। मंत्री ने हरियाणा में स्वास्थ्य सेवा को अधिक कुशल, उत्तरदायी और सभी के लिए सुलभ बनाने के लिए भाजपा सरकार की प्रतिज्ञा की पुष्टि की। उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि अच्छा स्वास्थ्य एक समृद्ध समाज की नींव है और इस तरह की पहलों के माध्यम से, हम हरियाणा के सभी निवासियों के लिए एक स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रहे हैं। स्थानीय निवासियों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने भी स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना की, नई सेवाओं को क्षेत्र में जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

नंगल बांध के कंट्रोलिंग स्टेशन पर ताला लगवाना संघीय ढांचे पर चोट है : अभय सिंह चौटाला

अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान ने हरियाणा में चुनाव हारने के बाद पानी देने से इंकार करके हार की खीज मिटा रहे हैं : अभय सिंह चौटाला

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा नंगल बांध के कंट्रोलिंग स्टेशन पर ताला लगवाने की कड़ी निंदा करते हुए इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ. अभय सिंह चौटाला ने कहा कि यह संघीय ढांचे पर चोट है और एक गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। इसलिए मुख्यमंत्री भगवंत मान पर मुकदमा दर्ज कर इस पूरे मामले की जांच सीबीआई द्वारा करवाई जानी चाहिए। देश के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि जब हिमाचल से आए

पानी पर पंजाब के मुख्यमंत्री ने ताला लगाया है। केंद्र सरकार को इस मामले में हस्तक्षेप करके इस स्थिति को अपने हाथ में लेना चाहिए। बीबीएमबी में तुरंत अर्धसैनिक बल मुहैया करवाकर पंजाब पुलिस को बीबीएमबी से वापिस भेजे जाएं। साथ ही बीबीएमबी में हरियाणा सरकार की तरफ से तकनीकी सदस्य की नियुक्ति तुरंत प्रभाव से की जाए। अगर जल्द ही केंद्र सरकार ने स्थिति को नियंत्रित नहीं किया तो कानूनी स्थिति बिगड़ सकती है। हरियाणा में चारों तरफ पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। अगर केंद्र की सरकार ने इस स्थिति को नहीं संभाला तो इनेलो पार्टी हरियाणा की जनता के साथ सड़कों पर उतरेगी। अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान ने हरियाणा विधानसभा चुनावों में कहा था कि हरियाणा को उसके हक का पानी देंगे। अब हरियाणा में चुनाव हारने के बाद पानी देने से इंकार करके हार की खीज मिटा रहे हैं। जहां आप, कांग्रेस और भाजपा पंजाब में हरियाणा को पानी न देने के मामले में एकमत हो गई हैं वहीं हरियाणा के लोगों के सामने पंजाब से अपना हक लेने का ढोंग करती है। इससे भाजपा, कांग्रेस और आप पार्टी का दोहरा चेहरा हरियाणा के लोगों के सामने उजागर हो गया है।

समाधान शिविर की लंबित शिकायतों का तुरंत निपटारा करें अधिकारी : उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा

एजेंसी

रोहतक। उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे समाधान शिविर की लंबित शिकायतों का यथासंभव तुरंत निपटारा करवाएं। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी तथा मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा समाधान प्रकोष्ठ के माध्यम से लंबित शिकायतों की निरंतर निगरानी की जा रही है। धीरेंद्र खड़गटा स्थानीय लघु सचिवालय स्थित सभागार में समाधान प्रकोष्ठ द्वारा लंबित शिकायतों की समीक्षा के उपरांत जिला स्तर पर लंबित शिकायतों की समीक्षा कर रहे थे। समाधान प्रकोष्ठ में सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. अमित अग्रवाल ने जिलावार समाधान शिविर की लंबित शिकायतों की समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने कहा कि सभी अधिकारी अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय द्वारा किए जा रहे अच्छे कार्य का अनुसरण करते हुए लंबित शिकायतों का निपटारा करवाएं। अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय द्वारा प्राप्त 2594 शिकायतों में से 2593 शिकायतों का निपटारा करवाया जा चुका है तथा शेष लंबित एक शिकायत के निपटारे की प्रक्रिया जारी है। उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए विकास एवं पंचायत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे ग्रामीण क्षेत्र में शामलात भूमि पर बनाए गए 20 वर्ष पुराने 500 वर्ग गज के मकानों को नियमित करने के लिए गंभीरता से कार्य करें।

नीट परीक्षा को लेकर एसपी ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

एजेंसी

नारनौल पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने आगामी नीट परीक्षा के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर पर्यवेक्षण अधिकारियों और परीक्षा केंद्रों पर तैनात इंचार्जों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में उन्होंने परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की और सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। इसको लेकर उन्होंने परीक्षा केंद्रों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

चार मई को आयोजित होने वाली नीट परीक्षा के लिए जिले में कुल 8 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और प्रत्येक केंद्र पर पर्याप्त संख्या में पुलिस कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की गई है। इसके अतिरिक्त, परीक्षा केंद्रों के आसपास नाकेबंदी की गई है, जहाँ तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने और सभी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

एसपी ने स्पष्ट रूप से कहा कि परीक्षा केंद्रों के अंदर केवल ड्यूटी पर तैनात स्टाफ और परीक्षार्थियों को

ही प्रवेश की अनुमति होगी। किसी भी अन्य व्यक्ति को केंद्र में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने बताया कि परीक्षार्थियों की गहन तलाशी ली जाएगी, जिसके लिए एचएचएमडी, डीएफएमडी और फ्रिस्किंग टीम को तैनात किया गया है। पुलिस कर्मियों को वाकी-टाकी से लैस किया गया है, ताकि किसी भी प्रकार की सूचना को तुरंत अधिकारियों तक पहुंचाया जा सके। पुलिस अधीक्षक ने पर्यवेक्षण अधिकारियों और थाना प्रबंधकों को अपने-अपने क्षेत्रों में कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं ताकि परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हो सके। पुलिस अधीक्षक महोदया ने परीक्षा केंद्रों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को ओर मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों में ड्यूटी स्टाफ और पुलिस स्टाफ के अलावा किसी भी अन्य व्यक्ति का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। इसके साथ ही, परीक्षा केंद्रों के आसपास पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों के इकट्ठा होने या किसी भी प्रकार के आग्नेय अस्त्र लेकर आने पर भी पाबंदी रहेगी। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों के आस-पास स्थित सभी फोटोस्टेट की दुकानें बंद रहे। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रों में स्थित परीक्षा केंद्रों पर लगातार गश्त करने के निर्देश दिए हैं।

राइडर टीमों को भी परीक्षा केंद्रों के आसपास निरंतर गश्त करने के लिए कहा गया है। इसके अतिरिक्त, परीक्षा केंद्रों के आसपास स्थित फोटोस्टेट की दुकानों पर कड़ी निगरानी रखने के विशेष निर्देश दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने सभी संबंधित अधिकारियों को नीट परीक्षा को शांतिपूर्वक और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए सख्त निर्देश दिए हैं और उम्मीद जताई है कि सभी के सहयोग से परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की जाएगी।

तावडू में 2 दुकानों में आग लगने से हजारों रुपए का नुकसान

एजेंसी

तावडू। शहर के वार्ड नंबर 14 में स्थित आर्य समाज मंदिर की दुकानों में बीती रात शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने से 2 दुकानों में हजारों रुपए का सामान जल कर राख हो गया। फायर ब्रिगेड कर्मियों व पुलिस के मौके पर पहुंचने के कारण आग फैलने से रूक गई। इस आग पर काबू पाने के लिए 3 फायर ब्रिगेड की गाडियां पहुंची। जिन्होंने एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पीड़ित दुकानदार पवन रेवाडिया व विनोद मक्कड ने बताया कि बीती रात ट्रांसफार्मर में हुई सपार्किंग के कारण आग लग गई। जिससे उनकी दुकानों का हजारों रूपए का सामान जल कर राख हो गया। जबकि रात्रि सवा 12 बजे के लगभग सूचना पर पुलिस व फायर ब्रिगेड कर्मियों ने भारी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस आगजनी को बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की 3 गाडियां आई। जिन्होंने आग पर काबू पाया। पीडित दुकानदारों ने प्रशासन से मुआवजे की गुहार लगाई है।

राजकीय प्राथमिक स्कूल कालबा के छात्रों ने किया पुलिस स्टेशन व पोस्ट ऑफिस का भ्रमण

एजेंसी

नांगल चौधरी। कक्षा तत्परता कार्यक्रम के तहत राजकीय प्राथमिक पाठशाला कालबा के छात्रों ने शिक्षक कृष्ण नंगली, जयवीर उप मुख्य अध्यापक, करण सिंह डीपीई व रतीराम केसीसी के निर्देशन में नांगल चौधरी शहर में स्थित पुलिस स्टेशन व डाकघर का भ्रमण किया। सर्वप्रथम पुलिस स्टेशन का भ्रमण करवाया गया। जहां थाना प्रभारी छत्रपाल ने मैत्रीपूर्ण ढंग से बच्चों का स्वागत किया और कुछ बच्चों की कक्षा एवं उनका नाम पूछा। थाना प्रभारी ने बच्चों को काउंटर, लॉकअप, कंप्यूटर रूम की विजिट करवाई और उनके कार्य प्रणाली के बारे में संक्षिप्त रूप से समझाया। थाना प्रभारी छत्रपाल तथा हेड क्लर्क सम्मत देवी ने बच्चों को गुड टच और बेड टच के साथ-साथ आत्मरक्षा के तरीके भी बताएं। उन्होंने एफआईआर, ऑनलाइन रिपोर्ट 100 तथा 112 नंबर डायल करने के महत्व से अवगत करवाते हुए बताया कि यदि कोई महिला या पुरुष रात के समय ऐसी जगह खड़ा हो जहां गेटवे स्थान के लिए साधनों की व्यवस्था न हो तो वे 112 पर कॉल कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि बच्चों जहां भी आप अपराध होते हुए देखते हो या आपके साथ कुछ गलत होता है तो निसंकोच आप 100/112 नंबर डायल करके अपनी समस्या हमें बता सकते हो। पुलिस 24 घंटे आपकी सहायता के लिए हाजिर रहती है और पुलिस आपकी मित्र एवं सहयोगी है। थाना प्रभारी ने प्राथमिक विद्यालय की छात्रा अनु कुमारी पुत्री हरिओम कक्षा तीसरी को आज की थाना प्रभारी बनाते हुए थाना प्रभारी की कुर्सी पर बैठाया। बच्चों ने आनंदमय होकर सभी बातों को समझा और कुछ जरूरी बातें नोटबुक में भी नोट की। कार्यक्रम के समापन पर शिक्षक कृष्ण नंगली ने थाना प्रभारी एवं समस्त स्टाफ का धन्यवाद किया। उसके पश्चात पुलिस स्टेशन के ठीक सामने स्थित डाकघर का भ्रमण किया गया जहां सब पोस्ट मास्टर अभिषेक ने भी बच्चों का स्वागत किया।

पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक करें आवेदन

एजेंसी

नारनौल। बिजली उपभोक्ता मंच हरियाणा संबंधित आल इंडिया इलेक्ट्रिसिटी कंज्यूमर एसोसिएशन के ब्लाक सिहमा की ओर से बिजली उपमंडल अधिकारी कार्यालय के सामने बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं को लेकर धरना देकर बिजली उपमंडल कार्यालय के समक्ष जोरदार प्रदर्शन अशोक कुमार जेई ज्ञापन सौंपा। धरने को संबोधित करते हुए बिजली उपभोक्ता मंच हरियाणा के जिला संयोजक छाजूराम रावत ने कहा कि बिजली एक जन सेवा है। बिजली जैसी आवश्यक सेवा जिसके बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती बिजली जैसी इस आवश्यक सेवा को मुनाफा की वस्तु नहीं बनाया जा सकता। बिजली उपभोक्ता मंच हरियाणा के सिहमा संयोजक मास्टर बलवंत सिंह ने कहा कि बिजली उपमंडल अधिकारी सिहमा द्वारा बिजली उपभोक्ताओं के बिलों में पिछले वर्ष का कुल विधुत खर्च जोडक़र इसका एक तिहाई बिल की राशि आगामी वित्तीय वर्ष के विधुत बिलों में जोडक़र यह राशि सिक्योरिटी प्रतिभूति के नाम से वसूली जा रही है। इस जबरन वसूली से बिजली उपभोक्ताओं पर पडने् वाले अतिरिक्त आर्थिक भार से परेशानी में हैं। उन्होंने कहा कि मीटर रीडिंग भी नियमित रूप से नहीं की जाती जिससे बिजली उपभोक्ताओं पर कई महिनों की राशि इकट्ठे का भार एकसाथ पड़ता है जो समय पर एक साथ जमा करवाने में मुश्किल होती है। एआईकेकेएमएस के जिला सचिव डा. व्रतपाल सिंह ने बिजली के बढ़ाये गई दरों को जनविरोधी कदम बताते हुए सरकार से इस बढ़ोतरी को वापस लेने की मांग की तथा स्मार्ट मीटर स्कीम को वापस लेने की मांग की। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि दोबारा सिक्योरिटी राशि लेने पर रोक लगाई जाए। अब तक दोबारा ली गई राशि उपभोक्ताओं को वापिस की जाए।

दुनिया के कंटेंट, फैशन और अध्यात्म पर छाने को तैयार हैं भारत - नीता अंबानी

एजेंसी

मुंबई। देश के सबसे बड़े मीडिया व एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म्स में से एक जियोस्टार की चेयरपर्सन नीता अंबानी ने यकीन दिलाया कि जल्द ही भारतीय कला व शिल्प दुनिया के सौंदर्यशास्त्र या फैशन को आकार देने लगेगा। उन्होंने कहा कि न केवल फैशन, चिकित्सा, अध्यात्म, नृत्य और भारतीय कहानियां भी विश्व मानचित्र पर अपनी जगह बना लेगीं। नीता अंबानी मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित हो रहे वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट 2025 में बोल रही थीं। "Taking Indian Culture to the World" विषय पर बोलते हुए नीता अंबानी ने उन भारतीयों की याद दिलाई जो अपनी जड़ों को बिना भूले विश्व मंचों पर भारत को गौरवान्वित कर रहे हैं। संगीत में अनुष्का शंकर और ऋषभ शर्मा, व्यंजनों में विकास खन्ना और सिनेमा में प्रियंका चोपड़ा जैसे युवा दुनिया भर में भारतीयता का संदेश फैला रहे हैं। साथ ही नीता अंबानी ने न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित लिंकन सेंटर में, सितंबर में होने वाले 'ग्रेंड इंडियन वीकएंड' की भी जानकारी साझा की। यह वीकएंड 'नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर' की और से मनाया जाएगा। जिसमें भारतीय कला व संस्कृति को दुनिया के सामने रखा जाएगा। नीता अंबानी ने बताया कि हम भारत की आत्मा को दुनिया के सामने रखेंगे। हमारी कलाएं, कारीगर, हमारे बुनकर, हमारे गीत और नृत्य, हमारा फैशन, हमारा स्वादिष्ट भोजन यहां सभी कुछ होगा।

एफपीआई ने इस हफ्ते भारतीय शेयरों में डाले 10000 करोड़ रुपये से अधिक

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस हफ्ते भारतीय शेयर बाजारों में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया। इससे यह साफ हो गया कि घरेलू इक्विटी में विदेशी रुचि फिर से बढ़ने लगी है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने 28 अप्रैल से 2 मई के बीच इक्विटी में 10,073 करोड़ रुपये का निवेश किया। आंकड़ों के अनुसार 2025 में पहली बार अप्रैल महीने में सकारात्मक शुद्ध एफपीआई प्रवाह देखा गया। अप्रैल में भारतीय इक्विटी में एफपीआई की ओर से शुद्ध निवेश 4,223 करोड़ रुपये रहा। एफपीआई ने मार्च में शुद्ध रूप से 3,973 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। जनवरी और फरवरी में उन्होंने क्रमशः 78,027 करोड़ रुपये और 34,574 करोड़ रुपये की इक्विटी की बिकवाली की थी। इससे यह पता चलता है कि अप्रैल बीते कई महीनों के बाद एफपीआई की भारतीय बाजार में रुचि बढ़ी है।

भारत ने पाकिस्तान के साथ बंद किया कारोबार, पड़ोसी देश से आने वाली सभी वस्तुओं पर लगाई रोक

नई दिल्ली। भारत ने आतंकवाद के पनाहगाह पाकिस्तान को एक बार फिर सबक सिखाने के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत भारत सरकार ने पाकिस्तान से किसी भी प्रकार की वस्तुओं के सीधे या परोक्ष आयात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से दो मई को जारी की गई अधिसूचना के अनुसार, यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक नीति के हित में लिया गया है। इस रोक के बाद अब पाकिस्तान से आने वाले किसी भी उत्पाद चाहे वह सीधे आयात हो या किसी तीसरे देश के जरिए परोक्ष रूप से हो इन सभी आयातों पर पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। बता दें कि भारत सरकार की तरफ से लगाए गए यह प्रतिबंध विदेश व्यापार नीति 2023 में नए प्रावधान के रूप में जोड़ा गया है, जिसको लेकर विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने साफ किया है कि अगर किसी मामले में आयात की अनुमति दी जाती है, तो उसके लिए भारत सरकार की विशेष मंजूरी जरूरी होगी। 2024-25 में अप्रैल से जनवरी के बीच भारत ने पाकिस्तान से केवल 0.42 मिलियन डॉलर का आयात किया था। इसमें तांबा और तांबे के सामान, खाद्य फल और सूखे मेवे , कपास, नमक, सल्फर और मिट्टी और पत्थर, जैविक रसायन, खनिज ईंधन, प्लास्टिक उत्पाद, ऊन, कांच के बने पदार्थ, कच्ची खाल और चमड़ा आदि शामिल है।

20 साल में 1.55 लाख करोड़ की संपत्ति अटैच

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशायल की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ती की जब्ती मुकदमेबाजी और स्थगन आदेश के कारण अटकी पड़ी है। इन संपत्तियों को ईडी ने धन शोधन निवारण कानून के तहत अनंतिम रूप से अटैच किया था। जांच एजेंसी को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच के दौरान उन संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच करने का अधिकार है, जिनके बारे में संदेह है कि वे अपराध की आय हैं। इस तरह के अनंतिम आदेश को जारी होने के 180 दिनों के भीतर उक्त कानून के न्यायाधिकरण की ओर से पुष्टि की जानी चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार ईडी ने 2005 से लेकर 2025 तक पीएमएलए के प्रभावी होने के बाद से 1.55 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति अचैट की है, जिनमें से 1.07 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों की पुष्टि वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंत तक न्यायाधिकरण की ओर से की जा चुकी है, लेकिन कानूनी बाधाओं के कारण 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक की जब्ती अभी भी अटकी हुई है। ईडी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि देशभर में 100 विशेष पीएमएलए अदालतें होने के बावजूद मनी लॉन्ड्रिंग मामलों की सुनवाई समय पर पूरी नहीं हो पाती।

शेयर बाजार में स्टॉक होल्डिंग के मामले में पहली बार एफआईआई से आगे निकले डीआईआई

एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बीच पहली बार घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की स्टॉक होल्डिंग विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) से अधिक हो गई है। माना जा रहा है कि इक्विटी होल्डिंग मामले में घरेलू संस्थागत निवेशकों के आगे निकल जाने से आने वाले दिनों में बाजार में तुलनात्मक तौर पर अधिक स्थिरता की स्थिति बनेगी। इसके साथ ही विदेशी निवेशकों द्वारा अचानक की जाने वाली बिकवाली की स्थिति में भी शेयर बाजार बड़ी गिरावट का शिकार होने से काफी हद तक बच सकेगा। एसीआई इक्विटीज द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार मार्च में खत्म हुई तिमाही के दौरान घरेलू संस्थागत निवेशकों की स्टॉक मार्केट में होल्डिंग 16.91 प्रतिशत हो गई है, जबकि विदेशी संस्थागत निवेशकों की होल्डिंग 16.84 प्रतिशत ही है। इस तरह डीआईआई की इक्विटी होल्डिंग एफआईआई की इक्विटी

होल्डिंग से अधिक हो गई है। इक्विटी होल्डिंग के इस पैटर्न के मुताबिक घरेलू संस्थागत निवेशकों के पास अब 69.80 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एसेट्स हो गए हैं। वहीं, विदेशी संस्थागत निवेशकों के पास 69.58 लाख करोड़ रुपये के एसेट्स हैं। पिछले साल अक्टूबर के महीने से ही विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली का दबाव बना दिया था। विदेशी निवेशकों की इस बिकवाली के दौरान बाजार को सहारा देने के लिए घरेलू संस्थागत निवेशकों ने भी बड़े पैमाने पर खरीदारी की। डिपॉजिटरी के आंकड़ों पर नजर डालें तो सितंबर 2024 के बाद से मार्च 2025 के अंत तक विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में 2.06 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली करके अपने पैसे निकाले। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इस अवधि में शेयर बाजार में 3.97 लाख करोड़ रुपये की खरीददारी करके बाजार को सहारा देने की कोशिश की। घरेलू संस्थागत निवेशकों की इस खरीदारी के कारण ही भारतीय शेयर बाजार के इतिहास में पहली बार उनकी इक्विटी होल्डिंग विदेशी संस्थागत निवेशकों की तुलना में अधिक हो गई है। कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी रिसर्च हेड श्रीकांत चौहान का कहना है कि पिछले 1 साल के ट्रेडिंग पैटर्न पर नजर डालें, तो इस अवधि में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने खरीदारी करने की तुलना में बिकवाली अधिक की है। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशकों, विशेष रूप से म्युचुअल फंड्स ने एसआईपी के जरिए इक्विटी मार्केट में लगातार अपने निवेश को बढ़ाया है। इसके साथ ही गिरते बाजार में खरीदारी करके घरेलू संस्थागत निवेशकों ने अपना इक्विटी बेस भी मजबूत किया है।

शाहरुख खान बने हार्पिक के ब्रांड एंबेसडर

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान हार्पिक के ब्रांड एंबेसडर बनाये गये हैं। टॉयलेट की सफाई में ब्रांड की श्रेष्ठता को दर्शाने के लिए हार्पिक ने शाहरुख के साथ अपनी नई मुहिम हार्पिक है ना की शुरुआत की है, यह मुहिम हर घर में टॉयलेट की अच्छी सफाई का वादा करती है। शाहरुख खान ने हार्पिक के साथ अपने इस जुड़ाव पर कहा, स्वच्छता की शुरुआत छोटे लेकिन असरदार कार्यों से होती है। हार्पिक के साथ काम करने पर मैं खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। यह एक ऐसा ब्रांड है, जो दशकों से भारतीय घरों में स्वच्छता और गरिमा को बढ़ावा दे रहा है। मैं हमरी गुमनाम हीरोज- गृहणियों - की बहुत इज्जत करता हूं, जिनकी अथक मेहनत से ही परिवारों के स्वास्थ्य और खुशी मिलती है। वे सर्वश्रेष्ठ की हकदार हैं। हार्पिक है ना के साथ, हर घर बेहतर स्वच्छता, सफाई और ताजगी पर भरोसा कर सकता है।जो सिर्फ पांच मिनट में मिल जाती है। जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों में जिस तरह का आश्वासन चाहिए, उसी तरह हार्पिक है ना हर घर में एक भरोसेमंद साथी के रूप में खड़ा रहता है।'

एनएसई में वेव्स इंडेक्स का अनावरण

एजेंसी

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने विश्व ऑडियो विजुअल एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) 2025 में ऑडियो-विजुअल और मनोरंजन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाला 43-एडीजीसी कंपनी बेंचमार्क वेव्स इंडेक्स लॉन्च किया, जो भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लॉन्च को समिट की सबसे बड़ी सफलताओं में से एक बताते हुये इस बात पर जोर दिया कि नया इंडेक्स एक नए निवेश पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देगा, जो भारत के तेजी से बढ़ते रचनात्मक और सामग्री उद्योगों के लिए घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों पूंजी को आकर्षित करेगा। श्री फडणवीस ने कहा, 'मुझे खुशी है कि वेव्स शिखर सम्मेलन मुंबई में आयोजित किया जा रहा है। केंद्र ने महाराष्ट्र और मुंबई को इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम की मेजबानी का सम्मान दिया है। प्रधानमंत्री द्वारा शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किए जाने के बाद से, दुनिया भर के प्रतिनिधियों ने इस मंच के पैमाने और गुणवत्ता की प्रशंसा की है, जिसे इस क्षेत्र में पहली बार बनाया

जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ऑडियो-विजुअल क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभाने की कगार पर है, जिसमें आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और उद्योगों में गुणक प्रभाव की अपार संभावनाएं हैं।एनएसई के प्रबंध निदेशक और सीईओ आशीष कुमार चौहान ने बताया कि वेव्स इंडेक्स का विचार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री कार्यालय के एक प्रस्ताव से आया है। उन्होंने कहा कि जब वेव्स की अवधारणा बनाई जा रही थी, तो मुख्यमंत्री कार्यालय ने हमसे एक ऐसा सूचकांक बनाने के लिए संपर्क किया था जो इन सभी उद्योगों का एक साथ प्रतिनिधित्व करेगा। हालांकि कई क्षेत्रीय सूचकांक मौजूद हैं, लेकिन उनमें से किसी ने भी पूरे रचनात्मक क्षेत्र को समाहित नहीं किया है। उन्होंने कहा ÷ हमने इसे लॉन्च करने के लिए प्रतिबद्धता जताई थी और आज हमने वह वादा पूरा कर दिया है।

तमिलनाडु के लिए कोयले की आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करने पर उच्च स्तरीय बैठक

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के लिए कोयला और लिग्नाइट ईंधन की आपूर्ति व्यवस्था मजबूत करने के विषय पर चेन्नई में एक उच्च स्तरीय बैठक में चर्चा की गयी। बैठक में केंद्रीय कोयला सचिव विक्रम देव दत्त, राज्य के मुख्य सचिव एन. मुरुगनंदम और कोयला तथा बिजली कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल थे।केंद्रीय कोयला मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार अधिकारियों ने राज्य में बिजली की अनुमानित मांग, लिग्नाइट और कोयले की उपलब्धता तथा गर्मियों और मानसून के मौसम के दौरान पीक लोड की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक सक्रिय उपायों पर बातचीत की। बैठक में नेवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन इंडिया लिमिटेड(एनएलसीआईएल) से संबंधित भूमि अधिग्रहण, नेवेली की खदानों में ओवरबर्डन (ऊपर के कंकड-पत्थर से रेत (एम-सैंड) बनाए जाने को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक सुविधा, लिग्नाइट खदानों के लिए भूमि अधिग्रहण, नेवेली हवाई अड्डे का संचालन शुरू करने और तमिलनाडु ग्रीन एनर्जी

कॉर्पोरेशन लिमिटेड (टीएनजीईसीएल) और एनएलसीआईएल के बीच संयुक्त उद्यम के गठन के मुद्दों पर भी चर्चा की गई।विज्ञप्ति के अनुसार इस काम के लिए राज्य सरकार आवश्यक सहायता प्रदान करेगी।

बैठक में एनएलसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक प्रसन्ना कुमार मोटुपल्ली, कोयला मंत्रालय में संयुक्त सचिव संजीव कुमार कास्सी, कोल इंडिया लिमिटेड के निदेशक (विपणन) मुकेश चौधरी और तमिलनाडु पावर जनरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. एल्बी जॉन वर्गीस भी शामिल थे।

अमेरिकी मंदी की आशंका और एलओसी के तनाव से बिगाड़ा शेयर बाजार का मूड

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज पूरे दिन जोरदार उतार-चढ़ाव होता रहा। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने आज शुरुआती कारोबार में जोरदार मजबूती दिखाई, लेकिन दोपहर होते-होते दोनों सूचकांक बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 1 हजार अंक से अधिक टूट गया, वहीं निफ्टी ने भी दिन के ऊपरी स्तर से करीब 350 अंक का गोता लगाया। हालांकि दूसरे सत्र में खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। बाजार के इस उतार-चढ़ाव के लिए अमेरिका में मंदी की आशंका, कच्चे तेल की कीमत में आए उछाल, बाजार में मुनाफा वसूली के दबाव और भारत-पाकिस्तान सीमा पर बने तनाव को मुख्य वजह माना जा रहा है।धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि अमेरिकी इकोनॉमी को लेकर बनी चिंता ने घरेलू शेयर बाजार के मूड को भी बिगड़ने में आज अहम भूमिका निभाई। अमेरिका के कॉमर्स डिपार्टमेंट के शुरुआती अनुमानों में पहली तिमाही के दौरान अमेरिका की जीडीपी में 0.30 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया गया है। हालांकि इसके पहले की तिमाही में अमेरिका की जीडीपी 2.40 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। ऐसे में अमेरिकी विकास दर में गिरावट की आशंका से निवेशक आज सतर्क होकर कारोबार करते रहे। प्रशांत धामी का मानना है कि अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। ऐसे में अमेरिका में मंदी आने का असर दुनिया भर के बाजारों, खासकर उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों के मार्केट पर काफी ज्यादा पड़ सकता है। इसी तरह भारत और पाकिस्तान की सीमा पर बने तनाव से भी शेयर बाजार के कारोबार पर आज असर पड़ा। गुरुवार रात लगातार आठवीं बार पाकिस्तान की सेना ने जम्मू कश्मीर के कई सेक्टर्स में सीजफायर का उल्लंघन किया था। हालांकि भारतीय सेना ने पाकिस्तान सेना की इस हरकत का कड़ा जवाब दिया। इसके बावजूद एलओसी पर बढ़ता तनाव घरेलू शेयर बाजार में निवेशकों के सेंटिमेंट्स पर निगेटिव असर डालता हुआ नजर आया।

खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रवि चंदर खुराना का मानना है कि शेयर बाजार ने शुरूआती कारोबार में जोरदार तेजी पकड़ी थी लेकिन पहले घंटे के कारोबार के बाद ऊपरी स्तर पर शुरू हुई मुनाफा वसूली के कारण बाजार पर दबाव बन गया। इसी तरह अमेरिकी अर्थव्यवस्था से जुड़े कुछ अहम आंकड़े जल्दी आने वाले हैं, इसके पहले निवेशकों ने सतर्कता बढ़ाते हुए मुनाफा वसूली के विकल्प को ज्यादा पसंद किया। इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान पर सेकेंडरी लेवल बैन लगाने की धमकी देने के बाद एक दिन पहले तक लगातार कमजोरी दिखा रहा क्रूड ऑयल आज अचानक करीब 2 प्रतिशत तक महंगा हो गया। क्रूड ऑयल की कीमत में आई स्थिति से भी शेयर बाजार के सेंटिमेंट पर आज नेगेटिव असर पड़ा।

उच्च शिक्षा में सकल नामांकन 50 प्रतिशत तक पहुंचाने में निजी विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण: टीजी सीताराम

एजेंसी

हैदराबाद। शिक्षा उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों ने भारत में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सकल नामांकान का अनुपात (जीईआर) बढ़ाने में निजी क्षेत्र के विश्वविद्यालयों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया है और कहा है कि 2025 तक नामांकन दर 50 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में निजी संस्थानों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। यहां महिंद्रा विश्वविद्यालय परिसर में भारतीय निजी विश्वविद्यालय परिसंघ (सीआईपीयू) द्वारा उच्च शिक्षा पर हुए सम्मेलन में इस उद्योग की प्रमुख हस्तियों ने कहा कि भारत की शिक्षा प्रणाली को शोध-आधारित और अंतःविषय शैक्षणिक वातावरण बनाकर दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनने का लक्ष्य रखना चाहिए। सम्मेलन के समापन पर जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) टी. जी. सीताराम ने प्रारंभिक सत्र में कहा, निजी विश्वविद्यालय 2035 तक 50 प्रतिशत सकल नामांकन अनुपात प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में माध्यमिक शिक्षा के बाद उच्च शिक्षा में नाम लिखवाने वाले विद्यार्थियों का अनुपात 2014-15 में 23.7 प्रतिशत था जो 2021-22 में 28.8 प्रतिशत तक पहुंच गया था। डॉ सीताराम ने कहा, विश्वस्तर पर तकनीक के क्षेत्र में उथल-पुथल और परिस्थितियों की गतिशील को देखते हुए हमारे उच्च शिक्षा संस्थानों पर दूरदर्शी नेतृत्व को गढ़ने की महती जिम्मेदारी है।

नीति आयोग की रिपोर्ट: एमएसएमई क्षेत्र में बड़ी संख्या में कर्मचारी औपचारिक तकनीकी प्रशिक्षण से वंचित

एजेंसी

नई दिल्ली। नीति आयोग के अनुसार एमएसएमई क्षेत्र में कौशल की भारी कमी है। बड़ी संख्या में कर्मचारी औपचारिक तकनीकी प्रशिक्षण से वंचित हैं, जिससे उत्पादकता और विस्तार की संभावनाओं पर असर पड़ता है। साथ ही कहा है कि 2020 से 2024 के बीच एमएसएमई की औपचारिक क्रेडिट तक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। फिर भी केवल 19 प्रतिशत डिमांड ही औपचारिक क्रेडिट से पूरी हो पा रही है। नीति आयोग ने आज 'भारत में एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना' शीर्षक से विस्तृत रिपोर्ट जारी की। यह रिपोर्ट इंस्टीट्यूट फॉर कॉम्पिटिटिवनेस (आईएफसी) के सहयोग से तैयार की गई है और इसमें भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की क्षमता को सशक्त करने के लिए वित्त, कौशल, नवाचार और बाजार तक पहुंच में सुधार जैसे पहलुओं पर विस्तृत खाका प्रस्तुत किया गया है। रिपोर्ट में एमएसएमई क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख समस्याओं और चुनौतियों का विश्लेषण किया गया है। यह रिपोर्ट कपड़ा और परिधान निर्माण, रासायनिक उत्पाद, ऑटोमोटिव और खाद्य प्रसंस्करण जैसे चार प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है। रिपोर्ट में पाया गया है कि 2020 से 2024 के बीच एमएसएमई की औपचारिक क्रेडिट तक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इस अवधि में छोटे और सूक्ष्म उद्यमों द्वारा अनुसूचित बैंकों से ऋण प्राप्त करने की दर 14 प्रतिशत से बढ़कर 20 प्रतिशत हो गई, जबकि मध्यम उद्यमों के लिए यह आंकड़ा 4 प्रतिशत से बढ़कर 9 प्रतिशत तक पहुंचा है। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि अब भी 80 लाख करोड़ रुपये का बड़ा क्रेडिट गैप बना हुआ है और केवल 19 प्रतिशत डिमांड ही औपचारिक क्रेडिट से पूरी हो पा रही है।रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि एमएसएमई क्षेत्र में कौशल की भारी कमी है। बड़ी संख्या में कर्मचारी औपचारिक तकनीकी प्रशिक्षण से वंचित हैं, जिससे उत्पादकता और विस्तार की संभावनाओं पर असर पड़ता है। इसके अलावा, तकनीक को अपनाने में बिजली की अनियमित आपूर्ति, कमजोर इंटरनेट कनेक्टिविटी और उच्च लागत जैसी समस्याएं भी सामने आ रही हैं। रिपोर्ट यह बताती है कि केंद्र और राज्य सरकारों की विभिन्न योजनाओं के बावजूद, एमएसएमई मालिकों में योजनाओं की जागरूकता और पहुंच की कमी बनी हुई है। इसके समाधान के लिए रिपोर्ट राज्य स्तर पर मजबूत नीतिगत ढांचे, बेहतर निगरानी, डेटा एकीकरण और नीति निर्माण में हितधारकों की भागीदारी बढ़ाने की सिफारिश करती है। नीति आयोग का मानना है कि लक्षित हस्तक्षेप, संस्थागत सहयोग और नवाचार को बढ़ावा दिये जाने पर एमएसएमई भारत की समावेशी आर्थिक वृद्धि का प्रमुख स्तंभ बन सकते हैं।

भारत के कुल निर्यात में 2024-25 में 6.01 प्रतिशत की वृद्धि, रिकॉर्ड 824.9 अरब डॉलर पर : आरबीआई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मार्च 2025 के लिए सेवा व्यापार पर जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत का कुल निर्यात (वस्तु एवं सेवा निर्यात सहित) 6.01 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वित्तीय वर्ष 2024-25 में 824.9 अरब डालर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया है। रिजर्व बैंक के आंकडों के अनुसार सेवा निर्यात ने विकास की गति को आगे बढ़ाया, जो 2024-25 में 387.5 अरब डॉलर के ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष के 341.1 अरब डॉलर से 13.6 प्रतिशत अधिक है। मार्च 2025 में, सेवा निर्यात 35.6 अरब डॉलर रहा, जो मार्च 2024 में 30.0 अरब डॉलर की तुलना में 18.6 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि दर्शाता है। पिछले वर्ष सकल निर्यात 778.1

अरब डॉलर के बराबर था। वाणिज्य मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा देश के व्यापार की प्रगति की राह में एक नया मील का पत्थर स्थापित करता है। वर्ष 2024-25 में, पेट्रोलियम उत्पादों को छोड़कर व्यापारिक निर्यात बढ़कर रिकॉर्ड 374.1 अरब डॉलर हो गया, जो 2023-24 में 352.9 अरब डॉलर से 6.0 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता है - यह अब तक का सबसे अधिक वार्षिक गैर-पेट्रोलियम व्यापारिक निर्यात है।

विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां 10 महीने के शीर्ष पर, नए ऑर्डर की रफ्तार 14 साल में सबसे ज्यादा

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां अप्रैल, 2025 में सुधरकर 10 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गईं। इसमें नए ऑर्डर में मजबूत वृद्धि की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) पिछले महीने बढ़कर 58.2 पहुंच गया, जो जून, 2024 के बाद सबसे ज्यादा है। मार्च में विनिर्माण पीएमआई 58.1 रहा था। एचएसबीसी इंडिया की मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, नए निर्यात ऑर्डर में उल्लेखनीय वृद्धि भारत में उत्पादन में संभावित बदलाव का संकेत दे सकती है। व्यवसाय उभरते व्यापार परिदृश्य और अमेरिकी शुल्क घोषणाओं के अनुकूल हो रहे हैं। इस सकारात्मक प्रवृत्ति के साथ रोजगार और खरीद गतिविधि में बड़ा उछाल देखने को मिला है। कीमतों के मोर्चे पर भंडारी ने कहा, भारतीय वस्तुओं की मजबूत मांग ने कंपनियों की मूल्य निर्धारण क्षमता को बढ़ावा दिया। इससे कच्चे माल की लागत में मामूली वृद्धि के बावजूद बिक्री शुल्क अक्तूबर, 2013 के बाद सबसे अधिक बढ़ गया। भंडारी ने कहा, अप्रैल के आंकड़े बताते हैं कि विनिर्माण क्षेत्र की कंपनियों में आने वाले वर्ष में उत्पादन बढ़ने की संभावनाओं को लेकर धारणा मजबूत है।

उतार-चढ़ाव के बीच मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 59 हजार करोड़ की चपत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। कारोबार की शुरुआत में खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार ने आज जोरदार बढ़त हासिल की। इसी दौरान सेंसेक्स 81 हजार अंक के स्तर को पार करने में भी सफल रहा। हालांकि बाद में हुई बिकवाली के कारण यह सूचकांक ऊपरी स्तर से एक हजार अंक से अधिक लुढ़क भी गया। पहले घंटे के कारोबार के बाद बाजार में बने बिकवाली के दबाव की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने पहले तो लाल निशान में गोता लगाया, फिर खरीदारी के सपोर्ट से हरे निशान में रिकवरी करने में भी सफल रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.32 प्रतिशत और निफ्टी 0.05 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुए।आज दिनभर के कारोबार के दौरान फार्मास्यूटिकल, मेटल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में जमकर बिकवाली होती रही। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, एफएमसीजी, एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और टेलीकॉम इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर आईटी, ऑयल एंड गैस, मीडिया और बैंकिंग इंडेक्स बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.41 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई बिकवाली के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 60 हजार करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 422.65 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 423.24 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 59 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,085 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,761 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,183 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 141 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,534 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,047 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,487 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर बढ़त के साथ और 11 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 17 शेयर हरे निशान में और 33 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 57.95 अंक की मामूली मजबूती के साथ 80,300.19 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से पहले घंटे में ही यह सूचकांक 935.69 अंक की मजबूती के साथ आज के सर्वोच्च स्तर 81,177.93 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर बाद यह सूचकांक ऊपरी स्तर से 1 हजार अंक से अधिक टूट कर 73.65 अंक की कमजोरी के साथ 80,168.59 अंक तक पहुंच गया। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में एक बार फिर खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिसके कारण सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 300 अंक से अधिक की रिकवरी करके 259.75 अंक की तेजी के साथ 80,501.99 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के विपरीत एनएसई के निफ्टी ने 22.30 अंक की कमजोरी के साथ 24,311.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की।

'फिट इंडिया सन्डे ऑन साइकिल' में शिक्षकों संग पैडल मारेंगे खेल मंत्री मनसुख मांडविया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया रविवार (4 मई) को राजधानी दिल्ली में आयोजित होने वाले 'फिट इंडिया सन्डे ऑन साइकिल' के विशेष संस्करण 'साइकिलिंग विथ टीचर्स' कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। यह आयोजन मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में सुबह 7 बजे से शुरू होगा। इस विशेष कार्यक्रम में देशभर से आए शिक्षक,कोच और शैक्षणिक मार्गदर्शक भाग लेंगे। इस पहल का उद्देश्य 'फाइट ओबेसिटी' यानी मोटापे से लड़ने के राष्ट्रीय अभियान को आगे बढ़ाना है, जिसमें शिक्षकों की भूमिका को रेखांकित किया गया है। देशभर में दिसंबर 2024 से शुरू हुई इस साइक्लिंग मुहिम में अब तक 5000 से अधिक स्थानों पर 2 लाख से अधिक लोग शामिल हो चुके हैं। यह पहल हर आयु वर्ग के लोगों को फिट रहने और पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से की जा रही है। हाल ही में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पाने वाले बैडमिंटन डबल्स खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने भी इस पहल की जमकर तारीफ की। सात्विक ने कहा, आजकल लोग मोटरसाइकिल ज्यादा चलाते हैं, साइकिल नहीं। लेकिन ये पहल शानदार है। हाल ही में मैं हैदराबाद में घर गया तो बच्चों की साइकिल चलाकर देखा,बड़ा अच्छा लगा। चिराग शेट्टी ने कहा, साइकिल चलाना न केवल फिटनेस के लिए अच्छा है बल्कि पर्यावरण के लिए भी लाभकारी है। अगर हम सप्ताह में एक-दो बार या रोज़ाना साइकिल से काम पर जाएं या टहलें, तो यह डबल फायदेमंद साबित होता है।

मैड्रिड ओपन 2025: कोको गॉफ ने स्वियातेक को हराकर फाइनल में बनाई जगह

मैड्रिड। अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने मौजूदा चैंपियन और दुनिया की नंबर दो खिलाड़ी इगा स्वियातेक को मैड्रिड ओपन 2025 के सेमीफाइनल में करारी शिकस्त दी। गॉफ ने यह मुकाबला महज 64 मिनट में 6-1, 6-1 से जीतकर टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया।

स्वियातेक एक भी ब्रेक प्वाइंट नहीं बना सकीं

पोलैंड की पांच बार की ग्रैंड स्लैम विजेता स्वियातेक इस मुकाबले में पूरी तरह संघर्ष करती नजर आईं। वह एक भी ब्रेक प्वाइंट हासिल नहीं कर सकीं और अपनी सर्विस पांच बार गंवाई। गॉफ ने पहले सेट में तीसरे, पांचवें और सातवें गेम में ब्रेक कर स्वियातेक को पूरी तरह दबाव में ला दिया।

क्ले कोर्ट पर पहली बार गॉफ ने स्वियातेक को हराया

यह पहली बार है जब 21 वर्षीय कोको गॉफ ने क्ले कोर्ट पर स्वियातेक को हराया है। उन्होंने दूसरे सेट में भी दो बार ब्रेक किया और बिना कोई गलती किए पहला ही मैच प्वाइंट भुना लिया।

भारतीय और अमेरिकी टीम के बीच शतरंज महा-मुकाबला 4 अक्टूबर को

नई दिल्ली। शतरंज प्रेमियों के लिए एक रोमांचक खबर सामने आई है। हाल ही में विश्व चैम्पियन बने ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश के नेतृत्व में भारतीय टीम 4 अक्टूबर को अमेरिका में जीएम हिकारू नाकामुरा की अगुवाई वाली अमेरिकी टीम से भिड़ेगी।

यह हाई-वोल्टेज मुकाबला

'चेकमैटः यूएसए वर्सेस भारत' नाम से अमेरिका के एरिंगटन स्थित ईस्पोर्ट्स स्टेडियम में खेला जाएगा। इस पांच-बोर्ड मुकाबले में शतरंज की दुनिया के बड़े सितारे, उभरते हुए खिलाड़ी, महिला प्रतिभाएं और लोकप्रिय कंटेंट क्रिएटर्स आमने-सामने होंगे। भारत की ओर से शीर्ष बोर्ड पर डी. गुकेश उतरेंगे, जिनका सामना अमेरिका के दिग्गज ग्रैंडमास्टर हिकारू नाकामुरा से होगा। दूसरे बोर्ड पर भारत के जीएम अर्जुन एरिगैसी और अमेरिका के जीएम फेबियानो कारुआना के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी। तीसरे बोर्ड पर शतरंज के दो चर्चित कंटेंट क्रिएटर्स आमने-सामने होंगे। अमेरिका की ओर से आईएम लेवी रोज़मैन (गौथमचेस) जबकि भारत की ओर से आईएम सागर शाह (चेसबेस इंडिया के संस्थापक) मुकाबले में उतरेंगे। यह भिड़ंत दर्शकों के बीच खासा रोमांच भरने वाली होगी।

मैं तो नेट्स में उन्हें देखकर हैरान हो गया था, बटलर ने की इस बललेबाज की तारीफ

अहमदाबाद। राजस्थान रॉयल्स के स्टार बल्लेबाज जोस बटलर ने आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ शानदार जीत को टीम का अब तक का सर्वश्रेष्ठ मैदानी प्रदर्शन बताया। बटलर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में टीम की बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग की तारीफ की, साथ ही GT के युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन की जमकर प्रशंसा की। संपूर्ण प्रदर्शन पर बटलर ने कहा कि हां, यह काफी हद तक संपूर्ण प्रदर्शन था। यह हमारा मैदान पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। इस सीजन हमने कुछ कैच छोड़े, लेकिन राशिद खान का शानदार कैच ने माहौल सेट कर दिया। उन्होंने फील्डिंग में सुधार को जीत का बड़ा कारण बताया।टॉप ऑर्डर की आक्रामक बल्लेबाजी पर उन्होंने कहा कि हमारे टॉप ऑर्डर के खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं। वे पारंपरिक तकनीक के साथ खेलते हैं, क्रीज पर टिकते हैं, लेकिन आज उनकी तेज स्कोरिंग ने सबको हैरान कर दिया। क्लासिकल शॉट्स के साथ इतनी तेजी से रन बनाना खास था। वहीं, साई सुदर्शन की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि पहले दिन नेट्स में उन्हें देखकर मैं उनकी प्रतिभा से हैरान था।

वर्ल्ड कप 2026 तक नेमार को रोकना चाहता है सैंटोस क्लब, अध्यक्ष ने दी जानकारी

एजेंसी

रियो डी जेनेरियो। ब्राज़ीलियन फुटबॉल क्लब सैंटोस के अध्यक्ष मार्सेलो टेक्सेइरा ने जानकारी दी कि क्लब नेमार के साथ उनके अनुबंध को 2026 फीफा वर्ल्ड कप तक बढ़ाने की योजना पर काम कर रहा है। हालांकि नेमार इस समय चोट से जूझ रहे हैं, इसके बावजूद क्लब उन्हें लंबे समय तक बनाए रखना चाहता है।

नेमार की वापसी और मौजूदा प्रदर्शन

नेमार ने इस साल जनवरी में अपने करियर की शुरुआत करने वाले क्लब सैंटोस में वापसी की थी। उन्होंने यूरोप और सऊदी अरब में एक दशक से ज्यादा समय बिताने के बाद सैंटोस के साथ छह महीने का अनुबंध किया था। 33 वर्षीय नेमार ने वापसी के बाद अब तक क्लब के लिए 9 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 3

गोल किए और 3 असिस्ट दिए हैं।

क्लब ने तैयार किया स्पेशल रिकवरी प्लानः क्लब अध्यक्ष टेक्सेइरा ने कहा, जब हमने नेमार को वापस लाया, तो हमें पता था कि वह एक गंभीर चोट से उबर रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने अपनी मेडिकल टीम और रिकवरी सुविधाएं नेमार को समर्पित कर दी हैं। हमारा लक्ष्य है कि उनकी मैदान पर वापसी को इस तरह मॉनिटर करें जिससे वह वर्ल्ड कप तक हमारे साथ रहें।

चोटों से परेशान हैं नेमार

नेमार पिछले साल अक्टूबर में मैदान पर लौटे थे, लेकिन तब से लगातार पैर की मांसपेशियों की समस्याओं से जूझते रहे हैं। इससे पहले वह घुटने की गंभीर चोट के कारण एक साल से अधिक समय तक फुटबॉल से दूर रहे थे।

नए कोच की नियुक्ति

इस बीच, ब्राज़ीलियाई लीग में खराब प्रदर्शन के चलते सैंटोस फिलहाल 20 टीमों की तालिका में 19वें स्थान पर है। क्लब ने हाल ही में मुख्य कोच पेड्रो कैक्सिन्हा के जाने के बाद ब्राज़ील की राष्ट्रीय टीम के पूर्व सहायक कोच क्लेबर जेवियर को नया मैनेजर नियुक्त किया है।

ब्राज़ील के पूर्व मिडफील्डर डूडू ने क्रुज़ेरो क्लब छोड़ा, वापसी के 4 महीने बाद ही टूटा साथ

एजेंसी

रियो डी जनेरियो। ब्राज़ील की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के पूर्व मिडफील्डर डूडू ने अपने पुराने क्लब क्रुज़ेरो से चार महीने के भीतर ही नाता तोड़ लिया है। डूडू ने दिसंबर के अंत में पाल्मेरास से फ्री ट्रांसफर पर वापसी की थी, लेकिन अब क्लब से उनका अनुबंध समाप्त हो गया है।

तुरंत प्रभाव से अनुबंध समाप्तः सोशल मीडिया पर जारी एक संक्षिप्त बयान में क्रुज़ेरो ने कहा, क्रुज़ेरो सूचित करता है कि खिलाड़ी के साथ उसके अनुबंध को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। हालांकि, क्लब ने इस फैसले के पीछे के कारणों का खुलासा नहीं किया।

सिर्फ 17 मैच और दो गोल

डूडू ने वापसी के बाद क्रुज़ेरो के लिए कुल 17 मुकाबले खेले और दो गोल किए। उनकी वापसी को लेकर प्रशंसकों में उम्मीदें थीं, लेकिन मैदान पर वह ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके।

मैनेजर से मतभेद की खबरें: स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डूडू और क्लब के मैनेजर जॉन स्टीवंस के बीच रिश्तों में

खटास आ गई थी, जिसके चलते यह निर्णय लिया गया।

लंबा रहा करियर, कई क्लबों में खेल चुके: डूडू ने 2009 में क्रुज़ेरो से ही अपने प्रोफेशनल करियर की शुरुआत की थी और 2011 में डाइनामो कीव चले गए थे। इसके बाद उन्होंने कोरिटिबा, ग्रेमियो और कतर के क्लब अल-दुहैल के लिए भी खेला। डूडू ब्राज़ील की राष्ट्रीय टीम की ओर से तीन अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं।

भारतीय स्कीट शूटिंग टीम साइप्रस पहुंची, आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में दमदार प्रदर्शन की उम्मीद

एजेंसी

नोकोसिया (साइप्रस)। भारतीय स्कीट शूटिंग टीम वर्ष के तीसरे आईएसएसएफ शॉटगन वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने के लिए साइप्रस पहुंच गई है। आज से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट में भारत को पेरू और अर्जेंटीना में किए गए शानदार प्रदर्शन को दोहराने की उम्मीद है। इस बार भारत की ओर से दो ओलंपियन खिलाड़ियों के साथ कई युवा और नए चेहरे मैदान में नजर आएंगे।

मैराज और महेश्वरी के कंधों पर जिम्मेदारी

स्कीट प्रतियोगिताएं सोमवार से शुरू होंगी, जिसमें भारत के लिए पुरुष वर्ग में ओलंपियन मैराज अहमद खान और महिला वर्ग में महेश्वरी चौहान अगुवाई करेंगी। पुरुष टीम में उनके साथ अभय सिंह सेखों और ऋतुराज सिंह बुंदेला होंगे। अभय इस बार सीनियर वर्ल्ड कप में डेब्यू कर रहे हैं, जबकि ऋतुराज पिछले दो सालों में चार विश्व कप खेल चुके हैं। महिला वर्ग में महेश्वरी के अलावा परीनाज़ धालीवाल और 18 वर्षीय यशस्वी राठौर टीम का हिस्सा हैं। यशस्वी का यह पहला सीनियर विश्व कप होगा।

विश्व चैंपियनों से टक्कर, 54 देशों के 350 से ज्यादा रहे हैं। इसमें इटली और अमेरिका जैसी ताकतवर टीमों के अलावा कई पूर्व और मौजूदा विश्व व ओलंपिक चैंपियन भी शामिल होंगे। क्वालिफाइंग राउंड सोमवार से शुरू

निशानेबाज शामिल

इस वर्ल्ड कप में 54 नेशनल ओलंपिक कमेटियों (एनओसी) के 350 से ज्यादा शूटर हिस्सा ले होंगे, जिसमें रोज़ाना दो राउंड में 25-25 क्ले टारगेट्स शूट किए जाएंगे। बुधवार को पांचवां राउंड और फाइनल मुकाबले होंगे।

आईपीएल 2025 में अपने शानदार प्रदर्शन पर बोले प्रसिद्ध कृष्णा - 'लेंथ पर मेरा कंट्रोल शानदार रहा है'

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस के तेज़ गेंदबाज़ प्रसिद्ध कृष्णा का आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन जारी है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 19 रन देकर 2 विकेट चटकाए और इस सीज़न में अपने विकेटों की संख्या 19 तक पहुंचा दी - जो उनके आईपीएल करियर का सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा है। इससे पहले उन्होंने 2022 में भी 19 विकेट लिए थे, लेकिन इस बार उन्होंने यह कारनामा सिर्फ 10 मैचों में कर दिखाया है।

लेंथ पर कंट्रोल और तैयारी से मिली सफलता

मैच के बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा, मुझे लगता है कि मेरी लेंथ पर कंट्रोल इस सीज़न में अच्छा रहा है। हम जो मेहनत कर रहे हैं, उसमें टीम का और सभी का सहयोग मिला है। और हाँ, मैं इस बात का लुत्फ उठा रहा हूँ कि गेंद मेरे हाथ से अच्छी निकल रही है। इस सीज़न में प्रसिद्ध का इकोनॉमी रेट 7.48 रहा है, जो उनके अब तक के किसी भी आईपीएल सीज़न से बेहतर है। उन्होंने बताया कि उनकी तैयारी नेट्स में विपक्षी बल्लेबाज़ों के अनुसार होती है और वो मैच से पहले पिच को भी बारीकी से देखते हैं। उन्होंने कहा,अगर आप दूसरी पारी में गेंदबाज़ी कर रहे हो, तो पहले 20 ओवर की हर गेंद को ध्यान से देखना ज़रूरी है। मेरे पास अनुभव से भरे खिलाड़ी हैं, जिनसे बात करके मैं सही एरिया में गेंदबाज़ी करने की योजना बनाता हूँ।,

कप्तान **शुभमन गिल भी हुए गेंदबाज़ी आक्रमण से खुशः** गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि उनकी टीम के पास गेंदबाज़ों की भरमार है और हर मैच में कोई न कोई योगदान दे रहा है। टीम ने 7 गेंदबाज़ों का इस्तेमाल किया। हालांकि साई किशोर ने सिर्फ इसलिए गेंदबाज़ी की क्योंकि ईशांत शर्मा आखिरी ओवर में चोटिल

होकर मैदान से बाहर चले गए। गिल ने कहा, हर कोई योगदान दे रहा है - साई, प्रसिद्ध, राशिद भाई, सिराज, ईशी भाई और इस मैच में कोएट्ज़ी भी। जब आपके पास इतने सारे विकल्प होते हैं, तो डिफेंड करने में आसानी होती है, खासकर ऐसे मैदानों पर। गौरतलब है कि दक्षिण अफ्रीका के तेज़ गेंदबाज़ जेराल्ड कोएट्ज़ी ने इस मैच में गुजरात के लिए डेब्यू किया और 1 विकेट लिया।

आईपीएल 2025 : गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 38 रनों से हराया

एजेंसी

अहमदाबाद। आईपीएल 2025 के 51वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 38 रनों से हरा दिया है। इसी के साथ गुजरात की टीम अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 224 रन बनाए थे, जवाब में सनराइजर्स की टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 186 रन ही बना सकी। हैदराबाद के लिए अभिषेक शर्मा ने 41 गेंदों पर चार चौकों और छह छक्कों की मदद से 74 रन बनाए लेकिन उनकी पारी भी टीम को जीत नहीं दिला सकी। गुजरात की ओर से मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो-दो विकेट

लिए जबकि ईशांत शर्मा और गेराल्ड कोएट्जे को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले, गुजरात टाइटंस ने कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर के अर्धशतकों की मदद से सनराइजर्स हैदराबाद को 225 रनों का लक्ष्य दिया। सनराइजर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया और गुजरात ने 20 ओवर में छह विकेट पर 224 रन बनाए। गुजरात के लिए गिल ने सबसे ज्यादा 38 गेंदों पर 10 चौकों और दो छक्कों की मदद से 76 रन बनाए जबकि बटलर ने 37 गेंदों पर तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से 64 रन की पारी खेली। सनराइजर्स की ओर से जयदेव उनादकट ने अंतिम ओवर में तीन विकेट झटके। पहले बल्लेबाजी करते हुए गिल और सुदर्शन ने एक बार फिर गुजरात को मजबूत शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 87 रन जोड़े। गिल और सुदर्शन की शानदार बल्लेबाजी की मदद से गुजरात ने पावरप्ले का अपना सर्वोच्च स्कोर भी बनाया। सुदर्शन ने इसके साथ ही टी20 में 2000 रन पूरे किए और वह कम पारियों में ऐसा करने वाले भारत के पहले और दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए।

पाकिस्तान दौरे से पहले यूएई के खिलाफ दो टी-20 मैच खेलेगा बांग्लादेश

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश पुरुष क्रिकेट टीम पाकिस्तान दौरे से पहले इस महीने के अंत में यूएई का दौरा करेगी, जहां टीम दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगी। ये मुकाबले 17 और 19 मई को शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में रात 7 बजे (स्थानीय समयानुसार) खेले जाएंगे। यह दोनों देशों के बीच तीन वर्षों में दूसरी द्विपक्षीय टी20 श्रृंखला होगी।बांग्लादेश और यूएई के बीच पिछली द्विपक्षीय टी20 श्रृंखला 2022 में दुबई में खेली गई थी, जहां बांग्लादेश ने दोनों मुकाबले जीतकर 2-0 से सीरीज़ अपने नाम की थी। इस बार भी बांग्लादेश की टीम मजबूत नजर आ रही है, जबकि यूएई को घरेलू परिस्थितियों का फायदा मिल सकता है।

एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर सुब्हान अहमद ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हम एक बार फिर बांग्लादेश पुरुष टीम की मेज़बानी करके उत्साहित हैं। पिछले तीन वर्षों में हमने न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान जैसी आईसीसी फुल मेंबर टीमों की मेज़बानी की है। अब बांग्लादेश की यह दूसरी द्विपक्षीय यात्रा हमारे लिए खास है। वहीं, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी)के सीईओ निज़ामुद्दीन चौधरी ने कहा, यूएई में दोबारा खेलना हमारे लिए अच्छा अनुभव होगा। ये मुकाबले हमारी टीम के लिए एशिया कप और आगामी व्यस्त अंतरराष्ट्रीय सीज़न की तैयारी का अहम हिस्सा होंगे।

आईसीसी महिला टी20 टीम रैंकिंगः ऑस्ट्रेलिया ने टॉप पोजिशन की मजबूत की पकड़, थाईलैंड को दो स्थानों का फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली। आईसीसी महिला टी20 टीम रैंकिंग का वार्षिक अपडेट जारी कर दिया गया है। इसमें ऑस्ट्रेलिया ने अपनी टॉप पोजिशन को और मजबूत कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया अब 299 रेटिंग अंकों के साथ पहले स्थान पर है और उसने इंग्लैंड पर अपनी बढ़त 18 से बढ़ाकर 20 अंकों की कर ली है। रैंकिंग के टॉप-8 स्थानों में किसी तरह का बदलाव नहीं हुआ है। भारत 260 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर कायम है जबकि टी20 वर्ल्ड कप विजेता न्यूजीलैंड (253) चौथे और उप-विजेता दक्षिण अफ्रीका (243) पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। वेस्टइंडीज (240), श्रीलंका (228) और पाकिस्तान (220) ने भी अपनी-अपनी रैंकिंग बनाए रखी है, हालांकि इनमें कुछ टीमों के अंकों में मामूली उतार-चढ़ाव देखने को मिला। थाईलैंड को दो स्थानों की छलांग, टॉप-11 में पहुंचाः थाईलैंड

की टीम ने स्कॉटलैंड और पापुआ न्यू गिनी को पीछे छोड़ते हुए 11वें स्थान पर जगह बना ली है। थाईलैंड को यह बढ़त हांगकांग में खेले गए क्वाड्रैंगुलर सीरीज और नेपाल में त्रिकोणीय सीरीज में मिली जीतों के चलते मिली है। सबसे बड़े गेनरः सिएरा लियोन और कुवैतः इस वार्षिक अपडेट में सिएरा लियोन और कुवैत को सबसे अधिक फायदा हुआ है। दोनों टीमों ने सात-सात रेटिंग पॉइंट्स के साथ तीन-तीन स्थानों की छलांग लगाई है। अब सिएरा लियोन 34वें और कुवैत 46वें स्थान पर हैं।

चार टीमें हुई बाहरः अक्टूबर 2021 से अप्रैल 2024 के बीच आठ या उससे अधिक टी20 मैच न खेलने के कारण चार टीमों को रैंकिंग से बाहर कर दिया गया है। इनमें मैक्सिको, चेकिया, ओमान और घाना शामिल हैं। यूएई को ओडीआई स्टेटस, अमेरिका बाहरः वार्षिक अपडेट के तहत 2025-29 चक्र के लिए ओडीआई स्टेटस वाली 16 टीमों की नई सूची भी घोषित की गई है। इसमें अमेरिका को बाहर कर यूएई को जगह दी गई है। यूएई ने ञ्च20ढ्ढ रैंकिंग में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर यह दर्जा हासिल किया है।

इस लिस्ट में पांच एसोसिएट मेंबर्स हैं- थाईलैंड, स्कॉटलैंड, पापुआ न्यू गिनी, नीदरलैंड्स और अब यूएई। इन टीमों को या तो टी20 रैंकिंग या वर्ल्ड कप क्वालिफायर में प्रदर्शन के आधार पर ओडीआई स्टेटस मिला है।

मैच में हो गया 'पर्यावरण' को नुकसान, शुभमन ने भी तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली। आईपीएल में कुछ टीमें ऐसी रही हैं जिन्होंने पूरे 20 ओवर की पारी में सबसे कम डॉट गेंदें खेलकर आक्रामक बल्लेबाजी का रिकॉर्ड बनाया है। हाल ही में, गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2025 में अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ केवल 22 डॉट गेंदें खेलीं, जो संयुक्त रूप से एक पारी में सबसे कम डॉट खेलने का रिकॉर्ड है। यह रिकॉर्ड इससे पहले 2024 में हैदराबाद ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ हैदराबाद में बनाया था, जहां उन्होंने भी 22 डॉट गेंदें खेली थीं। असल में बीसीसीआई ने घोषणा की है कि मैच में प्रत्येक डॉट गेंद पर 500 पौधे लगाए जाएंगे। यह रिवाज पिछले कुछ सालों से आईपीएल में बना हुआ है। बीते साल भी बीसीसीआई ने लाखों पौधे लगवाए थे। इस साल भी ग्रीनरी बढ़ाने के उद्देश्य से बीसीसीआई ने इस नियम को लागू किया है।

घाट में अंतर-विद्यालय क्षेत्रीय स्तरीय टूर्नामेंट आयोजित

एजेंसी

डोडा। उपायुक्त हरविंदर सिंह के निर्देश और जिला युवा सेवा एवं खेल अधिकारी प्रीतम सिंह के मार्गदर्शन में आज घाट में अंतर-विद्यालय क्षेत्रीय स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय शारीरिक शिक्षा कार्यालय ने वॉलीबॉल, कबड्डी और खो-खो में जोशीले मुकाबलों वाले टूर्नामेंट का समन्वय किया। इस कार्यक्रम में घाट क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के 162 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। युवा खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के दौरान उल्लेखनीय प्रतिभा, टीमवर्क और खेल भावना का प्रदर्शन किया जिससे यह कार्यक्रम युवाओं और शारीरिक फिटनेस का जीवंत उत्सव बन गया।राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घाट के प्रधानाचार्य दिनेश कुमार मुख्य अतिथि थे। उन्होंने प्रतिभागियों की समर्पण और ऊर्जा की सराहना की। पीईएल और प्रभारी जेडपीईओ सुरिंदर कुमार ने नोडल अधिकारी के रूप में कार्य किया और कार्यक्रम के आयोजन और देखरेख में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टूर्नामेंट का

सफल क्रियान्वयन सभी पीईएम, पीईटी और आरईके के सामूहिक प्रयासों से संभव हुआ।घाट के ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी को चिकित्सा कर्मचारियों की तैनाती और मौके पर प्राथमिक चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के लिए विशेष धन्यवाद दिया गया। आयोजकों ने डायमंड यूथ क्लब घाट को निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा प्रदान करने के लिए भी हार्दिक आभार व्यक्त किया जिससे कार्यक्रम की सुरक्षा और सुचारू संचालन में और अधिक योगदान मिला। टूर्नामेंट ने न केवल स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया बल्कि स्कूली छात्रों के बीच खेल और शारीरिक शिक्षा के महत्व को भी मजबूत किया।

प्रतियोगिता एकता, सहयोग व स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण मंच : महाप्रबंधक

एजेंसी

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन द्वारा खेल को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से रेलगांव स्थित स्पोर्ट्स ग्राउन्ड सूबेदारगंज में दो दिवसीय उत्तर मध्य रेलवे में 12वीं अंतर मंडलीय अधिकारी खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया गया। मुख्य अतिथि महाप्रबन्धक उपेंद्र चंद्र जोशी एवं उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष श्रीमती चेतना जोशी ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। सभी मंडल रेल प्रबंधकों ने अपनी-अपनी टीमों का नेतृत्व किया। इस अवसर पर महाप्रबन्धक ने सभी टीमों के मार्च पास्ट का अवलोकन किया। महाप्रबंधक ने सभी को हार्दिक बधाई दी और कहा कि यह हम सबके लिए अत्यंत हर्ष का विषय है कि एक बार फिर हर वर्ष की भांति हम लोग इस समागम के लिए तैयार हैं। इस आयोजन में खेलों के साथ-साथ सांस्कृतिक स्पर्धाएं भी होंगी। मैं आशा करता हूं कि, इस आयोजन से हम सबमें भ्रातृत्व भाव विकसित होगा। यह प्रतियोगिता न केवल खेल और संस्कृति का एक अद्भुत संगम है, बल्कि यह हमारे संगठन के अधिकारियों के बीच एकता, सहयोग और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण मंच भी है। मुझे यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि हमारे अधिकारी और उनके परिवार के सदस्यगण अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकालकर इस महत्वपूर्ण आयोजन में भाग लेने के लिए उत्साहित हैं। कार्यक्रम के प्रारंभ में दोनों अतिथियों का स्वागत एस पी द्विवेदी प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक एवं श्रीमती संगीता द्विवेदी ने किया। उन्होंने कहा कि मुख्यालय, तीनों मंडलों एवं कारखानों से आए हुए हमारे अधिकारी एवं परिवार के सदस्यों, आप सभी का यहां एकत्रित होना उत्तर मध्य रेलवे की एकता और सामूहिकता का प्रतीक है। यह मंच न केवल आपकी खेल प्रतिभा और

सांस्कृतिक दक्षता का प्रदर्शन करेगा, बल्कि आपसी मेलजोल और सौहार्द को भी बढ़ावा देगा। मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी शशि कांत त्रिपाठी ने बताया कि इस अंतर मंडलीय अधिकारी खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता के अन्तर्गत विभिन्न खेल स्पर्धाओं जैसे क्रिकेट, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, कैरम, चेस प्रतियोगिताओं एवं एथलेटिक में 3 किलोमीटर की मिनी मैराथन, 3 किलोमीटर की वाक रेस, 100 मी. दौड़ आदि के साथ-साथ, बॉक्स क्रिकेट, सैक रेस एवं स्पून रेस आदि का भी आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर बी पी सिंह मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर ने उत्तर मध्य रेलवे के तीनों मंडलों प्रयागराज, झांसी, आगरा, कारखानों एवं मुख्यालय के दलों को नियमों के अनुसार एवं खेल भावना से इस मीट में भाग लेने की शपथ दिलायी। इसी क्रम में सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं जैसे वाद्य संगीत, गायन, नृत्य, अभिनय के अतिरिक्त पेंटिंग, रंगोली एवं मिमिक्री का भी आयोजन किया जा रहा है। वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी अमित मालवीय ने बताया कि इस अवसर पर महाप्रबंधक ने रस्साकशी की पर्ची निकाल कर ड्रॉ फाइनल किया। रस्साकशी में आगरा मंडल प्रयागराज मंडल को हरा कर विजेता बना।

पुण्य भाग्य बनाती है चारधाम की यात्रा

उत्तराखंड को देवभूमि भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है भगवान की स्थली। यह प्रदेश भारतवर्ष के अनेक पवित्र एवं महत्वपूर्ण तीर्थो का स्थल है। भगवान की स्थली मने जाने वाला यह प्रदेश पर्यटको को अपने अदभूत सोंदर्य के लिए आकर्षित करता है। अपने अनगिनत पवित्र स्थलों, मंदिरों, तीर्थो, नदियों एवं झीलों से आकर्षित होकर प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में पर्यटक यहाँ तीर्थाटन के लिए आते है। उत्तराखंड अपने पवित्र धामों के कारण प्रत्येक हिन्दू का वांछित स्थल है। चारधाम, हरिद्वार एवं ऋषिकेश की यात्रा को प्रत्येक हिन्दू के लिए अत्यन्त आवश्यक माना गया है। हिन्दू पुराणों के के अनुसार चारधाम की यात्रा पुण्य का भाग्य बनाती है। भगवान की यह स्थली, हजारो वर्ष पहले बनाये गए मंदिरों एवं धामों से यहाँ कि धार्मिक विरासत की और समृद्ध संकेत करती है। विश्व भर से लोग तीर्थाटन के लिए उत्तराखंड में आते है।

उत्तराखंड एक ऐसा राज्य है जो कि आध्यात्मिक वायु से ओतप्रोत है। यह आश्चर्यजनक नहीं है कि, मंदिर एवं तीर्थ इस खुबसूरत प्रदेश में काफी कम दुरी पर स्थित है। प्राकृतिक सोंदर्य के हिसाब से भी उत्तराखंड सर्वोत्तम है- खुबसूरत घाटियाँ, अनछुए पहाड़ी मैदान, बर्फ से ढकी हिमालय कि चोटियाँ, बर्फीले हिमनद, झिलमिलाती झीले, जल धारायें एवं हिमनद। यह राज्य अपने में आध्यात्मिक एवं धार्मिक मंदिरों, धामों, नदियों के लिए अत्यन्त प्रसिद्ध है।

तीर्थयात्रियों के लिए यह एक जीवनकाल का एक अदभूत अनुभव होता है, यहाँ के मंदिर एवं धाम, गर्म जल धाराओं, घने जंगलो, बर्फाच्छादित पर्वतो, झीलों एवं पवित्र नदियों से घिरे हुए है। इस स्थली से कोई भी यात्री अनछुवा वापस नहीं जाता, क्योंकि यह क्षेत्र गहरी आस्था अदभूत आध्यात्म पवित्रता एवं दिव्यता से ओतप्रोत है। हिन्दुओं कि सबसे पवित्र मने जाने वाली चारधाम यात्रा में तीर्थयात्री बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री एवं यमुनोत्री के दर्शन करते है।

उत्तराखंड के प्रसिद्द धार्मिक स्थल है- बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री, ऋषिकेश, हरिद्वार, हेमकुंड साहिब, रीठा साहिब एवं पंचकेदार। तीर्थयात्रियों के लिए यह एक जीवनकाल का एक अदभूत अनुभव होता है, यहाँ के मंदिर एवं धाम, गर्म जल धाराओं, घने जंगलो, बर्फाच्छादित पर्वतो, झीलों एवं पवित्र नदियों से घिरे हुए है। इस स्थली से कोई भी यात्री अनछुवा वापस नहीं जाता, क्योंकि यह क्षेत्र गहरी आस्था अदभूत आध्यात्म पवित्रता एवं दिव्यता से ओतप्रोत है। हिन्दुओं कि सबसे पवित्र मने जाने वाली चारधाम यात्रा में तीर्थयात्री बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री एवं यमुनोत्री के दर्शन करते है। जीवन एक यात्रा की तरह है । कभी यह सहज लगती है तो कभी दुर्गम। जब मन में उत्साह और विश्वास की ऊर्जा जागती है तो जीवन यात्रा कितनी भी दुर्गम हो, उसे हम खुशी-खुशी पूरा कर लेते हैं। चारधाम यात्रा को भी लोग विश्वास और उर्जा के साथ उत्साह से पूरा करते हैं । फिर यह ऊर्जा जीवन भर हमारे साथ चलती है। जीवन का हर कठिन और दुसाध्य लगने वाला काम हमारे लिए आसान हो जाता है। यह यात्रा पूरी करने के बाद जीवन की हर मुश्किल आसान लगने लगती है क्योंकि हर वक्त विश्वास की शक्ति हमारे साथ रहती है।

एक समय था, जब आने-जाने के संसाधन भी नहीं थे और चारधाम यात्रा बेहद कठिन मानी जाती थी, तब भी गृहस्थी की जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने के बाद दम्पति पैदल चारधाम यात्रा करते थे। उस समय, जो दंपत्ति सकुशल वापस लौट आते, उनके आने की खुशी में पूरा गांव उत्सब मनाता था। वर्ष 1962 के पहले रास्ते इतने आसान नहीं थे। परन्तु चीन के साथ हुए युद्ध के उपरांत भारतीय सैनिकों की आवाजाही से तीर्थयात्रियों के लिए रास्ते आसान हो गए। आवागमन के साधनों में सुधार हुआ और आज चारधाम यात्रा तीर्थयात्रियों के बीच लोकप्रिय बन चुकी है। प्रतिवर्ष लाखों श्रधालु विश्वास के सहारे इस यात्रा को पूरा करते हैं।

हिन्दुओं के चार पवित्र स्थलों (बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, एवं यमुनोत्री) की तीर्थयात्रा को चारधाम यात्रा कहा जाता है। सदियों से संत एवं तीर्थयात्री, निर्वाण की खोज में इन स्थलों पर आते रहे हैं, जिन्हें की हिन्दू पुराणों के अनुसार केदारखंड कहा गया है। हिन्दुओं की आस्था के अनुसार, इन चार स्थानों की यात्रा को अत्यंत धार्मिक महत्व कामाना गया है।

बद्रीनाथ

बद्रीनाथ को इन चार धामों में सबसे पवित्र माना गया है। नर एवं नारायण नामक पर्वतों के बीच, एवं अलकनंदा नदी के तट पर स्थित बद्रीनाथ समुद्रतल से 3133 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह धाम भगवान विष्णु को समर्पित है, जो की दुनिया के रक्षक माने गए हैं। यहाँ किसी भी जाती या वर्ण के भेदभाव के बिना, प्रभु के दर्शन किये जा सकते हैं। हिमालय की नीलकंठ चोटी का मनोरम रूप श्री बद्रीनाथ मंदिर के पीछे देखा जा सकता है। किसी समय यह स्थान बेरी के जंगलों के कारण बद्री वन नाम से प्रसिद्ध था। मंदिर के सामने, अलकनंदा के किनारे एक गर्म पानी का स्रोत तप्त कुंद नाम से जाना जाता है। स्त्रियों के लिए एक अलग कुण्ड की व्यवस्था है।

बदीनाथधाम की खोज आदिगुरू शंकराचार्य द्वारा आठवीं शताब्दी में की गई थी। अपनी योग सिद्धि एवं तपस्या के बल से शंकराचार्य ने ही अलकनंदा नदी के नारद कुण्ड से भगवान बद्री नारायण की मूर्ती को बाहर निकाल कर तप्तकुंड के पास गरुड़ गुफा में स्थापित किया था, सात शताब्दियों के कालांतर में गढ़वाल के महाराजा द्वारा मंदिर निर्माण कर इस विग्रह को वर्तमान मंदिर में स्थापित करवाया गया था तथा 18वीं शताब्दी में इन्दोर की महारानी अहिल्याबाई होलकर द्वारा मंदिर पर स्वर्ण कलश स्थापित करवाए गए थे। बाद में भूकंप के कारण ध्वस्त हुए बद्रीनारायण मंदिर का वर्ष 1803 में जयपुर के महाराजा द्वारा पुनर्निर्माण करवाया गया था। समय एवं आवश्यकता के आधार पर इसका कई बार जीर्णोद्धार भी हुआ है, वर्तमान मंदिर स्थापत्य कला का अनुपम उदहारण कहा जा सकता है। अलकनंदा नदी से 50 मीटर ऊंचे धरातल पर निर्मित इस मंदिर का प्रवेश द्वार अलकनंदा नदी की ओर देखता हुआ है।

केदारनाथ

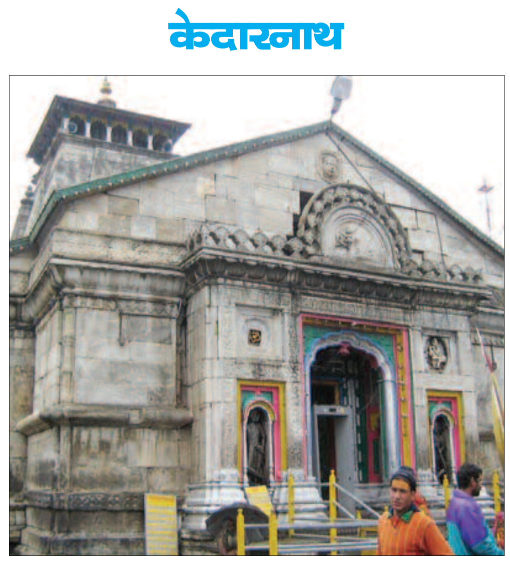

उत्तराखंड में लगभग 400 शिव मंदिरों में से सबसे महत्वपूर्ण केदारनाथ को माना जाता है। पूर्व कथाओं के अनुसार, कुरुक्षेत्र में कौरवों पर विजय पाने के उपरान्त, पांडवों का मन अपने की लोगो की हत्या के कारण ग्लानी से भर गया, और यहाँ भगवान शिव के आशीर्वाद उन्होंने मोक्ष की प्राप्ति की। भीम द्वारा भगवान शिव का पीछा किया जाने पर, वो धरती में विलीन हो गए, शिव के अन्य चार अंग, चार अन्य स्थानों पर उभर आये, जहाँ उन्हें अलग-2 नाम से पूजा जाता है। केदारनाथ एवं इन चार अन्य मंदिरों को एक साथ पञ्च केदार नाम से जाना जाता है।

केदारनाथ की समुद्रतल से ऊंचाई लगभग 3584 मीटर है। यह मन्दाकिनी नदी के उदगम स्थल के निकट बसा हुआ है। मंदिर के चारो और ऊंची -2 मनोरम एवं खूबसूरत पहाड़ियां हैं। गौरीकुंड से केदारनाथ का 14 किलोमीटर का मार्ग पहाड़ी मार्ग है यमुनोत्री की तरह यंहा भी एक तरफ ऊंचे ऊंचे पहाड़ हैं और दूसरी तरफ गहरी खाइयाँ जिनकी गहराई जैसे जैसे यात्री ऊपर चढ़ते हैं बढ़ती जाती है, बीच में पगडण्डीनुमा रास्ता है जो पत्थरों से बना हुआ है यद्यपि इसकी चोड़ाई यमुनोत्री मार्ग की अपेक्षा अधिक है ढ्ढ रास्ते में जगह जगह अस्थाई ढाबे बने हुए हैं जो स्थानीय गढ़वाली लोगों द्वारा संचालित होते हैं, इनमें अच्छे खाने की अपेक्षा नहीं की जा सकती, ब्रांडेड वस्तुएं ही उपयोग की जानी चाहियें पूरे मार्ग में अलकनंदा नदी एवं हरियाली से आच्छादित पहाड़ साथ रहते हैं, पहाड़ों की चोटियों पर बर्फ के ग्लेशियर यात्रियों के आकर्षण का केंद्र बने रहते हैं, पहाड़ों से निकल कर नीचे आने वाले अनेक झरने मन को हर्षित करते हैं, पूरा मार्ग रमणीक तो है किन्तु थका देने वाला भी है गौरीकुंड से सात किलोमीटर की दूरी पर रामबाड़ा नाम का स्थान है यहां यदि यात्री चाहें तो रात्रि विश्राम की व्यवस्था उपलब्ध हो सकती है। केदारनाथ का रास्ता तय करने के लिए यहां घोड़े और खच्चर भी उपलब्ध हैं।

गंगोत्री

गंगोत्री को पवित्र नदी गंगा का उदगम (गौमुख हिमनद, गंगोत्री से 18 किलोमीटर पैदल) एवं देवगंगा की स्थली माना गया है। उदगम स्थल से नदी को भागीरथी कहा जाता है, एवं देवप्रयाग में अलकनंदा से संगम के बाद, इसे गंगा नाम से जाना जाता है। हिन्दू आस्था के अनुसार, गंगा स्वर्ग की पुत्री हैं, जिन्होंने नदी के रूप में अवतार लेकर राजा भागीरथ के पुरखों के पापों को दूर किया। गंगोत्री मंदिर से लगभग 100 गज दूर केदार गंगा बहती है।

यमनोत्री

भारत की सर्वाधिक प्राचीन और पवित्र नदियों में गंगा के समकक्ष ही यमुना की गणना की जाती है। भगवान कृष्ण की लीलाओं की साक्षी रही यह नदी ब्रज संस्कृति की संवाहक है। भारतवासियों के लिए यह सिर्फ एक नदी नहीं है, भारतीय संस्कृति में इसे माँ का दर्जा दिया गया है।

यमुना नदी का उद्गम हिमालय के पश्चिमी गढ़वाल क्षेत्र में स्थित यमनोत्री से हुआ है। हिन्दू धर्म के चार धामों में यमनोत्री का भी स्थान है। यमुना नदी की तीर्थस्थली यमनोत्री हिमालय की खूबसूरत वादियों में स्थित है। यमुना नदी का उद्गम कालिंद नामक पर्वत से हुआ है। हिमालय में पश्चिम गढ़वाल के बर्फ से ढँके श्रंग बंदरपुच्छ जो कि जमीन से 20,731 फुट ऊँचा है, के उत्तर-पश्चिम में कालिंद पर्वत है। इसी पर्वत से यमुना नदी का उद्गम हुआ है। कालिंद पर्वत से नदी का उद्गम होने की वजह से ही लोग इसे कालिंदी भी कहते हैं।

यमुना नदी का वास्तविक स्रोत कालिंद पर्वत के ऊपर बर्फ की एक जमी हुई झील और हिमनद चंपासर ग्लेशियर है। यह ग्लेशियर समुद्र तल से 4421 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। इसी ग्लेशियर से यमुना नदी निकलती है और ऊँचे-नीचे, पथरीले रास्तों पर इठलाती, बलखाती हुई पर्वत से नीचे उतरती है। यहाँ चावल की छोटी छोटी पोटली को गरम पानी के कुण्ड में पकाया जाता है और प्रसाद के तौर भोग लगाया जाता है

सावधानियां जो आवश्यक हैं

स्वांस की बीमारी से पीड़ितों एवं ह्रदय रोगियों को पैदल जाने का दुस्साहस नहीं करना चाहिए, चढ़ाई में परेशानी हो सकती है तथा ऑक्सीजन की कमी भी परेशान कर सकती है, ऐसे लोगों को गौरीकुंड से छोटे ऑक्सीजन के सिलेंडर खरीद कर साथ रखने चाहियें जो वंहा 250 -300 रुपये में आसानी से उपलब्ध होते हैं, कुछ लोग कपूर भी साथ रखते हैं जिसे सूंघने से कुछ राहत मिलती है ढ्ढ पैदल जाने वाले यात्रियों को सुविधा के लिए गौरीकुंड से ही छड़ियाँ (स्टिक्स) ले लेनी चाहिए चढ़ाई वाले मार्ग में यह चढ़ने एवं उतरने में सहायक होती हैं, जून से अगस्त में यंहा बरसात होती रहती है जो परेशानी का कारण बन सकती है इसके लिए हलके रैन कोट्स साथ रखने चाहियें जिन्हें आवश्यकता पड़ने पर उपयोग में लिया जा सकता है वैसे मार्ग में भी ऐसे हलके बरसाती गाउन उपलब्ध हो जाते हैं। किसी भी तरह की बीमारी से ग्रसित लोगों को अपनी दवाइयां अवश्य साथ रखनी चाहिए क्योंकि आप जो दवा लेते हैं वह आवश्यक नहीं कि वंहा के मेडिकल स्टोर्स में उपलब्ध हो जाये। डायबिटीज़ के रोगियों को भी अपनी दवा के अतिरिक्त खाने पीने की अन्य आवश्यक सामग्री अपने साथ अवश्य रखनी चाहिए। इस मार्ग में सुविधा जनक वस्त्र पहनने से किसी संभावित परेशानी से बचा जा सकता है। पांव में भी सुविधाजनक शूज़ या सेंडल ही पहनने चाहियें जो पांव को काटे नहीं,महिलाओं को ऊंची हील की चप्पल या सेंडल भूल कर भी नहीं पहननी चाहिए, पांव फिसलने या मुड़ने की संभावना रहती है। अपने साथ कम से कम वजन रखने से आपको थकान कम होगी, वैसे वजनदार सामान के लिए कंडी (पिट्ठू) हायर कर लेना आपके लिए सुविधाजनक होगा। यद्यपि पालकी या कंडी वाले मजदूर ईमानदार होते हैं फिर भी मूल्यवान वस्तुओं के प्रति सावधानी रखनी चाहिए।

मौसम

केदारनाथ में अप्रैल से जून तक मौसम दिन में सुहाना एवं रात्रि में हल्की ठंडक रहती है,इसलिए पहनने के लिए हलके गरम कपड़े साथ लेने चाहिए, जून से सितम्बर बरसात रहती है, पहाड़ों से चट्टानें टूट कर गिरने की भी संभावना रहती है जिससे मार्ग अवरुद्ध हो सकते हैं अत- सावधानी आवश्यक है,सितम्बर से नवम्बर में मंदिर के पट बंद होने तक तेज़ सर्दी रहती है, भारी गरम कपडे साथ रखना आवश्यक है। दीपावली पर कपट बंद होने के बाद अप्रैल में वापस खुलने तक पूरा क्षेत्र बर्फ से ढक जाता है, मार्ग भी बर्फ से बंद हो जाते हैं,इस अवधि में यंहा कोई नहीं रहता, दुकानों एवं मकानों की एक से दो मंजिल तक बर्फ में दब जाती हैं।

'अदाएं तेरी' में

नोरा फतेही

और ईशान खट्टर ने मचाया धमाल! दर्शक उनकी ऑन-स्क्रीन अदाओं के हुए दीवाने

रोमांटिक कॉमेडी सीरीज, द रॉयल्स ने अभी-अभी अपना शानदार ट्रैक 'अदाएं तेरी' रिलीज किया है और यह इंटरनेट पर धूम मचा रहा है। ग्लोबल स्टार नोरा फतेही और हर दिल अज़ीज़ ईशान खट्टर के साथ यह शानदार गाना रोमांस, रिदम और शाही आकर्षण का एक बेहतरीन मिश्रण है।एक भव्य महल की पृष्ठभूमि पर फिल्माया गया यह वीडियो एक विज़ुअल ट्रीट है, जो फिल्म की थीम की भव्यता से मेल खाता है। नोरा फतेही ने लाल रंग की बोल्ड ड्रेस में स्क्रीन पर ग्लैमर का तड़का लगाया है और उन्होंने इसे इतनी खूबसूरती से कैरी किया है कि हर कदम, हर मोड़ एक राजसी पल जैसा लगता है। ईशान खट्टर के साथ उनकी केमिस्ट्री और बेहतरीन तालमेल ने 'अदाएं तेरी' को एक अविस्मरणीय अनुभव बना दिया है।

गाने को लेकर दर्शकों की प्रतिक्रियाएं ज़बरदस्त हैं। सोशल मीडिया पर लोग इस जोड़ी की तारीफ करते नहीं थक रहे, जो इस जोड़ी और उनकी शानदार केमिस्ट्री से मोहित हैं। एक यूज़र ने लिखा: ओएमजी ये जोड़ी तो लाजवाब है ईशान और नोरा साथ में कमाल लग रहे हैं, ये पूरा रॉयल फील दे रहा है.

दूसरे ने कहा: नोरा ने तो आग लगा दी! कोरियोग्राफी और लुक्स दोनों टॉप क्लास हैं। अब तो द रॉयल्स देखने का इंतजार नहीं हो रहा!एक फैन ने तो उन्हें ताज भी पहनाया: नोरा इस म्यूजिक वीडियो में इतनी रॉयल और खूबसूरत लग रही हैं कि सच में यूनिवर्स की क्वीन लगती हैं.

द रॉयल्स पहले से ही अपने हाई-स्टेक ड्रामा और शानदार कहानी के लिए चर्चा बटोर रहा है, और 'अदाएं तेरी' इस चर्चा को और तेज कर देता है। यह गाना न केवल आंखों को सुकून देता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि नोरा फतेही इंटरनेशनल एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में लगातार ऊंचाइयों को छू रही हैं।नोरा फतेही लगातार बाधाओं को तोड़ रही हैं। हाल ही में बिलबोर्ड में रैपर किंग और टैलेंट मोगुल अंजुला आचार्य के साथ दिखाई दीं, वह जेसन डेरुलो के साथ अपने अंतर्राष्ट्रीय हिट स्नेक से भी धूम मचा रही हैं, जो बीबीसी एशियन म्यूजिक चार्ट पर स3 पर पहुंच गया। अभिनय के क्षेत्र में, नोरा ने बी हैप्पी में अपने भावनात्मक प्रदर्शन के लिए प्रशंसा अर्जित की, और अब कंचना 4 में अभिनय करने के लिए तैयार हैं। हर प्रोजेक्ट के साथ नोरा फतेही यह साबित कर रही हैं कि वह सिर्फ एक परफ़ॉर्मर नहीं — एक ताकत हैं। और 'अदाएं तेरी' उनके चमकते ताज में एक और नायाब हीरा है।

भूतनी ही 'द भूतनी' को ले डूबेगी, सनी सिंह भी बेअसर, संजय दत्त की फिल्म का पिटना तय!

संजय दत्त की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'द भूतनी' को लेकर शुरुआती प्रतिक्रियाएं मिली-जुली आ रही हैं. जहां कुछ कलाकारों के काम को सराहा जा रहा है, वहीं फिल्म के 2 अहम किरदारों को इसकी कमजोर कड़ी बताया जा रहा है. 'द भूतनी' के ये कमजोर किरदार इस फिल्म की सफलता पर पानी फेर सकते हैं. आइए जान लेते हैं कि आखिरकार संजय दत्त की फिल्म 'द भूतनी' के दो कमजोर किरदार आखिर हैं कौन ?

फिल्म में संजय दत्त 'बाबा' यानी 'कृष्णा त्रिपाठी' का किरदार निभा रहे हैं. बाबा एक घोस्ट हंटर है. उनका किरदार आपका खूब मनोरंजन करता है. आसिफ खान और निकुंज शर्मा ने भी अपने किरदारों को बखूबी निभाया है. श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी ने भी उन्हें मिले हुए मौके का खूब फायदा उठाते हुए बड़े पर्दे पर अपना कमाल दिखाया है. लेकिन फिल्म में 'भूतनी' का प्रमुख किरदार निभा रहीं मौनी रॉय दर्शकों को कुछ खास प्रभावित नहीं कर पातीं. उनकी एक्टिंग में कोई वैरायटी नहीं नजर आती. उनका ये किरदार बहुत ज्यादा बनावटी नजर आता है. उनकी वजह से ये फिल्म हॉरर कॉमेडी की जगह सिर्फ कॉमेडी फिल्म बनकर रह गई है.

फिल्म को हो सकता है नुकसान

मौनी रॉय के अलावा 'द भूतनी' में सनी सिंह का किरदार भी कुछ खास रंग नहीं जमा पाया है. फिल्म के इमोशनल सीन्स में उनकी एक्टिंग थोड़ी कमजोर लगती है और इस वजह से दर्शक उनके किरदार से कनेक्ट नहीं कर पाते. फिल्म के बाकी कलाकारों ने अपनी भूमिकाओं के साथ न्याय किया है, लेकिन फिल्म के इन दो प्रमुख किरदारों का कमजोर प्रदर्शन फिल्म के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है.

रेड 2 से हैमुकाबला

'द भूतनी' के साथ अजय देवगन की फिल्म 'रेड 2' भी रिलीज हुई है. 'रेड 2' के मुकाबले संजय दत्त की फिल्म को कम स्क्रीन्स मिले हैं. 'द भूतनी' के सॉन्ग लॉन्च पर संजय दत्त ने ये अपील भी की थी कि इंडस्ट्री को सभी फिल्मों को मौका देना चाहिए. हालांकि संजय के इस अपील के बाद भी फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स और थिएटर के मालिकों ने अजय देवगन की रेड को ही ज्यादा स्क्रीन्स देने का फैसला लिया था.

वो एक्टर जो 1 हजार ऑडिशन में हुआ था रिजेक्ट, 340 करोड़ी फिल्म ने बदली किस्मत, अब दे डाली 800 करोड़ी पिक्चर

हिंदी सिनेमा में आपने संघर्ष से सफलता तक की कई हानियां सुनी होंगी. आज हम भी आपको एक ऐसी ही कहानी से रूबरू करा रहे हैं. ये कहानी एक ऐसे एक्टर की है, जो आज हिंदी सिनेमा के सबसे बेहतरीन एक्टर्स में से एक माना जाता है, लेकिन कभी ये ऑडिशन के लिए दर-दर भटकता था.यहां बात हो रही है विकी कौशल की. पिता शाम कौशल के स्टंट डायरेक्टर होने के बावजूद विकी ने अपना रास्ता खुद बनाया और मंजिल भी पाई. लेकिन एक समय पर काम के लिए उन्हें दर-दर भटकना पड़ा था और एक्टर को उस दौरान 1000 रिजेक्शन झेलने पड़े थे.

लंबी-लंबी कतारों में खड़े रहते थे विकी

विकी ने जूम टीवी को दिए एक इंटरव्यू में कहा था, जब आप ऑडिशन देना शुरू करते हैं, आपको पता चलता है कि आप कितने पानी में हो. क्योंकि आप हजारों ऐसे लोगों के साथ कंपीट कर रहे होते हो, जो एक ही जॉब के लिए आए हैं. आप लंबी-लंबी कतारों में बाकी एक्टर्स के साथ खड़े होते हो और फिर ऐसे भी एक्टर्स हैं जो अंदर बैठे हैं और बहुत ही कमाल के एक्टर हैं और आपसे भी बेहतर कर रहे हैं. कभी-कभी ये चीजें आप पर हावी हो जाती हैं और आपके अंदर असुरक्षा की भावना आ जाती है.

विकी ने झेले 1 हजार रिजेक्शन

अभिनेता ने आगे कहा था, लेकिन लोग यह नहीं सोचते कि अगर मैंने 10 ऑडिशन क्रैक किए तो मैं एक हजार ऑडिशन में फेल हुआ हूं. मैं एक हजार ऑडिशन्स में रिजेक्ट हुआ और सिर्फ 10 में सिलेक्ट हुआ. तो नजर आते हैं सिर्फ 10 मौके और सबको लगता है कि अरे ये तो आसानी से मिल गया. मेरे पास कोई ऑप्शन नहीं था. अगर मैं यहां से गिरा तो सीधा नीचे गिरुंगा. मेरे पास कोई प्लान बी नहीं था, जिससे हिम्मत मिलती.

350 करोड़ी 'उरी' से मिली पहचान

विकी ने साल 2015 की फिल्म 'मसान' से एक्टिंग डेब्यू किया था. हालांकि उन्हें पहली बड़ी और खास पहचान 2019 में रिलीज हुई फिल्म 'उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक' से मिली थी. देशभक्ति पर बेस्ड ये फिल्म दुनियाभर में 341 करोड़ कमाकर ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी.

अब दी 800 करोड़ी 'छावा'

उरी की ऐतिहासिक सफलता के बाद विकी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा. 'सरदार उधम', 'राजी', 'संजू', और 'सैम बहादुर' जैसी फिल्मों से भी उन्होंने फैंस का दिल जीता. हाल ही में वो संभाजी महाराज के जीवन पर बेस्ड फिल्म 'छावा' में नजर आए. इस पिक्चर ने दुनियाभर में 800 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया है.

दीपिका पादुकोण

को करण जौहर ने किया ग्लोबल सुपरस्टार ऑफ ब्यूटी के नाम से संबोधित

मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 2025 WAVES समिट में दीपिका पादुकोण ने शिरकत की। इस खास मौके पर करण जौहर ने उन्हें ग्लोबल सुपरस्टार कहकर मंच पर आमंत्रित किया। समिट की शुरुआत खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी, और इसमें मीडिया व एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की कई बड़ी हस्तियों ने भाग लिया।शाहरुख खान के साथ दीपिका पादुकोण ने इस इवेंट में हिस्सा लिया, जो इंडियन एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री और उसके ग्लोबल इंपैक्ट पर केंद्रित था। उनका पैनल, जिसका नाम था द जर्नी- फ्रॉम आउटसाइडर टू रूलर, एक ऐतिहासिक पल बन गया, क्योंकि बॉलीवुड ये जबरदस्त जोड़ी यानी शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण ने पर्दे पर और पर्दे के बाहर अपनी यात्रा और अनुभवों को साझा किया।

दीपिका ने इस इवेंट में जो पारंपरिक बेज सलवार सूट पहना था, वो बहुत ही सुंदर था, जिसमें ट्राउज़र्स पर कटी हुई डिज़ाइन थी और एक हल्का दुपट्टा था। हालांकि, पैनल डिस्कशन के दौरान उन्होंने एक और स्टाइलिश काले रंग का आउटफिट पहना था।

2025 के पहले WAVES समिट में, करण जौहर ने शाहरुख़ ख़ान और दीपिका पादुकोण के साथ पैनल को होस्ट किया और समिट में एक दिल से उन्हें पेश किया। उन्होंने दीपिका का परिचय देते हुए कहा, वह खिलाड़ी जो न सिर्फ सीमाएं पार कर चुके हैं, बल्कि महासागर भी पार कर चुके हैं और फिर इतिहास में अपनी जगह बनाई है। एक ग्लोबल सुपरस्टार, जो आज खूबसूरती, ताकत और समय से परे आभा का प्रतीक बन चुकी हैं।

एक्ट्रेस ने अपने और शाहरुख खान के साथ सेशन द जर्नी- फ्रॉम आउटसाइडर टू रूलर के दौरान कई मुद्दों पर बात की, जिसमें स्टारडम से लेकर अपनी कमजोरियों तक का जिक्र था। यह सेशन डे 1 का सबसे खास पल बना, जिसमें इंडियन सिनेमा के किंग और क्वीन ने अपनी बात साझा की। हाल ही में मदरहुड को अपनाने वाली दीपिका ने अपनी जिंदगी के नए चैप्टर पर भी बात की और माँ बनने के अनुभव को साझा किया।